सेंसेक्स	~	82,186.81
निफ्टी	~	25,060.90
सोना	~	1,01,290
चांदी	~	1,18,000
डॉलर	~	86.33

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

PMG

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
गुरुवार 24 जुलाई 2025
श्रावण कृष्ण 14 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 299
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

संसद का मानसून सत्र : विपक्षी सांसदों ने पहलगाम आतंकी हमला, ऑपरेशन सिंदूर, भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम पर डोनाल्ड ट्रंप के बयान, बिहार की एसआईआर प्रक्रिया को लेकर किया प्रदर्शन, हंगामे से लगातार तीसरे दिन सदन नहीं चला

ऑपरेशन सिंदूर पर होगी महाबहस

लोकसभा में 28, राज्यसभा में 29 जुलाई को चर्चा...दोनों सदनों में 16-16 घंटे होगी बहस

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्षी दलों के सदस्यों ने अपनी मांगों के समर्थन में बुधवार को भी जबरदस्त हंगामा किया, जिसके कारण दो बार के स्थगन के बाद सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं विपक्ष की मांग पर ऑपरेशन सिंदूर को लेकर लोकसभा में 28 जुलाई और राज्यसभा में 29 जुलाई को चर्चा होगी। दोनों सदनों में बहस के लिए 16-16 घंटे का समय निर्धारित किया गया है। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत 21 जुलाई को हुई थी। पिछले 3 दिनों से विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर, बिहार वोटर वेरिफिकेशन जैसे मुद्दों पर हंगामा कर रहा है। तीन दिनों में दोनों सदनों में लगातार एक-आधे घंटे भी कार्यवाही नहीं चल सकी।

बुधवार को लोकसभा में बिहार वोटर वेरिफिकेशन मुद्दे पर हंगामा हुआ। विपक्षी सांसद नारेबाजी करते हुए वेल में चले आए। उन्होंने काले कपड़े लहराए। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा- आप सडक् का व्यवहार संसद में न करें। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही को गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। इससे पहले बिहार में मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) वापस लेने की मांग को लेकर विपक्ष के लोकसभा में भारी हंगामे के कारण बुधवार को प्रश्न काल और शून्य काल नहीं हो सका। सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिये स्थगित कर दी गई। दोपहर 12 बजे कार्यवाही पुन: शुरू होने पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने एसआईआर वापस लेने की मांग करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। कई विपक्षी सदस्य इसी मांग से संबंधित नारे लिखी हुई तख्तियां लिये हुए थे। विपक्षी सदस्य सदन के बीचोबीच भी आकर शोरशराबा कर रहे थे। अध्यक्ष ने सख्त लहजे में कहा कि सदन में तख्तियां लेकर आने वाले सदस्यों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि हर विषय पर नियम प्रक्रिया के तहत सदस्यों को अपनी बात रखने का अवसर दिया जाएगा। उन्होंने आग्रह करते हुए कहा कि संसद हमारी गौरवशाली लोकतंत्र की संस्था है। संसद और संसद परिसर में सदस्यों का व्यवहार मर्यादित होना चाहिए। देश की जनता ने उन्हें मुद्दों और नीतियों पर चर्चा करने के लिए यहां चुनकर भेजा है। उन्होंने कहा कि सदस्य सडक़ों का आचरण संसद में कर रहे है। देश सदस्यों का आचरण देख रहा है। अध्यक्ष के आग्रह के बावजूद हंगामा नहीं रुका तो सदन की कार्यवाही बारह बजे तक स्थगित कर दी गई।

ट्रम्प सीजफायर कराने वाले कौन

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने के दावे को लेकर सरकार पर निशाना साधा। संसद में मानसून सत्र में भाग लेने के बाद राहुल ने पूछा कि ट्रम्प के दावों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुप क्यों हैं। राहुल ने कहा कि ट्रम्प 25 बार दावा कर चुके हैं कि उन्होंने सीजफायर करवाया। वह कौन हैं? यह उनका काम नहीं है। भारत के प्रधानमंत्री पूरी तरह से चुप हैं। उन्होंने एक बार भी ट्रम्प के दावों का जवाब नहीं दिया। उन्हें सिर्फ विदेश यात्रा करने का समय मिल रहा है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि पूरी दुनिया जानती है कि ट्रम्प ने भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर की घोषणा की थी। इस सच को कोई नहीं बदल सकता। इसलिए, प्रधानमंत्री क्या बोलेंगे। कैसे बताएंगे कि ट्रम्प ने पाकिस्तान के साथ समझौता करवाया है? वह कह नहीं सकते, लेकिन यह सच पूरी दुनिया जानती है। उन्होंने आगे कहा कि पीएम ने हमारी विदेश नीति को बर्बाद कर दिया है। आप उंगलियों पर गिन भी नहीं सकते कि कितने देशों ने हमारा समर्थन किया है। किसी ने भी हमारा समर्थन नहीं किया है। यह सिर्फ सीजफायर की बात नहीं है। रक्षा, रक्षा निर्माण और ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े कई बड़े मुद्दे हैं, जिन पर हम सदन में चर्चा करना चाहते हैं।

वोटर लिस्ट रिवीजन पर संसद में नहीं होगी चर्चा

मॉनसून सत्र की शुरुआत से ही विपक्ष बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और सत्यापन के खिलाफ आक्रामक रुख अख्तियार कर रखा है। इस मुद्दे पर संसद के दोनों सदन नहीं चल पा रहे हैं। विपक्ष बिहार विशेष गहन पुनरीक्षण को वापस लेने की मांग कर रहा है, संसद में चर्चा चाह रहा है। अब खबर है कि संसद में इस मुद्दे पर चर्चा नहीं होगी। सरकार के टॉप सूत्रों का कहना है कि सरकार चुनाव आयोग की ओर से जवाब नहीं दे सकती। सरकार चुनाव आयोग की ओर से कैसे बोल सकती है। सरकार के शीर्ष सूत्रों ने स्पष्ट कहा कि संसद में एसआईआर पर कोई चर्चा नहीं होगी। बिहार में वोटर लिस्ट का एसआईआर चुनाव आयोग की ओर से कराया जा रहा है, सरकार की ओर से नहीं। गौरतलब है कि बिहार में चुनाव आयोग की ओर से वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण और सत्यापन के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत एसआईआर के लिए अब दो दिन का समय बाकी रह गया है। चुनाव आयोग की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के मुताबिक इस अभियान के तहत अब तक सूबे के 98 ।01 प्रतिशत वोटर कवर किए जा चुके हैं। बिहार की वोटर लिस्ट में 20 लाख नाम ऐसे पाए गए हैं, जिन मतदाताओं का निधन हो चुका है। वहीं, आठ लाख ऐसे मतदाताओं को भी चिह्नित किया गया है, जिनका पता अब बदल चुका है। कुल मिलाकर 50 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम हटाए जाने की जानकारी चुनाव आयोग की ओर से दी जा चुकी है।

खास खबर

कांवड़ यात्रा में करंट, 2 की मौत

अलवर। अलवर में कांवड़ यात्रा में करंट फैलने से 2 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। हादसे में 30 से ज्यादा कांवडिये़ झुलसे हैं। इनमें से 3 की हालत गंभीर है। घटना लक्ष्मणगढ़ के बिचगांवा में बुधवार सुबह 7.30 बजे हुई। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। जिसमें श्रद्धालु डांस करते नजर आ रहे हैं। फिर अचानक कई लोग जमीन पर गिर जाते हैं। जानकारी के अनुसार कांवड़ यात्रा में चल रहा डीजे ट्रक हाईटेंशन लाइन से टच हो गया था। इसके बाद जमीन पर करंट फैल गया। हादसे में झुलसे तीन लोगों की हालत गंभीर हैं। घटना से गुस्साए लोगों ने प्रशासन के साथ सहमति से पहले 5 घंटे तक लक्ष्मणगढ़-मुंडावर रोड जाम रखा।

भारत ने पासपोर्ट रैंकिंग में आठ स्थानों की लगाई छलांग

नई दिल्ली। भारत ने जनवरी 2025 के बाद से अपनी पासपोर्ट रैंकिंग में बड़ा सुधार दर्ज किया है, और 85वें से 77वें स्थान पर पहुंच गया है। भारत की पासपोर्ट रैंकिंग आठ स्थान ऊपर चढ़ गई है। भारत को 59 के लिए वीजा पहुंच प्राप्त हो गया है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स की रैंकिंग में इसकी पुष्टि हुई है। सिंगापुर ने हेनले पासपोर्ट इंडेक्स में शीर्ष स्थान बरकरार रखा है, जहाँ उसे दुनिया भर के 227 गंतव्यों में से 193 तक वीज़ा-मुक्त पहुँच प्रदान की गई है। जुलाई 2025 में प्रकाशित यह रैंकिंग अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (आईएटीए) के विशिष्ट आंकड़ों पर आधारित है और यह उन गंतव्यों की संख्या दर्शाती है जहाँ पासपोर्ट बिना पूर्व वीज़ा के प्रवेश की अनुमति देता है। एशियाई पड़ोसी देश जापान और दक्षिण कोरिया संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं, जहाँ प्रत्येक को 190 गंतव्यों तक वीज़ा-मुक्त पहुँच प्राप्त है।

बेंगलुरु में बस स्टैंड पर विस्फोटक बरामद

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु के कलासीपाल्यम बस स्टैंड पर भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुए हैं। वेस्ट बेंगलुरु के डीसीपी एस गिरीश ने बताया कि बस स्टैंड के टॉयलेट के बाहर एक प्लास्टिक बैग में छह जिलेटिन की छड़ें और कुछ डेटोनेटर (दोनों अलग-अलग) मिले। मौके पर पुलिस और आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) पहुंच गए। घटना के पीछे के मकसद का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। डीसीपी ने बताया कि अभी एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। पिछले साल, 1 मार्च को बेंगलुरु में फेमस रामेश्वरम कैफे में आईईडी ब्लास्ट हुआ था। इसमें 10 लोग घायल हुए थे। सीसीटीवी फुटेज में दिखा कि मास्क लगाए हुए एक व्यक्ति कैफे के पास बस से उतरा और कैफे में घुसा। वह एक बैग लेकर आया था। कैफे में उसने इडली ऑर्डर की, काउंटर पर पेमेंट करके टोकन लिया। इसके बाद बैग को डस्टबिन के पास रखकर चला गया। एक घंटे बाद इसी बैग में टाइमर के जरिए धमाका हुआ था।

अगस्त के आखिर में होगा उपराष्ट्रपति चुनाव

नई दिल्ली। देश को नया उपराष्ट्रपति अगस्त महीने के आखिर तक मिल सकता है। चुनाव का शेड्यूल अगले 72 घंटे में जारी हो सकता है। चुनाव आयोग ने बुधवार को बताया कि चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जब सारी तैयारियां पूरी हो जाएंगी, फिर चुनाव की आधिकारिक घोषणा करेंगे। चुनाव आयोग को संविधान के आर्टिकल 324 के तहत उपराष्ट्रपति के पद के लिए चुनाव कराने का अधिकार है।

दिल्ली-नोएडा और गुजरात से 4 संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

अहमदाबाद। गुजरात एटीएस ने एक बड़ी आतंकी साजिश का खुलासा करते हुए अल कायदा इन इंडियन सबकॉंटिनेंट से जुड़े मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में कुल चार संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है। गुजरात एटीएस अधिकारियों के मुताबिक, पकड़े गए चार आतंकियों में दो को गुजरात से, एक दिल्ली से और एक नोएडा से गिरफ्तार किया गया है। यह सभी आतंकवादी अल कायदा के अल कायदा से जुड़े बताए जा रहे हैं। गिरफ्तार आतंकियों की पहचान सैफुल्लाह कुरैशी, मोहम्मद फर्दीन, और मोहम्मद फैक और जीशान अली के रूप में हुई है।

गुजरात एटीएस का कहना है कि इन आतंकियों को कुछ खास और संवेदनशील ठिकानों को निशाना बनाने के निर्देश दिए गए थे। ये चारों आतंकी सोशल मीडिया ऐप्स के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़े हुए थे और जांच में यह भी सामने आया है कि इनका संपर्क सीमा पार बैठे आतंकियों से भी था।

धनबाद में अवैध खनन के दौरान चाल धंसी....10 से ज्यादा लोग अंदर फंसे होने की आंशका

विधायक जयराम महतो ने 15 मजदूरों की मौत की सूचना दी

धनबाद। झारखंड में धनबाद जिले के बाघमारा इलाके में दुखद घटना हुई। अवैध खनन के दौरान एक चाल धंस गई। आशंका है कि 10 से ज्यादा लोग अंदर फंसे हुए हैं। हादसा केसरगढ़ इलाके में हुआ, जो बीसीसीएल ब्लॉक दो के तहत आता है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक अवैध खनन चल रहा था, तभी यह हादसा हुआ। प्रशासनिक अधिकारी अभी तक फंसे हुए लोगों की संख्या की पुष्टि नहीं कर सके हैं। जबकि एक मजदूर के शव को कोयला चोर निकाल कर ले जाने में सफल रहे हैं।

वहीं चाल धंसने की खबर फैलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। बताया गया है कि अवैध खनन करने वाले सिंडिकेट ने फंसे हुए मजदूरों के परिवारों को घटनास्थल से दूर रखने की कोशिश की। इससे ग्रामीणों में गुस्सा बढ़ गया है। विधायक जयराम महतो ने कहा कि अवैध खनन की चाल धंसने से 15 मजदूरों की मौत की खबर है। जबकि अंदर 30 लोगों के दबे होने की आशंका जाहिर की जा रही है। उन्होंने कहा कि अवैध मुहाने को जल्दबाजी में बंद किया गया है, लाश को छिपाया जा रहा है। जिला प्रशासन बंद किए गए मुहाने को खोलकर लाश को निकाले और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करें।

विधायक सरयू राय ने भी घटना पर दुख जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि बाघमारा के जमुनिया नामक स्थान पर अवैध खनन की चाल धंसने से 9 मजदूरों की मौत हो गई है। प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार चुनचुन नामक खनन माफिया प्रभावशाली संरक्षण में अवैध खनन करा रहा था।

घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे की जानकारी मिलने पर स्थानीय पुलिस और सीआईएसएफ की टीम मौके पर पहुंच कर मामले की जांच में जुट गई है। साथ ही मलबा हटाकर राहत और बचाव का काम शुरू किया गया है। अभी तक किसी के शव के मिलने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन राहत बचाव कार्य के दौरान एक शव निकलने की खबर सामने आ रही है। यह केवल अफवाह है या सत्य इसकी सटीक जानकारी किसी के पास नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने दहेज उत्पीड़न मामलों में इलाहाबाद हाईकोर्ट की गाइडलाइंस को मंजूरी दी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दहेज उत्पीड़न मामलों में दुरुपयोग रोकने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट की गाइडलाइंस को मंजूरी दी है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए (पत्नी के साथ क्रूरता) के दुरुपयोग को रोकने के लिए फैमिली वेलफेयर कमेटी (एफडब्ल्यूसी) के गठन संबंधी जारी दिशा-निर्देशों को मंजूरी दे दी। मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति ए.जी.मसीह की पीठ ने आदेश दिया कि इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा 13 जून 2022 को क्रिमिनल रिवीजन नंबर 1126 ऑफ 2022 में दिए गए फैसले के पैरा 32 से 38 तक जो दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, वे प्रभाव में रहने और संबंधित अधिकारियों द्वारा लागू किए जाए। इन दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि धारा 498ए के मामलों में तुरंत गिरफ्तारी न हो, बल्कि पहले उन्हें फैमिली वेलफेयर कमेटियों के पास भेजा जाए, ताकि मामले की निष्पक्ष जांच और सुलह-सफाई का मौका मिल सके।

ऑनलाइन अदालती सुनवाई में टॉयलेट से पेश, शख्स को 15 दिन की सामुदायिक सेवा का आदेश

गुजरात उच्च न्यायालय ने 1 लाख का जुर्माना लगाया

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में ऑनलाइन अदालती सुनवाई के दौरान टॉयलेट से ही पेश होने वाले शख्स को अदालत की अवमानना का सामना करना पड़ेगा। गुजरात हाईकोर्ट ने सुनवाई में अब्दुल समद को 15 दिन की सामुदायिक सेवा करने का आदेश दिया है। यह घटना 20 जून को हुई जब जस्टिस नीरज एस देसाई मामले की सुनवाई कर रहे थे। तभी अब्दुल टॉयलेस से ही ऑनलाइन सुनवाई में शामिल हुआ था। इसका वीडियो वायरल हो गया था। इसके बाद गुजरात हाईकोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेकर अवमानना कार्यवाही की थी। कोर्ट ने 14 जुलाई को हुई सुनवाई में अब्दुल पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया था। जुर्माने का राशि 22 जुलाई तक कोर्ट की रजिस्ट्री में जमा करनी थी। हालांकि, मंगलवार को अब्दुल ने 1 लाख रुपए की जुर्माना राशि भी भरी और कोर्ट से अपनी गलती के लिए माफी भी मांग ली है।

जस्टिस वर्मा केस से हटे सीजेआई गवई गवई ने कहा- मैं सुनवाई नहीं कर सकता, क्योंकि पहले भी इसका हिस्सा रहा; अब नई बेंच करेगी सुनवाई

नई दिल्ली। जस्टिस यशवंत वर्मा के कैश कांड की सुनवाई से चीफ जस्टिस बीआर गवई ने खुद को अलग कर लिया है। बुधवार को सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा, मेरे लिए इस केस की सुनवाई में शामिल होना उचित नहीं होगा, क्योंकि मैं पहले भी इसका हिस्सा रहा हूं। दरअसल, 19 जुलाई जस्टिस वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इसमें उन्होंने इन-हाउस कमेटी की रिपोर्ट और महाभियोग की सिफारिश रद्द करने की अपील की थी। रिपोर्ट में घर में कैश मिलने के मामले में जस्टिस वर्मा को दोषी ठहराया गया है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस वर्मा की ओर से सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने दलील रखी। उन्होंने कहा कि इसमें कुछ संवैधानिक मुद्दे हैं। कृपया जल्द से जल्द बेंच गठित करें। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले पर सुनवाई के लिए नई बेंच गठित करेंगे। दूसरी तरफ, संसद में जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही भी शुरू हो गई है। जस्टिस वर्मा को हटाने के लिए 152 सांसदों ने 21 जुलाई को लोकसभा में अध्यक्ष ओम बिरला को ज्ञापन सौंपा। राज्यसभा में 50 से ज्यादा सांसदों ने प्रस्ताव पर साइन किए। याचिका में जस्टिस वर्मा बोले- घर से नोट मिलना साबित नहीं करता कि ये मेरे थे। 18 जुलाई को जस्टिस वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें उन्होंने तर्क दिया था कि उनके आवास के बाहरी हिस्से में कैश बरामद होने मात्र से यह साबित नहीं होता कि वे इसमें शामिल हैं, क्योंकि आंतरिक जांच समिति ने यह तय नहीं किया कि नकदी किसकी है या परिसर में कैसे मिली। समिति के निष्कर्षों पर सवाल उठाते हुए उनका तर्क दिया है- ये अनुमान पर आधारित है। याचिका में जस्टिस वर्मा का नाम नहीं है, बल्कि सुप्रीम कोर्ट डायरी में इसे एक्सएक्सएक्स बनाम भारत सरकार व अन्य के टाइटल से दर्ज किया गया है।

एसआईआर को लेकर बिहार विधानसभा में हंगामा, नीतीश और तेजस्वी के बीच तीखी नोक-झोंक

पटना। बिहार विधानसभा में बुधवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बीच तीखी नोक-झोंक देखने में मिली। तेजस्वी विधानसभा में एसआईआर प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे थे। उन्होंने मोदी सरकार और चुनाव आयोग की घेराबंदी की। इसी बीच, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तेजस्वी को टोकते हुए उनके आरोपों का जवाब दिया। बिहार विधानसभा में तेजस्वी ने कहा कि संविधान में 18 साल से ऊपर के नागरिक को वोट देने का अधिकार है। हम एसआईआर के विरोधी नहीं हैं, लेकिन इसकी प्रक्रिया का हम विरोध करते हैं। पारदर्शिता होनी चाहिए और ईमानदारी से निष्पक्ष होकर चुनाव आयोग को काम करना चाहिए था, लेकिन आयोग की ओर से नहीं हो रहा है।

बाहरी वोटर के विषय पर तेजस्वी ने कहा, आयोग ने दावा किया कि कुछ बाहरी लोग भी मतदाता सूची में शामिल हैं, इसकी जानकारी उन्हें सूत्रों से मिली। शर्म की बात है कि एसआईआर ड्राइव चल रहा है और चुनाव आयोग ने बाहरी वोटर्स पर सामने आकर जवाब नहीं दिया है। उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट में मामला चल रहा है और मंगलवार को चुनाव आयोग ने 780 पेज का हलफनामा दिया। उसमें कहीं भी बाहरी लोगों का जिक्र नहीं है। भाजपा के 52986 पंजीकृत बीएलए ने विदेशी नागरिकों के मामले चुनाव आयोग के सामने नहीं उठाए। तेजस्वी को सदन में जवाब देकर उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने कहा, आप बिहार की जनता को बरगला रहे हैं।

पीएम मोदी ब्रिटेन दौरे पर रवाना, प्रधानमंत्री स्टार्मर और किंग चार्ल्स से मिलेंगे

भारत-ब्रिटेन के बीच होगाफ्री ट्रेड एग्रीमेंट

नई दिल्ली/लंदन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को दोपहर ब्रिटेन के दो दिवसीय दौरे पर रवाना हो गए हैं। यह उनकी चौथी ब्रिटेन यात्रा है। यहां वे ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के न्योते पर जा रहे हैं। इसके बाद वे 2 दिन के लिए मालदीव के दौरे पर जाएंगे। कीर स्टार्मर के प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी की यह पहली ब्रिटेन यात्रा है। पीएम की मुलाकात ब्रिटिश सम्राट किंग चार्ल्स से भी होगी। लंदन में पीएम मोदी और स्टार्मर के बीच द्विपक्षीय बैठक होगी। इसमें दोनों के बीच भारत-यूके फ्री ट्रेड एग्रीमेंट(एफटीए), रक्षा, टेक्नोलॉजी और जलवायु

जैसे मुद्दों पर बातचीत होगी। एफटीए को लेकर दोनों देशों के बीच 3 साल से ज्यादा समय तक बातचीत चली, जो अब जाकर पूरी हुई है।

पीएम मोदी की इस यात्रा के दौरान भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच तीन साल तक चली बातचीत के बाद फ्री ट्रेड एग्रीमेंट साइन किया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एग्रीमेंट के मसौदे की लीगल प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

एफटीए को कैबिनेट से मंजूरी मिली

भारत और यूके के बीच होने वाले इसे एफटीए को भारतीय कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है। अब इसे ब्रिटिश संसद से अप्रूवल मिलना बाकी है। इसमें 6 महीने से 1 साल तक का वक्त लग सकता है। पीएम मोदी के साथ वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भी ब्रिटेन यात्रा पर हैं। एफटीए से जुड़ी बातचीत में उनका प्रमुख रोल है। इससे पहले 6 मई को दोनों देशों के बीच डील फाइनल हुई थी। एफटीए का मकसद 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करके 120 अरब डॉलर करना है। एग्रीमेंट साइन होने के बाद भारत के लेदर, फुटवियर, टेक्सटाइल, खिलौने, जेम्स एंड ज्वेलरी जैसे लेबर-इंटेंसिव प्रोडक्ट्स पर् य में एक्सपोर्ट टैक्स खत्म हो जाएगा। वहीं ब्रिटिश व्हिस्की, कार जैसे प्रोडक्ट्स भारत में सस्ते हो जाएंगे। डील के बाद दोनों देशों के बीच व्यापार 2030 तक 120 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। इसके साथ ही दोनों देशों में डिजिटल, इंजीनियरिंग, मार्केटिंग जैसे क्षेत्रों में नए रोजगार की उम्मीद है।

एक्सप्रेस ट्रेनों का लामता स्टेशन में दिया जाए स्टॉपेज

30 जुलाई को लामता बंद का आव्हान, रेल यात्री, क्षेत्रीय विकास समिती और ग्रामीणों ने स्टेशन प्रबंधक को सौपा ज्ञापन, जबलपुर -रायपुर इंटरसिटी और चंदाफोर्ट एक्सप्रेस का स्टॉपेज दिए जाने की करी मांग, कहां मांगों को लेकर प्रदर्शन कर, रैली निकालकर सौपेंगे ज्ञापन

लामता(पद्मेश न्यूज)। जिला मुख्यालय से करीब 45 किलोमीटर दूर लामता रेलवे स्टेशन में सभी एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टॉपेज दिए जाने की मांग स्थानीय रेल यात्री, क्षेत्रीय विकास समिति और व्यापारी बंधुओ ने की है। जहां उन्होंने अपनी इस मांग को लेकर मंगलवार को एक बैठक का आयोजन कर 30 जुलाई को लामता बंद का आह्वान किया है। तो वही अपनी इसी मांग को लेकर बुधवार 23 जुलाई को लामता रेलवे स्टेशन प्रबंधक को एक ज्ञापन भी सौपा है। जिसमें उन्होंने बालाघाट से जबलपुर की ओर, और जबलपुर से बालाघाट की ओर आने जाने वाली सभी एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टॉपेज लामता रेलवे स्टेशन में दिए जाने की मांग की है। जहां उन्होंने चंदाफोर्ट एक्सप्रेस ट्रेन का स्टॉपेज ना मिलने और जबलपुर से रायपुर इंटरसिटी ट्रेन के शेड्यूल में भी लामता को स्टॉपेज न दिए जाने पर अपनी नाराजगी जताते हुए खासकर इन दोनों ट्रेनों के स्टॉपेज की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन कर, रैली निकालने और 30 जुलाई को लामता बंद कर, विरोध प्रदर्शन किए जाने की चेतावनी दी है। इस दौरान विक्रम ठाकुर, हुलासमल कोचर, रामकुमार असाटी, अभिषेक गुप्ता,राम मोहन असाटी, शत्रु ठाकरे,संजू असाटी, मुकेश चौरसिया , सुनिल पाठक, शंभू प्रसाद पाण्डे, कंकर नागपूरे, सुशील कोचर, अजय तिलस्मी, तन्मय जैन, राकेश जैन, राजेश यूके, अशोक असाटी, राजेंद्र मानेश्वर, सुनिल श्रीवास राम साकुरे सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

रेल मंत्री और रेलवे प्रबंधक के नाम सौपा ज्ञापन

रेलयात्री क्षेत्रीय विकास समिति और व्यापारी बंधुओ द्वारा सौंपे गए इस ज्ञापन में इस बात का उल्लेख किया गया की लामता क्षेत्र बहुत बड़ा क्षेत्र है।जो मलाजखंड,बैहर, परसवाड़ा ,बिरसा आदि क्षेत्र लगा हुआ है।वहां के यात्री, व्यापारी बंधु, किसान मजदूर हर कोई लामता रेलवे स्टेशन से अपने गंतव्य की ओर सफर करते हैं। ऐसे में एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टॉपेज ना मिलने की चलते क्षेत्रवासियो भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है और एक्सप्रेस ट्रेन के लिए उन्हें करीब 50 किलोमीटर दूर बालाघाट स्टेशन जाना पड़ता है। जिस पर अपनी नाराजगी जताते हुए उन्होंने यथाशीघ्र लामता रेलवे स्टेशन में इन दोनों एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टॉपेज दिए जाने की गुहार लगाई है।जहां अपनी इस मांग को लेकर उन्होंने रेल मंत्री और रेल प्रबंधक के नाम ज्ञापन सौपते हुए, मांग पूरी न होने पर 30 जुलाई को लामता बंद कर धरना प्रदर्शन किए जाने की चेतावनी दी है।

महज रीवा इतवारी एक्सप्रेस ट्रेन को मिला है लामता स्टॉपेज

क्षेत्र वासियों के अनुसार पहले जब छोटी लाइन थी तब सभी ट्रेन लामता रेलवे स्टेशन पर

रुकती थी। लेकिन बड़ी लाइन बन जाने के बाद 3 से 4 एक्सप्रेस ट्रेने रोजाना लामता रेलवे स्टेशन से गुजरती है। जिसमें से रीवा इतवारी एक्सप्रेस को छोड़कर अन्य किसी भी एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टॉपेज लामता स्टेशन में नहीं दिया गया है। वही रीवा इतवारी एक्सप्रेस भी रोजाना नहीं चलती। जिसके चलते उन्हें इन एक्सप्रेस ट्रेनों का लाभ नहीं मिल रहा है। जिस पर अपनी नाराजगी जताते हुए स्थानीयजनों द्वारा आगामी समय में शुरू होने वाली जबलपुर -रायपुर इंटरसिटी और जबलपुर-चंदाफोर्ट एक्सप्रेस ट्रेनो का स्टॉपेज लामता रेलवे स्टेशन में दिए जाने की मांग की है।

30 जुलाई को लामता बंद का आव्हान- कोचर

लामता सरपंच हुलासमल कोचर ने बताया कि सभी व्यापारी बंधु रेल यात्री क्षेत्रीय विकास समिति के साथ आज रेलवे स्टेशन आए हैं।जिसमें सभी एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टॉपेज लामता स्टेशन में किए जाने की मांग की गई है। उन्होंने बताया कि अभी इस स्टेशन से जबलपुर चंदाफोर्ट ट्रेन चलती है लेकिन उसका स्टापेज भी लामता नहीं दिया गया है हम चाहते हैं कि चंदाफोर्ट ट्रेन का स्टॉपेज लामता दिया जाए। वही अभी जबलपुर-रायपुर इंटरसिटी ट्रेन भी शुरू हो रही है उसका स्टॉपेज ही लामता स्टेशन में दिया जाना चाहिए। जिस तरह पहले नेरो गेज ट्रेन चलती थी।उस समय सभी ट्रेनों का स्टापेज लामता स्टेशन दिया गया था। लेकिन वर्तमान समय में बड़ी लाइन है उसपर चलने वाली सभी एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टापेज लामता नहीं दिया जा रहा है जबकि लामता बहुत बड़ा क्षेत्र है यह सभी ट्रेनों का स्टापेज होना चाहिए।इसी मांग को लेकर ज्ञापन सौपा गया है वही 30 को जुलाई को लामता बंद का आह्वान किया गया है।

छोटी लाइन बंद होना हमारे लिए दुःखदाई साबित हो रही है-राम असाटी

क्षेत्रवासी राम कुमार असाटी ने बताया कि छोटी लाइन बंद होना हम क्षेत्र वासियों के लिए दुःखदाई साबित हुई है। क्योंकि छोटी लाइन में सतपुड़ा एक्सप्रेस थी, जिसका लामता स्टापेज था। अभी लाइन बड़ी हो चुकी है,जिसपर 2 से 3 एक्सप्रेस ट्रेने चल रही है।रीवा इतवारी को छोड़कर अन्य किसी भी एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टॉपेज लामता स्टेशन नहीं दिया गया है।हमारी मांग है कि जबलपुर से रायपुर और जबलपुर से चंदाफोर्ट के बीच चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेन का स्टॉपेज लामता दिया जाए। इसके अलावा भविष्य में जितनी भी एक्सप्रेस ट्रेन है यहां से चलाई जाएंगी उन सभी का स्टॉपेज लामता दिया जाए इसी मांग को लेकर 30 जुलाई को लामता बंद का आह्वान किया गया है।बंद के दौरान प्रदर्शन के माध्यम से रैली निकाली जाएगी और अपनी इस मांग को लेकर ज्ञापन सौपा जाएगा।

क्षेत्र वासियों को एक्सप्रेस ट्रेनो का नहीं मिल रहा लाभ

वहीं ग्राम भोड़वा सदस्य सुनील पाठक और स्थानीय निवासी राम साकुरे ने बताया कि हमारे यहां से लामता, बिरसा, मलाजखंड, बैहर, परसवाड़ा क्षेत्र लगा हुआ है।इन क्षेत्र के लोग भी लामता स्टेशन से ही ट्रेन में बैठते हैं। कोरोना काल में कुछ ट्रेने बंद की गई थी। उसे आज तक शुरू नहीं किया गया है। यहां से रोजाना 5 से ट्रेन चलती है उसमें से रीवा इतवारी एक्सप्रेस को ही स्टापेज दिया गया है। हमारी मांग है कि यहां सभी एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टॉपेज दिया जाए।

ज्ञापन उच्च अधिकारियों को प्रेषित किया जाएगा- एसआई दिलीप

उधर क्षेत्र वासियों के ज्ञापन को स्वीकारते हुए लामता थाना एसआई दिलीप करण ने बताया कि लामता स्टेशन में गाड़ियों के स्टॉपेज की मांग को लेकर क्षेत्रवासियों ने ज्ञापन दिया है। उन्होंने बताया कि एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए क्षेत्रवासियो को 50 किमी दूर बालाघाट जाना पड़ता है। जिससे क्षेत्र वासियों को परेशानी होती है। उनका यहां ज्ञापन रेल मंत्री और रेल प्रबंधक के नाम है जो हमने प्राप्त किया है। इसे उच्च अधिकारियों और संबंधीतो को प्रेषित किया जाएगा।

पूर्व कलेक्टर से विद्यार्थियों ने कैरियर को लेकर पूछे सवाल, दिया जवाब

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले में रहे पूर्व कलेक्टर एवं पूर्व कमिश्नर समान बी चन्द्रशेखर समय-समय पर बालाघाट जिले में आते रहते है, और विद्यार्थियों से उनके कैरियर को लेकर व परीक्षाओं की तैयारियों के लिए उन्हें मार्गदर्शन भी देते रहते है। इसी कड़ी में एकलव्य संस्थान में आयोजित एक विशेष कैरियर मार्गदर्शन सत्र के आयोजन में वे पहुंचे। इस अवसर पर पूर्व कमिश्नर ने अपने प्रशासनिक सेवाओं के अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को सिविल सेवा,राज्य सेवा, बैंकिंग, एसएससी, रेलवे,न्यायिक सेवा आदि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव दिए।उन्होंने विद्यार्थियों को अध्ययन की रणनीतियां, समय प्रबंधन, पाठ्यक्रम की समझ और आत्म-विश्वास के महत्व पर विस्तार से बताया।उन्होंने कहा, 卐प्रतियोगी परीक्षाओं की सफलता के लिए समर्पण, निरंतरता और आत्म-विश्लेषण बेहद ज़रूरी हैं। किसी भी असफलता से घबराना नहीं चाहिए, बल्कि उससे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

विद्यार्थियों के सवालों का दिया जवाब

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने पूर्व कमिश्नर से सीधे सवाल पूछे,जिनका उन्होंने खुलकर और सरल भाषा में उत्तर दिया। इस संवादात्मक सत्र से छात्रों में नई ऊर्जा और दिशा का संचार हुआ।विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायक बताया। इस दौरान संस्था प्रमुख अर्पित बलभद्र, दीपक सेलोकर सहित अन्य छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

राज्य अलग हुए बीत गए 25 वर्ष, अब तक नही हटाई गई बंधनकारी धारा

मप्र छग.राज्य पुर्नगठन अधिनियम 2000 की धारा 49(6) को किया जाए विलोपित, प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन ने सौपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पेंशनर्स एसोसिएशन की वर्षों से कई मांगे लंबित है जिन पर शासन प्रशासन द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।ऐसा आरोप लगाते हुए प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन जिला इकाई बालाघाट द्वारा कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौंपा गया है।जिसमें उन्होंने वर्षों से लंबित मध्यप्रदेश और छत्तीसगड़ राज्य के पुर्नगठन अधिनियम 2000 की धारा 49(6) को तत्काल हटाकर वर्षो से लंबित महंगाई, राहत व एरियस का तत्काल पूर्ण भुगतान किए जाने की मांग की है।

दो राज्यो के बीच सहमति में फंसे पेंशनर

मध्यप्रदेश के पेंशनर्स, नियमित कर्मचारियों को मिल रहे 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता से दो प्रतिशत कम महंगाई भत्ता मिलने से परेशान है। पेंशनरों का कहना है कि इससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। जिसकी मुख्य वजह मध्यप्रदेश और छत्तीसगड़ राज्य के पुर्नगठन अधिनियम 2000 की धारा 49(6) है। जिसे विगत 15-16 वर्षो से विलोपित करने की मांग कर रहे है।प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन ने, अधिनियम की इस धारा के कारण महंगाई भत्ता राहत में हो रहे नुकसान की ओर सरकार का ध्यानाकर्षण करवाते हुए उक्त धारा को तत्काल विलोपित करने की मांग की है।

25 वर्ष बीत गए अब तक नही हटाई गई धारा

पेंशनर संघ पदाधिकारियो ने बताया कि यूपी से अलग होकर बने उत्तराखंड, बिहार से अलग होकर बने झारखंड और आंध्रप्रदेश से अलग होकर बने तेलंगाना राज्य में, ऐसी कोई धारा नहीं है, केवल मध्यप्रदेश और छत्तीसगड़ के बीच ही ऐसा है, जिसके कारण दोनो ही राज्यो के पेंशनरों को नुकसान हो रहा है। आज इसे 25 वर्ष हो गए बावजूद इसके भी अभी तक इस धारा को नही हटाया गया है।

इन मांगों को लेकर सौपा ज्ञापन

प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन द्वारा कलेक्टर कार्यालय में सौपे गए इस ज्ञापन में मप्र.-छग. पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49 परिशिष्ट 6 जिस आधार पर महँगाई राहत स्वीकृति के पूर्व दोनो राज्य सरकारो द्वारा परस्पर सहमति की प्रक्रिया अपनाई जाती है ।उसको समाप्त या विलोपित करने, केन्द्र सरकार के पेंशनर्स के अनुरूप राहत राशि का भुगतान करने, जुलाई 2024 के 3 प्रतिशत राहत राशि के एरियर का भुगतान करने, जनवरी 2025 से 2 प्रतिशत राहत राशि का भुगतान करने,प्रमुख पेशनर्स एसोसिएशन एंव सहयोगी संघठनो द्वारा समय समय पर प्रस्तुत ज्ञापनो पर विशेषत शासन को 20 मई को प्रस्तुत ज्ञापन मे उल्लेखित समस्याए जैसे मँहगाई राहत का नियमित भुगतान 32 माह एंव 27 माह के एरियर आदि का निराकरण करने, संभागीय स्तरीय पेंशनर्स की सूचना सहायता तथा जिला स्तर पर पेंशनर्स फोरम गठित करने, उसकी नियमित बैठक की व्यवस्था संबंध मे अधिनस्थ अधिकारियो को निर्देशित करने,और कोविड काल के दौरान बंद हुई वरिष्ठजनो की सुविधाये बहाल किए जाने की गुहार लगाई है ।

करीब 16 वर्षो से महज 1 मांग पूरी नही कर पा रही सरकार- गंगेले

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन प्रांतीय संगठन मंत्री शिवशंकर गंगेले ने बताया कि हम पिछले 15-16 वर्षों से महज एक मांग को लेकर आवेदन निवेदन कर ज्ञापन सौप रहे हैं। पर लंबा समय भी जाने के बावजूद भी हमारी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। हमारी एक ही प्रमुख है मांग कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की बंधनकारी धारा 49(6) को हटाया जाए। लेकिन इसको लेकर दोनों ही राज्य की सरकारे टालमटोल कर रही है। इस धारा के चलते पेंशनर्स कर्मचारियों को नुकसान हो रहा है। पूर्व में करीब 32 माह और 27 माह का एरियर सरकार ने हजम कर लिया है। उचित महंगाई भत्ता भी नहीं दिया जा रहा है। हमारी मांग है की धारा 29(6) को हटाकर पेंशनर्स कर्मचारियों को राहत पहुंचाई जाए ।अपनी इस मांग को लेकर कई बार आवेदन निवेदन कर चुके हैं हमारे कई साथी स्वर्ग सिधार गए हैं पर आज तक यह मांग पूरी नहीं हो पाई है।जिससे हमें आर्थिक व मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

5 वर्षीय मासूम लड़की के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में एक आरोपी को आजीवन कारावास

पोस्को एक्ट के विशेष न्यायाधीश गौतम सिह मरकाम की अदालत का फैसला, मरते दम तक कारावास में रहेगा आरोपी सुरेश गोंदुड़े

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। 5 वर्षीय मासूम लड़की के साथ दुष्कर्म करने के मामले में यहा के पास्को एक्ट के विशेष न्यायाधीश गौतम सिह मरकाम की विद्वान अदालत ने एक आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। यह आरोपी सुरेश पिता भिवा जी गोंदुड़े 35 वर्ष इंदिरा आवास टोली रजेगांव थाना किरनापुर निवासी है जो प्राकृत जीवन काल तक कारावास में रहेगा। विद्वान अदालत ने इस आरोपी को 6500 रुपये अर्थदंड से भी दंडित किए हैं। इस मामले में अभियोजन की ओर से पैरवी जिला लोक अभियोजन अधिकारी कपिल कुमार डहेरिया के मार्गदर्शन में विशेष लोक अभियोजक श्रीमती आरती कपले द्वारा की गई थी। अभियोजन के अनुसार यह घटना सन 2023 की है।28 जनवरी को सुबह इस 5 वर्षीय लड़की के माता-पिता काम पर चले गए थे। यह 5 वर्षीय लड़की अपने बड़े नाबालिक भाई के साथ घर में थी। दोपहर 3:30 बजे करीब दोनों भाई बहन घर में टीवी देख रहे थे। तभी सुरेश गोंदुड़े आया और पलंग पर लेट गया।सुरेश गोन्दुड़े ने इस लड़की के भाई को 50 रुपये देकर राजश्री खरीद कर लाने के लिए बोला, किन्तु इस लड़के ने जाने से मना किया तो सुरेश गोन्दुड़े ने उसे चांटा मारा और गालियां देकर राजश्री लाने के लिए भेजा, तब यह बालक दुकान जाने के लिए निकला था पर कुछ ही दूर गया था तभी उसकी बहन के चिल्लाने की आवाज आई तो वह वापस आया । तब इस लड़की ने उसे बताई की सुरेश ने उसके साथ गलत काम किया है। इस प्रकार सुरेश गोन्दुड़े ने सुने घर में घुसकर इस नाबालिक लड़की के साथ दुष्कर्म किया था।माता पिता के घर आने के बाद इस नाबालिक लड़की ने सुरेश गोन्दुड़े द्वारा किए गए कुकृत्य के संबंध में बताई।जिसके बाद इस लड़की को लेकर उसकी मां किरनापुर पुलिस थाना पहुंची थी। किरनापुर पुलिस थाने में इस लड़की की मां के द्वारा की गई रिपोर्ट पर सुरेश गोन्दुड़े के विरुद्ध धारा 376 376(ए-बी) 450 323 294 भादवी और धारा 5एम/6 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर इस अपराध में सुरेश गोन्दुड़े को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी से अब तक यह आरोपी सुरेश गोन्दुड़े जेल में ही निरुद्ध है। किरनापुर पुलिस द्वारा इस मामले की संपूर्ण अनुसंधान कार्रवाई के पश्चात अभियोग पत्र विद्वान अदालत में पेश किया गया था। यह मामला हल ही में पास्को एक्ट के विशेष न्यायाधीश गौतम सिह मरकाम की विद्वान अदालत में चला। जहां अभियोजन पक्ष आरोपी सुरेश गोन्दुड़े के विरुद्ध आरोपित अपराध सिद्ध करने में सफल रहा। अंततः विद्वान अदालत में मामले की समस्त परिस्थितियों को देखते हुए आरोपी सुरेश गोन्दुड़े को धारा 450 भादवि के तहत अपराध में 5 वर्ष का कठोर कारावास और 1000 रुपए अर्थदंड, धारा 324 भादवि के तहत अपराध में 500 रुपये अर्थ दंड, धारा 5एम/6 लैंगिक अपराधों से बालकों का सुरक्षा अधिनियम 2012 और धारा 376(ए-बी) भादवि के तहत अपराध में आजीवन कारावास जिसका अभिप्राय शेष प्राकृतिक जीवनकाल के लिए कारावास होगा तथा 5000 रुपये अर्थदंड से भी दंडित किए हैं।

श्री शनि देव का जन्मोत्सव आज

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर ६ निर्मल नगर रेलवे स्टेशन रोड़ स्थित शनि देव मंदिर में २४ जुलाई को भगवान शनि देव के जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस दौरान दिन भर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। जिसमें सुबह ८ बजे भगवान शनि देव का विधि विधान से पूजा अर्चना कर श्रृंगार एवं आरती की जायेगी। तत्पश्चात् शनि भक्तों के द्वारा शनिदेव का शुद्ध तेल स्नान दिनभर अभिषेक पूजन किया जायेगा। जहाँ शाम को शनिदेव का स्त्रोत पाठ कर रात्रि ८ बजे हवन पूजा एवं शांति महायज्ञ कर रात्रि ९ बजे शनिदेव का जन्मोत्सव महाआरती उपरांत प्रसादी का वितरण किया जाएगा। वहीं रात्रि १० बजे से रामायण पाठ भक्ति मय भजन संगीत का आयोजन किया गया है। उक्त संबंध में व्यवस्थापक पंडित गिरधारी जोशी ने बताया कि २४ जुलाई को श्रावण बदी अमावस्या है जो भगवान शनिदेव का जन्म माना जाता है। पुरणों की मान्यता अनुसार श्रावण बदी अमावस्या के अवसर पर भगवान शनि देव का जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया है इसे हरियाली अमावस्या भी कहते हैं। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी हर्ष उल्लास के साथ यह आयोजन किया गया है ,जिसमें विभिन्न कार्यक्रम होने हैं। नगर सहित क्षेत्र के लोगों से अपील है कि वह आधिकाधिक संख्या में कार्यक्रम में उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित करें।

न्यायालय तहसीलदार तहसील खैरलांजी
जिला बालाघाट म.प्र.
ईस्तहार
रा.प्र.क्रमांक /ड.-१५४/२०२४-२५
मौजा टेमनी तहसील खैरलांजी

एतद द्वारा आम जनता ग्राम टेमनी पं.ह.न.३८ तहसील खैरलांजी जिला बालाघाट वालो को सूचित किया जाता है कि आवेदक /आवेदिका छन्नालाल धुवारे पिता/पति दयाराम जाति कलार निवासी टेमनी तहसील खैरलांजी जिला बालाघाट द्वारा इस न्यायालय में अपने पिता/पति/स्वयं/पुत्र/पुत्री/दादी गजरा धुवारे पिता/पति जहरी जाति कलार का जन्म/मृत्यु दिनांक ०४/०१/१९९६ पंजीयन किये जाने बाबद आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है। अत:प्रस्तुत आवेदन पत्र के सबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय में दिनांक २५/०७/२०२५ तक स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि पश्च्यात प्राप्त आपत्ति अविचारणीय होगी।
जारी दिनांक २२/०७/२०२५

सक्षम प्राधिकारी एवं तहसीलदार खैरलांजी

आवश्यकता है
कम्प्यूटर आपरेटर-2 पद
शैक्षणिक योग्यता हिंदी व अंग्रेजी
टायपिंग का ज्ञान अनिवार्य
वेतनमान-योग्यतानुसार
आफिस ब्वाय-1 पद
योग्यता-न्यूनतम 12वीं कक्षा उत्तीर्ण
वेतनमान-योग्यतानुसार
मिलने का पता-वार्ड नं. 14
गंगोत्री कालोनी वारासिवनी
तह वारासिवनी जिला बालाघाट
समय -दोपहर 12 से शाम 6 बजे समय
-संपर्क करें-
मो. 9584968038

आवश्यकता है
ऑफिस कार्य के लिये कर्मचारी की आवश्यकता है
कम्प्यूटर ज्ञान आवश्यक है
वेतनमान-योग्यतानुसार
वारासिवनी के आसपास के ही सम्पर्क करें
पता-श्री फाइनेंस वारासिवनी
मों.नं. 9329595770

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

कोतवाली पुलिस ने किया दो चोरियों का खुलासा, 7 आरोपी गिरफ्तार

लाखों रुपए की चोरी का खुलासा होना अभी भी बाकी ,महिंद्रम कॉलोनी में हुई थी 12 लाख की चोरी ,पुलिस के हाथ अभी भी खाली

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शहर में हुई चोरी में कोतवाली पुलिस ने दो चोरियों का खुलासा किया है । जिसमें शहर के मोती नगर चौक में हुई सांची दुग्ध बेकरी की चोरी के साथ एक अन्य चोरी में पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जिनके पास से 1 लाख 25000 रूपये का सामान और पैसा जप्त किया गया है । अन्य चोरियों में भी पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। जबकि देखा जाए तो बीते दिनों लगातार हो रही चोरियों से रहवासियों में भय का माहौल भी निर्मित हो गया था । किंतु पुन: पुलिस ने लगातार हुई चोरियों में से दो चोरियों का खुलासा कर दिया है । अभी अन्य बड़ी चोरियों का खुलासा होना बाकी है । जबकि शहर के बैहर चौकी स्थित महिंद्रम कॉलोनी में एक रहवासी के घर से 12 लाख रूपये की चोरी हुई थी तो वहीं वार्ड क्रमांक 25 में एक निवासी के घर से 5 लाख की चोरी हुई थी। ऐसी कई बड़ी चोरियां अभी भी पुलिस के द्वारा ट्रेस नहीं किया गया है । अब देखना होगा कि पुलिस कब तक इन बड़ी चोरियों का खुलासा करती है।

आपको बता दे कि पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा द्वारा जिले में लंबित चोरियों के खुलासे, चोरी गए मशरूका की बरामदगी एवं अज्ञात आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु समस्त थाना प्रभारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए थे। निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार पन्द्रे एवं नगर पुलिस अधीक्षक सुश्री वैशाली सिंह के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए दो अलग-अलग चोरी के मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी कर चोरी गया माल बरामद किया गया है । मोती नगर स्थित सांची बेकरी में चोरी (अप.क्र. 361/25, धारा 305, 331(4) बीएनएस) 18 जुलाई को अंकुश वाजपेयी द्वारा थाना कोतवाली बालाघाट में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि दिनांक 17 जुलाई की दरम्यानी रात में मोती गार्डन के पास स्थित सांची बेकरी से अज्ञात चोर द्वारा बेकरी का सामान (मिठाई, सोनपपड़ी, दूध, दही, बिस्किट, कुरकुरे, चिप्स, टूथब्रश, चॉकलेट्स आदि) एवं नगद राशि चोरी कर ली गई है। प्रकरण की विवेचना के दौरान पुलिस टीम द्वारा सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए तथा मुखबिर सूचना तंत्र को सक्रिय किया

गया। जांच में संदेह के आधार पर आरोपी रहीम खान तथा एक नाबालिग बालक को विधिवत अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई, जिनके कब्जे से चोरी गया सामान बरामद हुआ। साथ ही, चोरी का कुछ माल अतुल बिजेवार निवासी वार्ड क्र. 04, बालाघाट को बेचना बताया गया, जिसके कब्जे से भी माल जप्त किया गया है। जिसमे रहीम खान निवासी बालाघाट, एक नाबालिग बालक , अतुल बिजेवार - निवासी वार्ड क्रमांक 04, बालाघाट (चोरी का सामान खरीदने वाला) जिन्हें गिरफ्तार करते हुये आरोपियों से विभिन्न प्रकार के बिस्किट, नमकीन, शैम्पू, साबुन, टूथब्रश, चॉकलेट्स, सांची घी, दूध पाउडर सहित खाद्य एवं दैनिक उपयोग की सामग्री, एवं 700 रूपये नगद बरामद किया गया है।

दूसरी चोरी में गाड़ियां की गयी जप्त

4 जुलाई को रमेश नगपुरे निवासी खुरसोड़ी की हीरो सुपर स्प्लेंडर क्रमांक MP50MM7986 को अलग-अलग स्थानों से अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर लिए गए थे। इन घटनाओं की विवेचना के दौरान पुलिस ने संदेह के आधार पर मनीष बाहेश्वर निवासी वार्ड नं. 06 मरारी मोहल्ला, बालाघाट एवं अजय शर्मा पिता विजय शर्मा निवासी पुराना राम मंदिर के पास को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में उन्होंने उपरोक्त दोनों मोटरसाइकिल को चोरी कर नैनपुर में राहुल नंदा एवं लक्की उर्फ यशवंत जॉर्ज को बेचना स्वीकार किया। पुलिस टीम द्वारा तत्काल नैनपुर पहुंचकर चोरी गई , दोनों मोटरसाइकिलों को विधिवत जप्त किया गया।

बड़ी चोरियों का खुलासा होना अभी बाकी

बीते दिनों शहर में लगातार चोरियां हुई थी जिसमें कई लाखों रुपए की चोरियां भी इन चोरियों में शामिल है। तो वही बीते दिनों शहर के वार्ड क्रमांक 25 में लगातार 5 से 6 घरों में चोरी की वारदात हुई थी। जिसमें भी लाखों रुपए की चोरी होने की शिकायत वार्ड वासियों ने कोतवाली थाने में की है। महिंद्रम कॉलोनी बैहर रोड स्थित भी एक वार्ड वासी के घर से चोरों द्वारा 12 लाख रुपए के सोने चांदी के जेवराज सहित नगदी पार कर दिए थे। जिसमें भी अभी पुलिस के हाथ पूरी तरह खाली है और अभी भी कई वार्ड वासी अपनी लाखों रुपए की चोरी के खुलासा का इंतजार कर रहे हैं।

श्वान के हमले से चीतल की हुई मौत वन विभाग ने किया दाह संस्कार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बिरसा वनपरिक्षेत्र अंतर्गत आने वाले दमोह सर्किल के ग्राम कनिया में आवारा श्वानों ने एक चीतल पर हमला कर घायल कर दिया। जिसकी सूचना ग्रामीणों ने वन विभाग को दी। जहाँ मौके पर पहुंच कर वन विभाग की टीम ने घायल चीतल को कब्जे में लेकर उसे उपचार के लिए पशु चिकित्सालय ले जा रहे थे लेकिन अस्पताल पहुंचने के पहले ही गंभीर रूप से घायल चीतल ने दम तोड़ दिया। जिसका मंगलवार शाम पोस्टमार्टम कराकर वन विभाग कर्मचारियों ने उपस्थित अधिकारियों के समक्ष दाह संस्कार कर दिया है।

आवारा श्वानों ने किया था हमला

प्राप्त जानकारी के अनुसार बिरसा वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले दमोह सर्किल के ग्राम कनिया में जंगल के करीब खेत में आवारा श्वानों ने एक चीतल के ऊपर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जिसकी सूचना खेत में कार्य करने वाले ग्रामीणों ने वन विभाग को दी ।वही स्थानीय ग्रामीणों ने आवारा श्वानों को मार भगाया। उधर सूचना पाकर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर घायल चीतल को कब्जे में लिया ।जिसे उपचार के लिए पशु चिकित्सालय ले जाने लगे लेकिन अस्पताल पहुंचने के पहले ही चीतल ने दम तोड़ दिया।

आवश्यक कार्यवाही कर दाह संस्कार किया गया है - वरकडे

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान दमोह उपवन परिक्षेत्र अधिकारी जीवनलाल वरकडे ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि आवारा

श्वानों के हमले में एक चीतल गंभीर रूप से घायल हो गया था ।जिसकी उपचार के लिए पशु चिकित्सालय ले जाते समय रास्ते में ही मौत हो गई है ।चीतल की मौत की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। जहां वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी कर प्रकरण बनाया गया है वही मृत चीतल का पोस्टमार्टम कराकर दाह संस्कार कर मामले को जांच में लिया गया है।

हर्षोल्लास से मनाई गयी अमर शहीद आजाद और लोकमान्य तिलक की जयंती

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। स्वराज की प्रेणता लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक एवं मातृभूमि के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की जयंती पूरे जिले सहित ग्रामीण अंचलों में भी धूमधाम के साथ मनाई गई ।23 जुलाई को प्रात: से ही विभिन्न संगठनों द्वारा अपने-अपने स्तर पर दोनों ही वीर शहीदों की जयंती को अपने-अपने स्तर पर मनाया गया । स्थानीय हनुमान चौक में चंद्रशेखर आजाद की आदमकद प्रतिमा के पास आजाद अध्यापक शिक्षक संघ और भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी ने माल्यार्पण कर वीर शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित किया ।आपको बता दे कि बाल गंगाधर तिलक, एक भारतीय राष्ट्रवादी, शिक्षक, समाज सुधारक, वकील और स्वतंत्रता सेनानी थे। उनका जन्म 23 जुलाई 1856 को हुआ था ।तिलक भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के शुरुआती दौर में स्वतंत्रता के लिए नए विचारों और प्रयासों के लिए जाने जाते हैं। वही भारत के महान क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सैनानी चंद्रशेखर आजाद 23 जुलाई 1906 को मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले के भाबरा नामक स्थान पर जन्मे ।आजाद के क्रांतिकारी विचारों ने उन्हें अमर बना दिया था। वहीं आजादी की लड़ाई में उनके योगदान को याद कर आज भी लोगों की छाती गर्व से चौड़ी तो आंखें नम हो जाती हैं। उनकी जयंती पर अलग-अलग संगठन के लोग उन्हें अपने-अपने स्तर पर याद करते हुए श्रद्धा

सुमन अर्पित करते हैं ।23 जुलाई को उनके जयंती के अवसर पर भाजपा सहित अलग-अलग संगठनों के लोगों ने दोनों ही वीर शहीदों को याद करते हुए उनकी जयंती को पूरे धूमधाम के साथ मनाया । उनके किए हुए कार्यों को याद करते हुए उनके दिखाए गए रास्ते पर चलने की बात कही ।

शिक्षक संघ द्वारा मनाई गई आजाद की जयंती

आजाद अध्यापक शिक्षक संघ द्वारा 23 जुलाई को स्थानीय हनुमान चौक में अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जन्म जयंती हर्षोउल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाई गई। सुबह 9:00 बजे स्थानीय हनुमान चौक स्थित शहीद भगत सिंह आजाद की आदमकद प्रतिमा के पास उपस्थित होकर प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। शिक्षक संघ मध्यप्रदेश के प्रेरणा स्त्रोत अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती जिलाध्यक्ष आशीष बिसेन के नेतृत्व में अध्यापक शिक्षक साथियों की उपस्थिति में मनाई गयी। हनुमान चौक स्थित आजाद की प्रतिमा के समक्ष माल्यार्पण कर उन्हें शत शत नमन करते हुए प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी आजाद जी की जयंती मनाई गई। आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के पदाधिकारियो द्वारा आजाद जी के राष्ट्र के लिए किये गये कार्य और योगदान को याद करते हुये उनके द्वारा बताये गये मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के पदाधिकारी आशीष बिसेन, एमंत ठाकरे, आशीष श्रीवास्तव, विवेक गुप्ता, ओमप्रकाश पारधी, दिनेश गौतम, रविन्द्र बिसेन, राजेंद्र ठाकरे, आदि शिक्षक साथी उपस्थित रहे ।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सौंपा ज्ञापन

भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा भी 23 जुलाई की दोपहर स्थानीय हनुमान चौक स्थित चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए जयंती मनाई गई। उसके बाद उन्होंने नगर पालिका में पहुंचकर वीर शहीदों का स्मारक बनाए जाने को लेकर एक ज्ञापन सौपा है। जिसमें पदाधिकारीयों द्वारा बताया गया कि स्थानीय काली पुतली चौक स्थित चौपाटी में वीर शहीदों का स्मारक बनाते हुए वीर शहीदों के नाम लिखे जाने की योजना बनाई गई है। इसी को लेकर उन्होंने नगर पालिका में एक ज्ञापन भी सौंपा है ।

कहने मात्र को अंशकालिन, काम कर रहे पूर्णकालीन, मानदेय महज 5 हजार?

अंशकालीन कर्मचारियों ने सौपा ज्ञापन, कलेक्टर दर से मानदेय की लगाई गुहार, 27 को भोपाल पहुचकर, धरना प्रदर्शन की दी चेतावनी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न सूत्रीय मांगे पूरी न होने से मध्य प्रदेश अंशकालिक संघ प्रदेश सरकार खासा नाराज हैं। जहां बार-बार आवेदन निवेदन करने पर भी उनकी किसी प्रकार की कोई सुनवाई न होने पर अब इन कर्मचारियों ने 27 जुलाई को भोपाल पहुचकर धरना प्रदर्शन के चेतावनी दी है। साथ ही वर्षों से लंबित अपनी प्रमुख 2 सूत्रीय मांगों को पूरा किए जाने को लेकर बुधवार को कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है। जहां सौपे गए इस ज्ञापन में संघ द्वारा जनजातीय कार्य विभाग में कार्य करने वाले नवीन अंशकालीन कर्मचारी का कलेक्टर दर से भुगतान किए जाने, पुराने अंशकालीन कर्मचारियों को स्थाई करने, उन्हें शासन प्रशासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिए जाने सहित अन्य मांगों को पूरी किए जाने की गुहार लगाई। जहां उन्होंने कई बार आवेदन निवेदन करने पर भी मांग पूरी न होने पर अपनी नाराजगी की जताते हुए इस बार भी मांग पूरी न होने पर 27 जुलाई को सम्पूर्ण मप्र के कर्मचारियों के साथ भोपाल पहुँचकर धरना प्रदर्शन किए जाने की चेतावनी दी है

इन मांगों को लेकर सौपा ज्ञापन

मप्र अंशकालिक संघ द्वारा सौंपे गए इस ज्ञापन में इस बात का उल्लेख किया गया

कि प्रदेश के जनजातीय कार्य एंव अन्य विभागों में विगत कई वर्षो से अंशकालीन कर्मचारी कार्यरत हैं संगठन ने अनेकों बार पत्राचार के माध्यम से मध्यप्रदेश शासन के मुख्य सचिव और मुख्यमंत्री को ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया है लेकिन हमारी जायज मांगों का आज पर्यन्त तक निराकरण नही हो पाया ।जिन्होंने वरिष्ठता के आधार पर अंशकालीन कर्मचारियों को स्थायी कर्मी या नियमित किया जाने,नवीन अंशकालीन कर्मचारियों को कलेक्टर दर से मनादेय का भुगतान किया जाने, बालाघाट जिले के विभिन्न विभागों में कार्यरत स्थायी कर्मी आज भी अकुशल, अर्धकुशल श्रेणी में कार्य कर रहे हैं, उनकी सेवा अवधी गणना के उपरान्त सभी को कुशल श्रेणी में लिए जाने शासन से निर्देश प्राप्त होने के उपरान्त आज दिनांक तक कार्यवाही नही हुई है जो यथाशीघ्र करने, और विनियमितिकरण उपरान्त स्थायी कर्मियों को रिक्त चतुर्थ श्रेणी पदों पर नियुक्त किया जाने की मांग की।

तो 27 को भोपाल में करेंगे धरना प्रदर्शन- संतोष चौधरी

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान अंशकालीन कर्मचारी संघ अध्यक्ष संतोष चौधरी ने बताया कि आज हमने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौपा है जिसमें हमारी वर्षों से लंबित मांगे पूरी किए जाने की गुहार लगाई गई है। उन्होंने बताया कि हम कई वर्षों से जनजाति कार्य विभाग की संस्थाएं जैसे छात्रावास, आश्रम, स्कूल आदि में कार्यालय मे काम कर रहे है। अंशकालीन कर्मचारियो को महज 5000 रु मानदेय दिया जा रहा है। जिनका मानदेय आज तक बढ़ाया नहीं गया है जिसके चलते हमें अपने परिवार का पालन पोषण करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है ।कई बार मानदेय बढ़ाए जाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौपा गया है लेकिन सरकार ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया है ।हमारी मांग है कि कलेक्टर दर से मानदेय का भुगतान किया जाए, वही पुराने कर्मचारियों को स्थाई कर्मचारी का दर्जा देकर उन्हें शासन प्रशासन की योजनाओं का लाभ दिया इसके अलावा हमारे अन्य मांगे हैं जिसको लेकर हमने ज्ञापन सौपा है। यदि सरकार ने इस बार भी हमारी मांग पूरी नहीं की तो हम मध्य प्रदेश के समस्त कर्मचारियों को साथ लेकर भोपाल जाकर 27 जुलाई को धरना प्रदर्शन करेंगे।

खेत मे काम कर रहे किसान पर तेंदुए ने किया हमला

किसान और तेंदुए के बीच हुई भिड़त, तेंदुए के हमले से बैगा आदिवासी हुआ घायल, घायल किसान का बिरसा स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा उपचार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । बिरसा वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कोरका में बीती शाम उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक तेंदुए ने शाम करीब 6बजे घर से महज कुछ ही दूरी पर स्थित खेत में काम कर रहे एक बैगा आदिवासी किसान पर हमला कर दिया। जहां तेंदुए के इस जानलेवा हमले से किसान गंभीर रूप से घायल हो गया है ।घायल किसान का नाम ग्राम कोरका निवासी सोनेलाल पिता अनकू मेरावी उम्र 70 वर्ष बताया गया है ।जिसके बाये हाथ ओर पैर में गम्भीर चोट आई है ।जिसे उपचार के लिए बिरसा के स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है जहां उसका उपचार जारी है।

पीछे से हमला कर किया घायल

प्राप्त जानकारी के अनुसार मछुरदा सर्किल के कोरका निवासी किसान सोनेलाल मेरावी अपने खेत में शाम करीब 06 बजे कार्य कर रहा था, तभी पीछे से एक तेंदुआ आया जिसने सोनेलाल के ऊपर हमला कर दिया, जबतक वृद्ध सोनेलाल कुछ समझ पाता तबतक तेंदुए ने वृद्ध बैगा आदिवासी किसान के बाये हाथ एवं पैर में जख्म दे चुका था।

उधर तेंदुए से भिड़ गया सोनेलाल

उधर वृद्ध ने भी हिम्मत एवं साहस का परिचय देते हुए तेंदुए से भिड़ गया और साथ में रखी लाठी से वार कर तेंदुए को भगा दिया ।बताया गया कि घायल सोनेलाल किसी तरह खेत से घर पहुंचा, जिसकी सूचना वन विभाग को दिया गया। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने तुरंत सोनेलाल को उपचार हेतु बिरसा स्वास्थ्य केंद्र लाकर भर्ती कराया है।

ग्रामीणों में दहशत का माहौल

आपको बताए कि ग्राम कोरका घने जंगलो के बीच बसा है। जहां जंगली जानवरों का आना जाना लगा रहता है ।लेकिन अभी तक किसी जानवर ने ग्रामीणों पर हमला नहीं किया था। संभवत: यह पहली घटना है। जहां तेंदुए ने किसी ग्रामीण के ऊपर हमला कर घायल किया है जिससे ग्राम में दहशत का माहौल व्याप्त है।

आर्थिक सहायता देकर घायल का कराया जा रहा उपचार- धुर्वे

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान स्थानीय डिप्टी रेंजर विनय धुर्वे ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि जैसे ही वन्य प्राणी की हमले की जानकारी वन विभाग को लगी वैसे ही वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर घायल सोनेलाल को उपचार के लिए बरसा के स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया है जहां उसका उपचार जारी है वही बिरसा वन परिक्षेत्र अधिकारी सौरभ शरणागत एवं उनके द्वारा घायल को एक हजार रूपये नगद देकर तत्काल सहायता की गयी है। मामले को जांच में लिया गया है जिसकी जांच जारी है। नियम अनुसार आगामी कार्रवाई की जाएगी।

वैनगंगा नदी की बड़ी नहर में गिरने से एक महिला घायल बेहोश

वारासिवनी थाने के ग्राम लेन्डेझरी की घटना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । वारासिवनी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम लेन्डेझरी समीप बैनगंगा नदी की बड़ी नहर में गिरने से एक महिला घायल बेहोश हो गई। घायल बेहोश महिला जीरन बाई पति बृजलाल सराठे 50 वर्ष ग्राम डोंगरिया वारासिवनी निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है जिसकी हालत गंभीर बताई गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जीवन भाई अपने परिवार के साथ खेती मजदूरी करती है और पति-पत्नी हाल ही में कृषि कार्य के चलते अन्य कृषकों के खेत मे मजदूरी से कृषि कार्य करने के लिए जाते हैं। रोज की तरह 23 जुलाई को 10:00 बजे करीब जीरन भाई ग्राम लेन्डेझरी के किसी कृषक के खेत में कृषि कार्य परहा लगाने के लिए जा रही थी। और उसका पति बृजलाल सराठे अन्य कृषक के खेत में मजदूरी से कृषि कार्य करने के लिए चला गया था। लेन्डेझरी समीप बहने वाली वैनगंगा की बड़ी नहर के छोटे पुल से जब जीरन बाई नहर पार हो रही थी तभी फिसलने से वह नहर में गिर गई इस दौरान वहा पर कुछ लोग और भी थे ।जिनके चिल्लाने पर गांव के लोग दौड़े और जीरन बाई को नहर से बाहर निकले जो घायल और बेहोश हो गई थी। जिसे तुरंत ही जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जिसकी हालत गंभीर बताई गई है।

संयुक्त विभाग पेंशनर संघ की हुई बैठक

बैठक में पेंशनरों की समस्या पर की गई चर्चा, लंबित मांगों को जल्द पुरा करने की सरकार से लगाई गुहार

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर स्थित लॉन में 23 जुलाई को संयुक्त विभाग पेंशनर संघ की बैठक संपन्न हुई। यह बैठक संयुक्त विभाग पेंशनर संघ के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में लालबर्रा विकासखण्ड के सेवानिवृत्त पेंशनर्स के परिचय पत्र की कार्यवाही, पेंशनर्स के अर्जित अवकाश के विषय पर लालबर्रा विकासखण्ड के बीईओं द्वारा उचित कार्यवाही नही करने, समस्त पेंशनर्स को आयकर रिटर्न करने पर चर्चा कर आईटीआर के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही पेंशनर्स के साथ आ रही परेशानियों सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई और पेंशनरों की लंबित मांगों को जल्द पुरा करवाने की गुहार सरकार से लगाई है। साथ ही लंबित मांगे पूरी नही होने पर आगामी समय में आंदोलन करने की रणनीति भी तैयार की गई। इस दौरान उपस्थित पेंशनर संघ के पदाधिकारी एवं पेशनरों ने अपनी-अपनी बाते रखते हुए कहा कि धारा 49/6 म.प्र. विभाजन के कारण हम लोगों को परेशानी हो रही है और म.प्र. के सभी पेंशनर्स आहत है जिसके कारण नियमित कर्मचारियों की भांति पेंशनर्स के डीआर का भुगतान नही हो रहा है। जिसके कारण नियमित कर्मचारियों को 55 प्रतिशत का भुगतान हो रहा है, जबकि पेंशनर्स को 53 प्रतिशत दिया जा रहा है। इस प्रकार डीआर में अनियमितता है और अब तक डीआर का एरियर्स का भी भुगतान नही किया गया है जिसके कारण सभी पेंशनर्स साथी परेशान है। साथ ही यह भी कहा कि धारा 49/6 के तहत म.प्र. विभाजन को लेकर जो समस्याएं बनी हुई है उसके निराकरण करने सहित अपनी जायज मांगों को जल्द पूरा करने के लिए संगठित होकर काम कर आगामी समय में आंदोलन करने की बात कही गई। ताकि पेंशनरों को समय पर डीआर का भुगतान, पेंशनर्स के अर्जित अवकाश के विषय पर कार्यवाही हो सके। इस अवसर संयुक्त विभाग पेंशनर संघ जिलाध्यक्ष बीएल चौधरी, कोषाध्यक्ष एसएल कावड़े, संगठन सचिव एनपी सोलंकी, प्रवक्ता सतीष दुबे, संभागीय अध्यक्ष बीएल राणा, प्रांतीय सचिव डीके पटले, विकासखण्ड अध्यक्ष श्यामलाल पंचेश्वर, कोषाध्यक्ष एमआर पटले, तहसील सचिव सियाराम भलावे, महिला सदस्य श्रीमती मनोरम शुक्ला, श्रीमती शशीकला स्वामी, श्रीमती लतेश्वरी गोस्वामी सहित अन्य पेंशनर संघ के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

27 माह का एरियर्स नही मिला है - सतीष

संयुक्त विभाग पेंशनर संघ जिला प्रवक्ता सतीष दुबे ने बताया कि अर्जित अवकाश के विषय पर उचित कार्यवाही नही होने से हमारे पेंशनर साथी मानसिक रूप से परेशान है एवं अन्य विभागों की अपेक्षा शिक्षा विभाग इसको गंभीरता से नहीं ले रहा है और जिसकी जितनी आयु है उन्हें इसकी पात्रता दी जानी चाहिए। लेकिन उसमें काट-छाट कर कर्मचारियों का शोषण किया जा रहा है जिसके विरोध में आवाज उठाने के लिए और पेंशनरों के हितों को ध्यान में रखते हुए संयुक्त विभाग पेंशनर संघ लड़ाई लड़ रहा है ताकि पेंशनरों को अर्जित अवकाश, डीआर का भुगतान समय पर हो सके। श्री दुबे ने बताया कि सरकार हम पेंशनरों को 53 प्रतिशत का भुगतान कर रही है जबकि वर्तमान कर्मचारियों को 55 प्रतिशत दिया जा रहा है इस तरह से 2 प्रतिशत की कटौती होने से पेंशनर साथियों का नुकसान हो रहा है और हमें 27 माह का एरियर्स भी नही मिला है। साथ ही पेंशन में कटौती की जायेगी तो सभी पेंशनर्स को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा इसलिए सरकार से मांग है कि समय पर पेंशन एवं एरियर्स का भुगतान करें।

मांगे पूरी नही होने पर करेगें आंदोलन - चौधरी

संयुक्त विभाग पेंशनर संघ जिलाध्यक्ष बीएल चौधरी ने बताया कि पेंशनर्स संघ के सदस्यता अभियान सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा करने लालबर्रा में संघ की बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई और सरकार से मांग है कि धारा 49/6 को विलोपित किया जाये जिसके संबंध में प्रदेश के मुख्यमंत्री को पूर्व में ज्ञापन भी सौंपा गया है, लेकिन अब तक हमारी मांगे पूरी नही हो पाई है। जबकि 25 वर्ष बीत चुके है छत्तीसगढ़ एवं म.प्र. रा'य को अलग हुए परन्तु धारा 49/6 विलोपित नहीं होने के कारण हमारे पेंशनर्स कर्मचारियों को बेहद परेशानियों को सामना करना पड़ रहा है। यह धारा विलोपित नहीं होने के कारण कर्मचारियों को डीए के लिए छत्तीसगढ़ रा'य से परमिशन लेना पड़ता है। साथ ही नियमित कर्मचारियों को 55 प्रतिशत डीए दिया जा रहा है एवं सेवानिवृत्त कर्मचारी है 53 प्रतिशत दिया जा रहा है, इस तरह से हम लोगों का 2 प्रतिशत नुकसान हो रहा है। श्री चौधरी ने बताया कि 80 वर्ष के ऊपर के पेंशनरों के डीए में 20 प्रतिशत की वृध्दि होती है, लेकिन हमारे साथियों को नही मिल रहा है इसलिए सरकार से मांग है कि धारा 49/6 को विलोपित कर हमारी लंबित मांगों को पूरा करें नही तो आगामी समय में संघ के माध्यम से आंदोलन किया जायेगा।

रटेगांव से पुजारीटोला पहुंच मार्ग कीचड़ एवं गड्डों में हुआ तब्दील

आवागमन में हो रही परेशानी, सड़क का निर्माण करवाने की उठी मांग

खमरिया/लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रटेगांव से पुजारीटोला पहुंच मार्ग का खस्ताहाल होने के साथ ही सड़क गड्डों में तब्दील हो चुकी है। वहीं बारिश होने पर सड़क में कीचड़ होने से आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। आपकों बता दे कि रटेगांव से पुजारीटोला पहुंच मार्ग क'चा मार्ग है जिसका पक्का निर्माण करवाने की मांग लंबे समय से ग्रामीणजन एवं राहगीरों के द्वारा की जा रही है लेकिन जिम्मेदार ध्यान नही दे रहे है। जिसके कारण सड़क पुरी तरह से खराब हो चुकी है और गत दिवस से हो रही बारिश के कारण सड़क में कीचड़ हो चुकी है एवं गड्डों में पानी जमा हो जाने के कारण आने-जाने वालों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि इस मार्ग से दर्जनों ग्रामों के ग्रामीणजन व राहगीर आवागमन करते है। लेकिन जिम्मेदार इस सड़क की समस्या की ओर कोई ध्यान नही दे रहे है जिससे लोगों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। चर्चा में ग्रामीणों ने बताया कि रटेगांव से पुजारीटोला मार्ग खराब हो चुकी है एवं सड़क में बने गड्डों में पानी जमा होने के कारण वाहन अनियंत्रित हो रहे है जिसके कारण दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है। साथ ही कुछ स्थानों पर वाहन भी फस जाते है। जबकि इस सडक की समस्या से क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि एवं प्रशासन को अवगत करवा चुके है लेकिन उनके द्वारा भी कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। इस तरह से जनप्रतिनिधि एवं प्रशासन की उदासीनता के चलते सड़क का अब तक निर्माण कार्य नही हो पाया है। प्रशासन से मांग है कि जल्द रटेगांव से पुजारीटोला पहुंच मार्ग का पक्का निर्माण करवाये ताकि आने-जाने में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

महाविद्यालय में ''नशे से दूरी है जरूरी'' पर जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना एवं रेड रिबन क्लब तथा कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में 23 जुलाई को ''नशे से दुरी है जरूरी'' जागरूकता कार्यक्रम के तहत संगोष्ठी का हुआ आयोजन। यह कार्यक्रम महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी देते हुए नशे से दुर रहकर लोगों को भी जागरूक करने प्रेरित किया गया। साथ ही छात्र-छात्राओं को नशा से दुर रहने की शपथ दिलवाई गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्रकुमार खंडायत ने कहा कि एक नशा मुक्त समाज के निर्माण के सामाजिक चेतना फैलाने और एकजुट होकर काम करने की जरूरत है ताकि नशे को जड़ से खत्म किया जा सके। एन.एन.एस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे ने नशे के दुष्प्रभाव एवं उससे होने वाली बीमारियों के बारे में विद्यार्थियों को अवगत करवाया। रेड रिबन प्रभारी नरेश सौलखे ने कहा कि नशा एक बुरी लत है इसको त्याग कर ही हम समाज का बेहतर विकास कर सकते है। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन डॉ. कामाक्षा बिसेन के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक प्राध्यापक सुमन बरवा, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, डॉ. देवराज चौरे, श्रीमती संध्या परते, मनीष शिवहरे, डॉ. आशीष बागड़े, डॉ. क्रांति जैन, डॉ. आशा कारे, डॉ. माधुरी पुसे, श्रीमती आरती विश्वकर्मा, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकट नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, कु. सोनम हरिनखेड़े, प्रसिक हुमनेकर, निशांत तलवरे, इकबाल खान एवं महाविद्यालय परिवार एवं छात्र-छात्राओं का सराहनीय योगदान रहा।

श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर में श्री पार्थिव शिव पूजन जारी, समापन आज

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर के अस्पताल कालोनी स्थित श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर में श्री भोलेश्वर जनकल्याण समिति के तत्वाधान में गत 20 जुलाई से जारी पांच दिवसीय श्री पार्थिव शिव पूजन कार्यक्रम का 24 जुलाई को हवन-पूजन एवं महाप्रसादी वितरण के साथ समापन किया जायेगा। इस अवसर पर शाम 4 बजे से मंदिर परिसर में पं. विमल मिश्रा के द्वारा विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर श्री पार्थिव शिवपूजन कार्यक्रम संपन्न करवाया जा रहा है और क्षेत्रीयजन पहुंचकर मिट्टी से श्री पार्थिव शिवलिंग बनाकर भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना करने के तत्पश्चात आरती कर शिवलिंग को विसर्जित किया एवं 24 जुलाई को हवन पूजन, महाप्रसादी वितरण के साथ इस 5 दिवसीय श्री पार्थिव शिव पूजन कार्यक्रम का समापन किया जायेगा। इस पार्थिव शिव पूजन कार्यक्रम में नगर मुख्यालय सहित आसपास के श्रध्दालु जन पहुंचकर भगवान भोलेनाथ की पूजा-पाठ कर परिवार एवं क्षेत्र में सुख-शांति एवं समृध्दि बनाये रखने की प्रार्थना की है। आपकों बता दें कि 11 जुलाई से सावन का पवित्र माह प्रारंभ हुआ है और यह माह भगवान शिव की पूजा के लिए विशेष महत्व होता हैं। इसी तरह सावन माह में श्री पार्थिव लिंग बनाकर शिव पूजन का विशेष पुण्य मिलता है। शिव पुराण में पार्थिव शिवलिंग पूजा का महत्व बताया है। शिव महापुराण के मुताबिक इस पूजन से धन, धान्य, आरोग्य और पुत्र प्राप्ति होती है। मानसिक और शारीरिक परेशानियों से भी मुक्ति मिलती है और श्री पार्थिव शिव पूजन से अकाल मृत्यु का डर खत्म हो जाता है। साथ ही भगवान भोलेनाथ की आराधना के लिए श्री पार्थिव शिव पूजन हर कोई कर सकता है। वहीं शिवपुराण में लिखा है कि पार्थिव पूजन सभी दु:खों को दूर करके सभी मनोकामनाएं पूर्ण करता है। रोजाना श्री पार्थिव शिव पूजन किया जाये तो इस लोक और परलोक में भी अखण्ड शिव भक्ति मिलती है। इसी आस्था के साथ इस सावन माह में क्षेत्रीय श्रध्दालुजन भगवान भोलेनाथ की आराधना कर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है।

स्वच्छता अभियान को लग रहा पलीता

जनपद पंचायत कार्यालय के समीप, शहीद बिरसा मुंडा सामुदायिक भवन के सामने गंदगी का अंबार, जिम्मेदार मौन

कचरे के ढेर एवं गंदगी से आने-जाने वाले एवं निवासरत लोगों को हो रही परेशानी, जिम्मेदार मौन, सफाई करवाने की उठी मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के जनपद पंचायत कार्यालय के समीप एवं शहीद बिरसा मुंडा सामुदायिक भवन के सामने कुड़ा-करकट एवं गंदगी है जिसकी लंबे समय से साफ-सफाई नही की गई है। वहीं कुछ लोग उसी स्थान पर पॉलीथिन व कचरा जमा कर रहे है जिसके कारण गंदगी का अंबार लगा हुआ है। साथ ही बरसात के दिनों में म%छरों का प्रकोप भी बढ़ रहा है, ऐसी स्थिति में आने-जाने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं निवासरत लोगों को भी गंदगी होने के कारण विभिन्न प्रकार की बीमारी होने का डर सता रहा है। लेकिन इस गंदगी की साफ-सफाई की ओर प्रशासन के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जबकि रोजाना जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी एवं पंचायत के सरपंच-सचिव भी उसी स्थान से जनपद पंचायत कार्यालय पहुंच रहे है लेकिन उन्हे भी यह गंदगी दिखाई नही दे रही है जिसके कारण लोगों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। जबकि शासन के द्वारा स्वच्छता अभियान को लेकर विभिन्न कार्यक्रम चलाये जाते है जिसका क्रियान्वयन जनपद पंचायत कार्यालय से ही होता है। लेकिन उसी कार्यालय के समीप कूड़ा-करकट के साथ ही गंदगी का अंबार लगा हुआ है। जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि जिम्मेदारों के द्वारा ही इस स्वच्छता अभियान को पलीता लगाया जा रहा है। जबकि जनपद पंचायत व शहीद बिरसा मुंडा सामुदायिक भवन के सामने से रोजाना क्षेत्रीयजन, निवासरत लोग व जिम्मेदार जनप्रतिनिधि, अधिकारी भी आना-जाना करते है। लेकिन इस गंदगी की सफाई करने की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जो समझ से परे लग रहा है। जिसकी जल्द साफ-सफाई करवाने की निवासरत लोग एवं आने-जाने वालों ने शासन-प्रशासन से की है। वहीं मुख्य कार्यपालन अधिकारी चंदरसिंह मंडलोई से दूरभाष पर जनपद पंचायत कार्यालय के समीप, शहीद बिरसा मुंडा सामुदायिक भवन के सामने की गंदगी की जल्द साफ-सफाई करवाने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

गंदगी होने से आने-जाने वाले एवं निवासरत लोगों को हो रही परेशानी

आपकों बता दे कि जनपद पंचायत कार्यालय के समीप शहीद बिरसा मुंडा सामुदायिक भवन बना हुआ है जिसके सामने रोड़ किनारे कार्यालय एवं अन्य स्थानों का कुड़ा-कचरा जमा हो रहा है। जिसकी सफाई लंबे समय से नही की गई है, ऐसी स्थिति में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। वहीं हवा चलने पर पॉलीथिन उड़कर रोड़ के ऊपर आते है जिसके कारण सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी तरह से अन्य शासकीय कार्यालय व बस स्टैण्ड, हाई स्कूल रोड़ में भी जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हुए है जिनकी साफ-सफाई की ओर स्थानीय प्रशासन ध्यान नही दे रहा है। जिससे लोगों में जनपद प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। वहीं जनपद पंचायत में जब भी कोई कार्यक्रम आयोजित होता है तो नास्ते में उपयोग किये गये प्लेट व खराब सामग्री को जनपद पंचायत की बाउण्ड्रीवाल दीवार के समीप सामुदायिक भवन के सामने फेंक दिया जाता है। लेकिन उसे नष्ट नही करते है, जिसके कारण कचरे का ढेर के साथ ही गंदगी का अंबार लगा हुआ है एवं बारिश होने के कारण खराब सामग्री की दुर्गंध भी आती है जिसके कारण आने-जाने वाले एवं आसपास निवासरत लोगों को परेशानी हो रही है। वहीं जागरूक नागरिकों का कहना है कि जनपद पंचायत कार्यालय से ही स्व%छता अभियान सहित अन्य अभियान एवं योजनाओं का क्रियान्वयन होता है और लोगों को विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से अपने आस-पास स्वच्छता बनाये रखने एवं लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की बात कही जाती है। लेकिन उसी जनपद पंचायत कार्यालय के समीप, सामुदायिक भवन के सामने कचरे का ढेर एवं गंदगी का अंबार लगा हुआ है जिसकी साफ-सफाई की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिसके कारण विभिन्न प्रकार की बीमारी होने का डर सता रहा है इसलिए जनपद प्रशासन से मांग है कि जनपद कार्यालय के समीप, शहीद बिरसा मुंडा सामुदायिक भवन के सामने फैले कचरे एवं गंदगी की जल्द साफ-सफाई करवाये ताकि कार्यालय के समीप स्व'छता बनी रह सके।

गंदगी की जल्द सफाई करवाये प्रशासन - अनिल

म.प्र. आदिवासी विकास परिषद लालबर्रा सचिव अनिल उइके बताया कि लालबर्रा जनपद पंचायत कार्यालय के समीप एवं शहीद बिरसा मुंडा सामुदायिक भवन के सामने लोग पॉलीथिन व कचरा फेक रहे है एवं जनपद पंचायत कार्यालय में शिविर व अन्य आयोजन होने पर नास्ते के प्लेट व खराब सामग्री एवं अपशिष्ट पदार्थ को भी उसी स्थान पर फेंक देते है। लेकिन उसकी साफ-सफाई नही करवाते है, जिसके कारण गंदगी का अंबार लगा हुआ है। श्री उइके ने बताया कि शहीद बिरसा मुंडा सामुदायिक भवन में सामाजिक बैठक भी होती है एवं रोजाना जनपद पंचायत कार्यालय भी क्षेत्रीयजन आते है जिन्हे खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और वर्तमान में बरसात का मौसम चल रहा है एवं गंदगी एवं खराब सामग्री की दुर्गंध से लोग परेशान है इसलिए जनपद पंचायत प्रशासन से मांग है कि गंदगी की जल्द साफ-सफाई करवाये।

आदिवासी महिला की जमीन हड़पने वाले गिरोह का पुलिस ने किया पर्दाफाश

फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले दो आरापी को न्यायालय ने भेजा जेल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस के द्वारा आदिवासी महिला की जमीन को षडयंत्र पूर्वक हड़पने के मामले में २३ जूलाई को पर्दाफाश किया गया हैं। जिसमें आधार कार्ड कुटरचित यानी फर्जी आधार कार्ड बनाने के मामले में दो आरोपी विवेक पटले एवं तौकीर रजा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। जिन्हें न्यायालय ने जेल भेज दिया। वहीं पुलिस के द्वारा तौकीर रजा के निवास से उपयोग किये गये लैपटॉप प्रिंटर को जप्त किया गया है। फ र्जी रजिस्ट्री में पुलिस के द्वारा खुलासा कर अभी तक सात आरोपी बनाए गए हैं जिसमें एक आरोपी स्वरूप टेंभरे फरार चल रहा है।

फोटोशॉप के माध्यम से आधार कार्ड किया गया था कुटरचित

भरवेली बालाघाट निवासी हाल मुकाम ११ सत्यानंद विहार कॉलोनी रामपुर जबलपुर निवासी ६० वर्षीय देवकी बाई पिता कुंजीलाल कुमरे जो कई वर्षों से जबलपुर में पति के साथ निवास कर रही है। उसकी भूमि ग्राम खापा में थी जहां पर खापा एवं झालीवाड़ा के चार व्यक्तियों के द्वारा षडयंत्र पूर्वक कूटरचित दस्तावेज के आधार पर उक्त भूमि की रजिस्ट्री करवा ली गई थी। जिसमें देवकी बाई उइके ने देवकी बाई कुमरे बनकर जमीन ममता उर्फ मुनिता पति मनोज मेश्राम के नाम मनोज मेश्राम एवं स्वरूप टेंभरे के साथ मिलकर वर्ष २०२३ में पूरी रजिस्ट्री कर लिए थे। इसमें उपयोग किए गए आधार कार्ड के साथ छेड़छाड़ की गई थी जिसमें पुलिस के द्वारा २२ जुलाई को तौकीर पिता जाकिर रजा बोरी थाना लालबर्रा हाल मुकाम इंदिरा नगर मोती तालाब के पास बालाघाट निवासी एवं विवेक पिता दिलीप पटले लोहारा निवासी हाल मुकाम वार्ड नंबर एक मिश्रा नगर को गिरफ्तार किया गया। जिसमें पूछताछ में आधार कार्ड के साथ तौकीर पिता जाकिर रजा के द्वारा कुटरचित करना पाया गया। जिसमें पुलिस के द्वारा सुबह ९ बजे तौकीर रजा के साथ उसके निवास बालाघाट के मोती तालाब के पास में स्थित इंदिरा नगर के किराए के कमरे से घटना में प्रयुक्त लैपटॉप और प्रिंटर को बरामद कर जप्त किया गया है। जिसमें फोटोशॉप के माध्यम से फर्जी आधार कार्ड तैयार किया जाना बताया गया। इसमें पुलिस के द्वारा विवेक पटले और तौकीर रजा दोनों को २३ जुलाई को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जिन्हें न्यायालय ने जेल भेज दिया। वहीं पुलिस के द्वारा मामले में आगे विवेचना की जा रही है।

ऐसे किया गया फर्जीवाड़ा

पुलिस से प्राप्त जानकारी अनुसार आरोपियों ने फ र्जी विक्रेता के रूप में कमला बाई उईके निवासी झालीवाड़ा को प्रस्तुत किया जिसने मूल स्वामी प्रार्थियां देवकीबाई के रूप तथा नाम का आधार कार्ड बनवाया। गवाहों में मनोज मेश्राम व स्वरूपचंद टेंभरे ने उक्त फर्जी विक्रेता व क्रेता की असल होने की पहचान की पुष्टि की। गुमराह करते हुए आरोपियों ने उपपंजीयक कार्यालय के समक्ष कूटरचित दस्तावेज प्रस्तुत कर पंजीयन संपन्न कराया गया। पंजीयन में प्रयुक्त विक्रेता व क्रेता के आधार कार्ड नंबर फ र्जी पाए गए हैं। आरोपी मनोज मेश्राम ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उसने फर्जी विक्रेता कमलाबाई उईके को असली भूस्वामी प्रार्थियां देवकीबाई उइके बनाकर प्रस्तुत किया और स्वयं तथा स्वरूपचंद टेंभरे निवासी झालीवाड़ा ने गवाह के रुप में विक्रेता के पहचान की पुष्टि किये। पूछताछ में कमलाबाई उईके ने स्वयं को असली खातेदार देवकी उइके बताकर फर्जी आधार कार्ड का उपयोग करना स्वीकार किया। आरोपी मुनिता परते पति कमल परते फर्जी नाम ममता उर्फ मुनिता मेश्राम ने बताया कि उसने मनोज मेश्राम के कहने पर स्वयं को ममता उर्फ मुनीता मेश्राम प्रस्तुत कर क्रेता के रुप में हस्ताक्षर किये। कमलाबाई उईके व मुनिता पति कमल परते ने झूठी पहचान और फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से साजिश में सक्रिय भूमिका निभाई। पूछताछ में विकास गौतम ने बताया कि फर्जी आधार कार्ड उसी के द्वारा विवेक पटले और तौकीर रजा खान के माध्यम से तैयार कर स्वरुप टेंभरे व मनोज मेश्राम को दिये थे।

आरोपियों से यह किया गया जप्त

इस मामले में पुलिस के द्वारा आरोपियों के कब्जे से १६ दिसंबर २००४ की असली रजिस्ट्री कॉपी, फर्जी पहचान से तैयार विक्रय पत्र एमपी ०१०४२०२३, ए१२५५४३३८ भूमि अधिकार पुस्तिका २ फ र्जी आधार कार्ड ,देवकी उईके मुनिता मेश्राम, दाखिल खारिज प्रमाण पत्र, एक लेपटाप व कलर प्रिंटर जप्त किया गया।

यह हैं गिरफ्तार आरोपी

मनोज मेश्राम पिता राधोदास उम्र ५३ वर्ष निवासी वार्ड १० खापा, कमलाबाई उईके पति जीवनलाल उम्र ५८ वर्ष निवासी झालीवाड़ा फर्जी विक्रेता, मुनिता पति कमल परते उम्र ४२ वर्ष निवासी मेंहदीवाड़ा फर्जी खरीदार, विकास गौतम पिता मेहतलाल उम्र २९ वर्ष निवासी खापा, विवेक पटले पिता दिलीप उम्र २७ वर्ष निवासी मिश्रा नगर वारासिवनी ,तौकीर रजा खान पिता वजीर उम्र २६ वर्ष निवासी ग्राम बोरी हाल निवासी इंदिरा नगर बालाघाट तीनो फर्जी आधार कार्ड निर्माता को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं स्वरुपचंद पिता दशरथ टेंभरे निवासी झालीवाड़ा फरार हैं।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

पुरे प्रकरण में पुलिस अधीक्षक बालाघाट आदित्य मिश्रा के निर्देश अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश पन्द्रो एवं एसडीओपी वारासिवनी अभिषेक चौधरी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी हेमंत नायक, उपनिरीक्षक पवन यादव ,सहायक उपनिरीक्षक हेमलता शुक्ला, सहायक उपनिरीक्षक महलसिंह धुर्वे, प्रधान आरक्षक राजकपूर रंगारे ,आरक्षक हेमंत बघेल ,महिला आरक्षक राजकुमारी का सराहनीय योगदान रहा।

महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ अंतर्गत इन्डक्षन प्रोग्राम का हुआ आयोजन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। शासकीय एसएसपी महाविद्यालय के इंदिरा कक्ष में प्रभारी प्राचार्य डॉ. एस एस गेड़ाम के निर्देशन एवं स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के प्रभारी नरेन्द्र कुमार डोंगरे एवं संयोजक डॉ. विनोद गजभिये के नेतृत्व में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा एक दिवसीय इन्डक्षन प्रोग्राम विषय पर स्थानीय स्तर पर कृषि उद्योग एवं व्यवसाय के अवसर तथा स्नातक एवं स्नात्कोत्तर विद्यार्थियों के कॅरियर के अवसर एवं चुनौतियाँ'' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अमृतलाल बिसेन सेवानिवृत्त प्राध्यापक राजा भोज कृषि महाविद्यालय मुरझड़, अवधेष सिंह चौधरी प्राध्यापक सरदार पटेल विश्वविद्यालय डोंगरिया की मौजूदगी में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का प्रारंभ माँ सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा के समक्ष अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन व माल्यार्पण के साथ किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि कृषि के क्षेत्र में धान की आधुनिक खेती किस प्रकार की जायें एवं फ सलों का चक्रण करके पैदावार किस तरह बढ़ाई जायें की विस्तृत जानकारी छात्र-छात्राओं को प्रदान की गयी। अवधेष चौधरी के द्वारा मशरूम की खेती जैविक खेती, दुग्ध उत्पादन, मधुमख्खी पालन एवं घरेलु पापड़ उद्योग के बारे में प्रकाश डाला गया एवं रोजगार के अवसर किस प्रकार हम ले सकते है इसकी व्याख्या की गयी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस एस गेड़ाम के द्वारा स्कील डव्लपमेन्ट के बारे में छात्र-छात्राओं को जानकारी प्रदान की गयी तथा नई शिक्षा नीति के अन्तर्गत आने वाले पाठ्यक्रम जैसे बागवानी, जैविक खेती, मधुमख्खी पालन, मच्छली पालन आदि के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। वहीं डॉ. प्रवीण पन्द्रे के द्वारा महाविद्यालय में उपस्थित संचालित स्वरोजगारमूलक पाठ्यक्रम की जानकारी प्रदान की गयी। इस अवसर पर डॉ. सरिता कोल्हेकर, डॉ. रक्षा निकोसे, डॉ. अनिरूद्धसिंह काकोड़िया, श्रीमती सरिता नागवंशी, कृष्णा पराते, डी एल एड़े, पंकज वाहने,डॉ. इमरान खान, डॉ. टीना बिसेन, श्रीमती विभूति पाण्डेय, शिखा देवगीरकर, डॉ. तपेश चौरे, शिल्पा वासनिक, हर्षिता मेश्राम, आकांक्षा डोंगरे, सुनिल कुमार चौरे, डॉ. दीपक कार्तिकेय, श्रीमती रश्मिबाला पारधी,डॉ. मनोज गजभिये,डॉ. विनोद गजभिये सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

नहर की खस्ताहाल व्यवस्था से किसानों में आक्रोश

खेत में परहा लगाने पानी नही आने से किसान हो रहे परेशान

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज) ।वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सिकंद्रा और थानेगांव के किसान नहर की खस्ताहाल व्यवस्था से बहुत ज्यादा परेशान है। अभी भी कई किसानों के खेतों में नहर के माध्यम से पानी नहीं आ पाया है जो परहा लगाने के लिए पानी का इंतजार कर रहे हैं। उनके द्वारा कई बार नहर का जगह.जगह से सुधार कार्य स्वयं के द्वारा किया गया है किंतु वर्तमान में फिर नहर की व्यवस्था खस्ताहाल हो गई है। जिससे किसानों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है वह अब नहर के माध्यम से पानी पहुंचाने या झमाझम बारिश का रास्ता देख रहे हैं। इसमें खेती कार्य लेट हो रहा है और किसानों को ही समस्या हो रही है जिसके लिए वह नहर की बेहतर व्यवस्था बनाए जाने की मांग कर रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के मध्य से गुजरने वाली ढूटी नहर की मुख्य कैनाल से नगर के वार्ड नंबर ३ से एक माइनर नहर सीधे सिकंद्रा ग्राम पंचायत के लिए आती है। वह आगे थानेगांव नाले तक जाती है जिसके माध्यम से सिकंद्रा और थानेगांव दोनों ही पंचायत के करीब एक सैकड़ा से अधिक किसानो की भूमि की सिंचाई की जाती है। परंतु नहर की वर्तमान में जर्जर अवस्था हो गई है जगह जगह गड्ढे हो गए हैं भयंकर झाड़ियां पनप गई है पानी भी ठीक से आ नहीं पा रहा है। यह पानी सिकंद्रा से आगे अंतिम छोर तक नहीं जा रहा है ऐसे में कई किसानों खेतों में पानी आने की रास्ता देख रहे हैं जिस कारण से वह परहा कार्य में पिछड़ते जा रहे हैं। तो वहीं जिनके द्वारा थोड़ा.थोड़ा कर पानी जमा किया गया है यदि यह बंद हो जाए तो उन्हें भी अपना खेती कार्य अधूरे में बंद करना पड़ेगा। इस प्रकार से स्थिति उक्त क्षेत्र में बनी हुई है जिसको लेकर अनेकों बार किसानों के द्वारा सिंचाई विभाग से बेहतर साफ सफाई कर गड्डो को बंद कर सीधा अपनी अंतिम छोर तक पानी लाने की मांग की जा रही है। किंतु विभाग के द्वारा केवल छोटे.मोटे कार्य करवा कर छोड़ दिया जाता है जिसका परिणाम है की अंतिम छोर का किसान प्यासा ही रह जाता है। इसमें बताया जाता है कि इस माइनर के माध्यम से करीब १००० से अधिक एकड़ भूमि की सिंचाई की जाती है किंतु वर्तमान में व्यवस्था खस्ताहाल बनी हुई है। पानी तो माइनर में छोड़ दिया गया है किंतु इसमें कई जगह गड्ढे होने से वह पानी व्यर्थ में बाहर निकल रहा है और कचरा सहित झाड़ियां होने से पानी रुकता चला जा रहा है। यही कारण है की अंतिम छोर तक पानी नहीं जा पा रहा है।

नहर की पार में जगह जगह गड्ढे होने से किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है-शोभेलाल चौधरी

किसान शोभेलाल चौधरी ने बताया कि अभी ठीक पानी हमारे पास वालों को मिला है ऊपर से नहर फूट जाता है तो कम पानी हमें इस नहर में मिलता है। पार खसल जाती है गड्ढे हो गए हैं पिछले वर्ष से यह स्थिति है अभी तक कोई मरम्मत नहीं की गई है। समय पर हम परहा लगा रहे हैं और इतनी लेट नहर आने के कारण हुए हैं। रुपए लेने के लिए अधिकारी हर बार आते हैं उन्हें हर बार हम समस्या बताते हैं बोलते हैं सफाई कर देंगे पर आज तक किसी के द्वारा जाकर गंभीरता से सफाई नहीं की गई है और ना ही कोई मरम्मत की गई है। पानी बहुत कम अभी नहर में आ रहा है सफ ाई होनी चाहिए ऊपर में जहां से नहर आती है वहां कचरा डाल देते हैं वह हमारे खेतों तक आ रहा है। नहरे में कचरा डालना बंद करवाना चाहिए और कठोर कार्यवाही ऐसे व्यक्तियों पर होनी चाहिए।

विभाग के अधिकारियों की लापरवाही से किसानों को नही मिल रहा पानी-बबलू बाहेश्वर

किसान बबलू बाहेश्वर ने बताया कि यह नहर की सफाई नहीं हो रही है शहरों में नहर के अंदर बहुत ज्यादा कचरा डाल दिया जाता है जो हमारे खेतों में आ रहा है।४ वर्षों से यह स्थिति बनी हुई है अकेले किसान अधिकारियों को बोलते हैं तो कोई सुनते नहीं है। पूरी नहर बेकार हो गई है जगह.जगह से टूट गई है फूट गई है गड्ढे हो गए हैं पानी अंतिम छोर तक नहीं पहुंच पा रहा है। बीच में ही विभिन्न स्थान से रिसाव होकर पानी बाहर निकल जाता है बाहर बह जाता है। जबकि यह नहर थानेगांव कैनाल तक गई हुई है कई किसान आज रास्ता देख रहे हैं मोटर वालों ने परहा लगा लिए। अब नहर का पानी या बारिश का पानी पर्याप्त रूप से किसानों को मिले इसकी वह रास्ता देख रहे हैं।यह सब समस्याएं हैं उनकी व्यवस्था विभाग ने करनी चाहिए।

खैरलांजी के सांदीपनी विद्यालय में निर्माण कार्य में विलंब पर प्रदीप जायसवाल ने अधिकारियों को लगाई फटकार

एक माह में फर्नीचरयुक्त १० कमरो के निर्माण को पुरा करने का दिया निर्देश

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी के विभिन्न विभाग के अधिकारियों के दल के साथ पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने सांदिपनी विद्यालय का निरिक्षण किया। साथ ही विद्यार्थीयों से क्लास रूम में जाकर चर्चा कर अनेको विषयो में जानकारी ली। इस दौरान पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने लगभग २८ करोड़ रूपये की लागत से निर्माणाधीन उक्त विद्यालय भवन के कार्य में विलंब पर उदासीनता जाहीर की। प्रशासनिक,शिक्षा, निर्माण एंजेसी के अधिकारियों, विद्यालय स्टाफ व विद्यार्थीयो की संयूक्त बैठक में प्रदीप जायसवाल ने कहा की अभी तक कम से कम १० कमरे तो प्लानिंग के हिसाब से बन जाने चाहिये थे। जिसमें उच्च स्तरीय फ र्नीचर की भी व्यवस्था हो जानी चाहिये थी किंतू ऐसा नही हुआ है।अब हम अंतिम डेड लाईन २० अगस्त की दे रहे है इस अवधि में १० कमरे फर्नीचर सहित बनना चाहिये। साथ ही संपूर्ण कार्य कार्य की समय सीमा भले दिसंबर हो किंतू हमे यह कार्य तीन माह के भीतर हर हाल में पूर्ण चाहिये। तीन दिन के भीतर प्रदेश के शिक्षामंत्री भी क्षेत्र में आ रहे ह उन्हे भी अवगत कराया जायेगा। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय ने कहा की आज भी जब वह ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयो में जाते है तो वंहा के फ र्नीचरो में आज भी पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल के द्वारा प्रदान किये गये फर्नीचरो में उनका नाम लिखा दिख जाता है इस क्षेत्र की यह पुरानी पहल निश्चित ही सराहनीय है। साथ ही फ र्नीचरो की व्यवस्था में विभाग के द्वारा भी सहयोग किया जा रहा है। लगभग सौ विद्यार्थीयों के लिये फर्नीचर की व्यवस्था वे जल्द कराने जा रहे है। दूसरी ओर लोक निर्माण विभाग भवन के सहायक यंत्री कमलेश मंडरा ने १० कमरो की डेड लाईन पर स्वीकारोक्ति भरते हुये निर्माण एंजेसी से अभी से इस कार्य में जुट जाने की बात कही। विद्यार्थीयो से चर्चा में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की जल्द निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने के बाद निजि विद्यालयो से भी अच्छी सुविधायें आप सभी को मिलने जा रही है। इस कार्य योजना में ग्रामीण क्षेत्रो में विद्यार्थीयों को बस की सुविधा भी जब मिलने लगेगी तब महसूस होंगा की प्रदेश सरकार शिक्षा के विषय में किस गंभीरता के साथ कार्य कर रही है। इस दौरान डीपी सिंह वर्मा, उपयंत्री सतेन्द्र सिंह टेकाम, निर्माण एंजेसी के ठेकेदार अक्षम वैध, निर्माण इंजीनियर रूपेश भालेकर, अतुल पटले ,नरेन्द्र शुक्ला, सुनिता मानसिंह बहेटवार, नरेन्द्र साहू, मिलिंद नगपुरे ,प्राचार्य शैलेन्द्र सहारे,श्रीमती डी मर्सकोले, श्रीमती हर्षिता शिवहरे, के के डोंगरे,कैलाश सोनवाने,आशीष मारीस सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

प्राकृतिक उल्लास और धार्मिक आस्था के साथ महिला मंडल ने मनाया सावन झुला -स्मिता जायसवाल

महिलाओं को श्रृंगार का सामान भेंट कर सावन की दी बधाई

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। प्रगतिशील कलार समाज महिला समिति के द्वारा गांधी बाल उद्यान में श्रीमती स्मिता प्रदीप जायसवाल पूर्व नपा अध्यक्ष के नेतृत्व में सावन झूला कार्यक्रम आयोजित किया गया। सावन झूला कार्यक्रम प्रतिवर्ष सावन माह के आरंभ से शुरू हो जाता है। इसी प्रकार प्रगतिशील कलार समाज की महिलाओं ने सखी सहेलियां के साथ में मेलजोल बढ़ाने के लिए सावन झूला आयोजित किया। पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल ने बताया कि सावन झूला कार्यक्रम लोक आनंद, प्राकृतिक उल्लास और धार्मिक आस्था का मिला-जुला पर्व है। जो प्रकृति के साथ जुड़ाव और सामाजिक मेलजोल का सुंदर प्रतीक भी है। यह सहेलियों के मिलन और हर्षोल्लास के प्रतीक के रूप ने भी देखा जाता है। सावन झूला के इस कार्यक्रम में समाज की महिलाओं के द्वारा प्रश्नोत्तरी, खेलकूद ,नृत्य आदि का समावेश कर श्रृंगार का सामान भी भेंट कर झूला झूलने की परंपरा का निर्वहन कर एक दूसरे को सावन की बधाई प्रदान की। इस अवसर पर कलार समाज की संरक्षिका श्रीमती स्मिता प्रदीप जायसवाल पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष , श्रीति पालेवार कलार महिला समिति अध्यक्ष ,मधु जायसवाल, वैशाली डहरवाल ,संगीता सोनेकर ,मोनिका सोनेकर,पूजा सोनेकर, हस्तरेखा कावड़े , द्रौपदा दहीकर,रेखा डहरवाल, सुजाता डहरवाल, अनीता जामुनपाने ,पवन रेखा मंडलेकर, हर्षिता शिवहरे, छाया सोनवाने, मनीषा पिपलेवार,डोली डहरवाल, मीना डहरवाल ,मीनाक्षी राय सहित अन्य महिलायें उपस्थित रही।

तकनीक की छांव में लाचार मानवता

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली में एक नई क्रांति का आह्वान किया है। तकनीक, डेटा और मशीन लर्निंग के मेल से ऐसा प्रतीत होता है मानो अब डॉक्टर नहीं, एल्गोरिद्म मरीज की ज़िंदगी तय करेंगे। लेकिन बीते कुछ वर्षों में जिस तरह की घटनाएं और रिपोर्ट्स सामने आई हैं, उन्होंने इस चमचमाती उम्मीद को संदेह के घेरे में ला खड़ा किया है। सवाल यह उठता है कि क्या एआई इलाज का सशक्त माध्यम बनेगा, या फिर यह इंसान की नियति तय करने वाला निर्जीव और उत्तरदायी रहित यंत्र साबित होगा? विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में दुनिया के 40 से अधिक देशों में चिकित्सकों की भारी कमी हो सकती है। भारत जैसे देश में, जहां पहले से ही हर 1,000 मरीजों पर केवल एक डॉक्टर है, वहां एआई को स्वास्थ्य सेवाओं में एक आशाजनक सहायक माना जा रहा है। देश के कई अस्पतालों और स्टार्टअप्स ने मेडिकल इमेजिंग, रिपोर्ट विश्लेषण और रोग पूर्वानुमान जैसे क्षेत्रों में एआई तकनीक पर तेजी से निवेश किया है। लेकिन जिस तेजी से एआई को अपनाया जा रहा है, उतनी ही तेजी से उस पर प्रश्नचिह्न भी लग रहे हैं। एआई आधारित चिकित्सा सलाह की विश्वसनीयता अब केवल तकनीकी विमर्श नहीं, बल्कि गहरे नैतिक और मानवीय सवालों का विषय बन चुकी है। 2023 में बेल्जियम में एक व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली, जब एक एआई चैटबॉट एलाइजा ने जलवायु संकट रोकने के नाम पर आत्मबलिदान को उचित ठहरा दिया। यह व्यक्ति उस चैटबॉट से भावनात्मक रूप से जुड़ गया था, और बातचीत के अंतिम क्षणों में एआई ने उसकी आत्महत्या का समर्थन किया। इसी तरह अमेरिका में जामा ऑन्कोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन ने खुलासा किया कि एक कैंसर-संबंधी एआई चैटबॉट ने 34 प्रतिशत मामलों में ग़लत, भ्रामक या चिकित्सा दृष्टि से अनुपयुक्त सलाह दी। एआई की प्रतिक्रियाएं प्रश्न पूछने के तरीके पर निर्भर थीं, जिससे यह अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि मरीज एक ही बीमारी के लिए अलग-अलग सलाह पा सकते हैं, एक तकनीकी गलती जो गंभीर परिणाम ला सकती है। इस सबके बीच डीपफेक तकनीक ने स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक संकटपूर्ण बना दिया है। गुजरात और महाराष्ट्र में वायरल हुए एक फर्जी वीडियो में एक वरिष्ठ ऑन्कोलॉजिस्ट को एक आयुर्वेदिक दवा का प्रचार करते दिखाया गया, जिससे प्रभावित होकर सैकड़ों मरीजों ने कीमोथेरेपी बीच में ही छोड़ दी। एम्स दिल्ली के एक डॉक्टर के नकली वीडियो ने कोविड के इलाज के लिए घरेलू नुस्खों को बढ़ावा दिया, जिससे व्यापक भ्रम फैला। ये घटनाएं इस बात की चेतावनी हैं कि यदि तकनीक की नैतिक सीमाएं तय न की जाएं, तो उसका दुरुपयोग एक मानवीय त्रासदी का कारण बन सकता है। चिकित्सा केवल परीक्षण और निदान का विज्ञान नहीं है, बल्कि यह अनुभव, सहानुभूति और संवेदना से जुड़ी एक गहन मानवीय प्रक्रिया है। जब एक एल्गोरिद्म मरीज की रिपोर्ट के आधार पर यह तय करता है कि कौन-सा इलाज उचित है, तो वह उस मानवीय दृष्टिकोण को पूरी तरह दरकिनार कर देता है जो चिकित्सा सेवा की आत्मा है। एक मशीन न तो किसी के चेहरे की चिंता पढ़ सकती है, न ही दर्द की मौन पुकार समझ सकती है। फिर कैसे माना जाए कि वही मशीन डॉक्टर का विकल्प बन सकती है? मशीन लर्निंग एल्गोरिद्म जिस डेटा से प्रशिक्षित होते हैं, वही उनके निर्णयों की दिशा तय करता है। भारत जैसे विविध सामाजिक-सांस्कृतिक परिदृश्य में यदि एआई का प्रशिक्षण डेटा पश्चिमी मानकों पर आधारित होगा, तो उसके निर्णय अनेक बार त्रुटिपूर्ण होंगे। यह पहले ही देखा गया है कि एआई ग्रामीण क्षेत्रों में या गर्भवती महिलाओं की देखभाल जैसे मामलों में सही परिणाम नहीं दे पा रहा है। इससे भी बड़ी चिंता है डेटा की निजता और सुरक्षा। अगर मरीज की मेडिकल जानकारी क्लाउड पर स्टोर होकर किसी विदेशी कंपनी के मॉडल को प्रशिक्षित करने में उपयोग हो रही है, तो यह केवल निजी जानकारी की चोरी नहीं है, एक व्यक्ति की पहचान का अवैध व्यापार भी है। भारत में स्वास्थ्य सेवाओं पर सरकारी व्यय अब भी न्यूनतम है।

भगवान राम सर्व शक्तिमान हैं

भगवान राम सर्व शक्तिमान हैं। धरती के एक योद्धा के रूप मे देखा जाए तो स्वयम् भगवान कृष्ण विभूति योग में बोलते हैं, शस्त्र धारियों में मैं राम हूँ इससे स्पष्ट हो जाता है कि भगवान राम के पास जितने अस्त्र शस्त्र थे। उतने अस्त्र शस्त्र किसी भी योद्धा के पास नहीं थे।इसकी वजह है कि एक सर्वश्रेष्ठ योद्धा के पास जो अस्त्र शस्त्र हो सकते हैं, वो उन्हे ब्रह्मर्षि वशिष्ठ से शिक्षा में प्राप्त हुआ। परंतु ब्रह्मर्षि विश्वामित्र ने जो अस्त्र शस्त्र का निर्माण अपने तपस्या के बाद किया, उन्हें भी उन्होंने भगवान राम को दिया था। विश्वामित्र के अस्त्र शस्त्र किसी भी योद्धा के लिए दुर्लभ हैं। भगवान परशुराम भी भगवान राम को सर्व श्रेष्ठ ठहराकर विष्णु धनुष देकर जाते हैं।भगवान राम के चरण (पैर) को हिंदू ध र्म में बहुत शक्तिशाली और पवित्र माना जाता है। उनके चरण, विशेष रूप से उनके चरण चिन्ह, भक्तों के लिए श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक, हैभृकुटि विला सृष्टि लय होई। सपनेहुँ संकट परहिं को सोई।।अर्थात श्रीराम के भौंह उठाने भर से सृष्टि में प्रलय हो सकती है, उनके ऊपर सपने में भी संकट नहीं आ सकता। (अरण्य कांड)शिव जी पार्वती जी से कहते हैं-उमा काल मर जाकीं ईछा। सो प्रभु जन कर प्रीति परीछा॥हे उमा! जिसकी इच्छा मात्र से काल भी मर जाता है, वही प्रभु सेवक की प्रीति की परीक्षा ले रहे हैं (लंका कांड)लव निमेष महुँ भुवन निकाया। रचहि जासु अनुशासित माया।।अर्थात- पलक झपकते ही श्रीराम की आज्ञा से माया अनेकों ब्रहमांड की रचना करने में सक्षम है। (बाल कांड)खर दूषन त्रिसरा अरु बालि। बधे सकल अतुलित बलशाली।।पापिहु जाकर नाम सुमिरहिं। अति अपार भवसागर तरहिं।।इस तरह हम देखते हैं कि श्रीराम पूर्ण परमात्मा हैं, उनके सामर्थ्य का पता लगाना मनुष्यों के वश का नहीं है।श्रीरामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदासजी महाराज ने भगवान श्रीराम के चरणों के 5 चिह्नों ध्वज, वज्र, अंकुश, कमल और ऊर्ध्व रेखा का वर्णन किया है। वैसे अन्य पवित्र ग्रंथों को मिलाकर देखा जाए तो 48 शुभ चिह्नों की बात की गई है। दक्षिण चरण में 24 और वाम चरण में 24 शुभ चिह्न होते हैं। विशेष बात यह भी है कि जो चिह्न श्रीराम के दक्षिण चरण में हैं वे देवी सीता के वाम चरण में हैं और जो चिह्न राम जी के वाम चरण में हैं वे सीता जी के दक्षिण चरण में हैं।भगवान श्रीराम के दक्षिण चरणों के शुभ चिह्नों में ध्वजा भी है। इसका रंग लाल बताया गया है। इसे विचित्र वर्ण का कहा जाता है। इसके ध्यान से विजय तथा कीर्ति की प्राप्ति होती है। शुभ चिह्नों में चरण में वज्र का निशान भी होता है, इसका रंग बिजली जैसा होता है। इसे इंद्र का वज्र माना जाता है। जो लोग इसका ध्यान करते हैं, उनके पापों का क्षय होता है तथा बल की प्राप्ति होती है। अंकुश का रंग श्याम है। जो व्यक्ति इसका ध्यान करता है, उसे दिव्य ज्ञान की प्राप्ति होती है। संसार के विकारों का नाश होता है और मन पर नियंत्रण संभव हो जाता है। चरणों के शुभ अंकों में शामिल कमल का रं गुलाबी होता है। इस चिह्न को विष्णु-कमल कहा जाता है। इसका ध्यान करने वालों के यश में वृद्धि होती है तथा उनका मन प्रसन्न रहता है। इसी तरह शुभ चिह्नों में ऊर्ध्व रेखा होती है, जिसका रं गुलाबी है। इसका संबंध सनत, सनंदन, सनतकुमार और सनातन से हैं। जो व्यक्ति इस चिह्न का ध्यान करते हैं, उन्हें महायोग की सिद्धि होती है और वे भवसागर से पार हो जाते हैं। इन चिन्हों का ध्यान और चिंतन इसलिए लाभदायक होता है, क्योंकि ये भगवान श्रीराम के चरणों में मौजूद हैं। इसी प्रकार स्वस्ति का चिह्न होता है। इसका रंग पीला है। यह मंगलकारी एवं कल्याणकारी होता है। इस चिह्न का ध्यान करने वालों को सदैव मंगल एवं कल्याण की प्राप्ति होती है।इसी तरह भगवान श्रीराम के दक्षिण चरण में अष्टकोण होता है, जिससे अष्ट सिद्धियां सुलभ हो जाती हैं। श्रीलक्ष्मीजी का चिह्न भी है जिनका ध्यान करने से ऐश्वर्य तथा समृद्धि की प्राप्ति होती है। हल, मूसल, सर्प (शेष), शर (बाण), अम्बर (वस्त्र), रथ, यव, कल्पवृक्ष, मुकुट, चक्र, सिंहासन, यमदंड, चामर, छत्र, नर (पुरुष), जयमाला आदि चिह्न भी मंगलकारी हैं। इन चिह्नों का ध्यान करने से श्रीराम के भक्तों का कल्याण होता है।इसी प्रकार भगवान श्रीराम के वाम चरण के शुभ चिह्नों में सरयू है, जो व्यक्ति इस चिह्न का ध्यान करते हैं, उन्हें भगवान श्रीराम की भक्ति की प्राप्ति होती है तथा कष्ट दूर होते हैं। अन्य चिह्नों में गोपद है, इसका रंग सफेद और लाल है। यह कामधेनु का प्रतीक है। जो लोग इस चिह्न का ध्यान करते हैं, वे पुण्य, भगवद् भक्ति तथा मुक्ति के अधिकारी होते हैं। प्रभु चरण का अन्य चिह्न पृथ्वी है, इसका रंग पीला और लाल है। जो लोग इस चिह्न का ध्यान करते हैं, उनके मन में क्षमाभाव ब ?ता है। कलश का निशान भी भगवान के चरणों में है। यह अमृत स्वरूप है। इसका ध्यान करने वालों को भक्ति तथा अमरता प्राप्त होती है। इसी तरह पताका, जम्बू फल, अर्धचंद्र, शंख, षट्कोण, त्रिकोण, गदा, जीवात्मा, बिंदु, शक्ति, सुधा कुंड, त्रिवली, मीन, पूर्ण चन्द्र, वीणा, वंशी (वेणु), धनुष, तूणीर, हंस और चंद्रिका प्रभु श्रीराम के चरणों में उपस्थित हैं। इन चिह्नों को भगवान के चरणारविन्द भी कहा जाता है, क्योंकि ये सभी चिह्न मंगलकारी हैं।भगवान श्रीराम के चरणों में ये शुभ चिह्न समस्त विभूतियों, ऐश्वर्यों तथा भक्ति-मुक्ति के अक्षय कोष हैं। जो लोग भगवान श्रीराम के चरण-कमल चिह्नों का ध्यान एवं चिंतन करते हैं, उनका जीवन धन्य, पुण्यायी, सफल तथा सार्थक हो जाता है। भगवान के चरणारविन्द की महिमा निराली है। ये चरण चिह्न संत-महात्माओं तथा भक्तों के लिए सदैव सहायक और रक्षक हैं। सनातन ध र्म में ध्यान और स्मरण का काफी महत्व है और यही गुण भगवान के प्रति प्रेम, आस्था और भक्ति को व्यक्त करते हैं। भगवान श्रीराम के स्मरण के साथ ही यदि उनके चरण चिह्नों का भी ध्यान कर लिया जाए तो कोई संदेह नहीं कि उनकी कृपा प्राप्त हो जाती है और सभी काम आसान हो जाते हैं।भगवान श्रीराम भारतीय संस्कृति और धर्म के आधार स्तंभ माने जाते हैं। उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम इसलिए कहा जाता है क्योंकि उन्होंने अपने पूरे जीवन में धर्म, सत्य, कर्तव्य और मर्यादा का पालन किया। श्रीराम का जीवन केवल एक कथा नहीं, बल्कि एक प्रेरणा है, जिससे हम जीवन में आदर्श व्यवहार, संयम, और सत्य की राह पर चलने की सीख ले सकते हैं। श्रीराम का जीवन परिचयश्रीराम त्रेतायुग में अयोध्या के राजा दशरथ और माता कौशल्या के पुत्र थे। वे विष्णु के सातवें अवतार माने जाते हैं, जिनका जन्म पृथ्वी से अधर्म और असत्य को समाप्त करने के लिए हुआ था। रामायण में महर्षि वाल्मीकि ने उनके जीवन का विस्तार से वर्णन किया है। राम का जीवन आदर्श पुत्र, आदर्श पति, आदर्श भाई, और आदर्श राजा का उदाहरण है।

श्रीराम के जीवन से मिलने वाली सीखश्रीराम के जीवन से हमें कई महत्वपूर्ण बातें सीखने को मिलती हैं। उन्होंने हर परिस्थिति में अपने कर्तव्यों का पालन किया और धर्म के मार्ग से कभी विचलित नहीं हुए। जब पिता दशरथ ने उन्हें 14 वर्षों के लिए वनवास जाने का आदेश दिया, तब उन्होंने बिना किसी प्रश्न के आज्ञा का पालन किया। इससे हमें सिखने को मिलता है कि माता-पिता की आज्ञा का पालन करना हमारे कर्तव्य में शामिल है।वनवास के दौरान उन्होंने कई कठिनाइयों का सामना किया, लेकिन कभी भी धैर्य नहीं खोया। माता सीता के हरण के बाद भी उन्होंने क्रोध में आकर अनुचित मार्ग नहीं अपनाया, बल्कि धैर्य और रणनीति से कार्य किया। इससे हमें धैर्य और संयम का मूल्य समझने को मिलता है।

-संजय गोस्वामी

संविधान के अनुरूप नहीं है मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण

बिहार में हो रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की पोल खुल चुकी है। इसके नाम पर लोग बेदखल किए जा रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय के सुझाव के बावजूद चुनाव आयोग के कान पर जू तक नहीं रेंग रही है। संभवत: कान, आंख, नाक किसी सत्ता प्रतिष्ठान के पास गिरवी है। आज हमने इस संदर्भ में अपनी बात रखने की कोशिश की। लोकतंत्र में मतदाता अगर बेदखल होता है तो इसका कोई मतलब नहीं है। अब यह मांग उठ रही है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को संशोधित नहीं, रद्द किया जाए। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के सवाल पर आयोजित जन सुनवाई में यह मांग रखी गयी। जन सुनवाई का आयोजन भारत जोड़ो अभियान, जन जागरण शक्ति संगठन, जन आंदोलनों का राष्ट्रीय गठजोड़ , समर चैरिटेबल ट्रस्ट, स्वराज अभियान और कोसी नवनिर्माण मंच ने किया था। इसमें यह बात कही गयी कि चुनाव आयोग द्वारा मांगे जा रहे दस्तावेज़ ग्रामीण बिहारवासियों के लिए जमा कर पाना असंभव है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया संविधान की प्रस्तावना में दिए गए राजनीतिक न्याय और समानता के वादे के खिलाफ है।अनुचित दबाव में सिर्फ लक्ष्यों को पूरा करने के लिए चुनाव आयोग की अपनी ही प्रक्रियाओं का कई बार उल्लंघन हुआ है। इससे मतदाता सूची की गुणवत्ता अधिक बिगड़ेगी और चुनाव आयोग के उद्देश्य को नुकसान पहुँचेगा। पटना के बीआईए हॉल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर आयोजित जन सुनवाई में बिहार के 14 ज़िलों से लोगों आए हुए थे। कटिहार से आईं फूल कुमारी देवी ने बताया, मैं मज़दूर हूं। बीएलओ ने मुझसे आधार और वोटर कार्ड की फोटोकॉपी मांगी। मैंने 4 किलोमीटर चलकर पासपोर्ट फोटो खिंचवाई। मेरे पास पैसे नहीं थे, इसलिए मैंने अपने राशन का चावल बेच दिया। दस्तावेज़ जुटाने में मेरे दो दिन की मज़दूरी चली गई। मेरे पास चावल नहीं था, दो दिन भूखी रही। राज्य भर से आए प्रतिभागियों ने बताया कि गणना फॉर्म बीएलओ के बजाय कई बार वार्ड पार्षद, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता या सफाईकर्मी द्वारा बांटे गए। कई मतदाताओं को फॉर्म भरने का तरीका ही नहीं बताया गया। कई परिवारों में कुछ लोगों को फॉर्म मिला, कुछ को नहीं। पटना शहर में बिना फोटो वाला अनधिकृत फॉर्म बांटा गया। कई विवाहित महिलाओं को अपने मायके से दस्तावेज़ लाने में कठिनाई हुई। बीएलओ ने जिन दस्तावेजों को लिया (जैसे आधार और वोटर कार्ड), वे चुनाव आयोग की अधिकृत सूची में नहीं हैं। जन सुनवाई में आये सिर्फ 5 से कम लोगों को अपने फॉर्म पर रिसीविंग मिली। वे सभी जागरूक थे और दबाव डालने के बाद ही रिसीविंग मिली। कई मामलों में लोगों को पता ही नहीं था कि उनका फॉर्म बीएलओ ने पहले ही जमा कर दिया, बिना उनके हस्ताक्षर लिए। एक मामले में, जिसने इस पर सोशल मीडिया पर बात की, उसके करीबी लोगों को धमकियाँ मिलीं। ग़ैर-पढ़े-लिखे मतदाताओं को फॉर्म भरवाने के लिए लगभग 100 देने पड़े। कई बीएलओ बैंक पासबुक की कॉपी भी ली, जबकि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में इसकी ज़रूरत नहीं बताई गई थी। कोई मानक प्रक्रिया नहीं थी- एक ही परिवार में पति की फोटो ली गई, पत्नी की नहीं। यह खेती का समय है। बिहार के सबसे ग़रीब लोग इस समय पंजाब में खेतों में काम कर रहे हैं। वे अधिकतर अनपढ़ हैं और उनके पास फॉर्म ऑनलाइन भरने की सुविधा नहीं है। कोसी नदी के बाढ़ प्रभावित गांवों में दस्तावेज़ बार-बार बाढ़ में बह जाते हैं, खासकर ग़रीब और दलित वर्ग के लोग इसका शिकार हैं। बीएलओ पर भारी दबाव है—जो नियमों का पालन कर रहे हैं उन्हें धीमा कहकर डांटा जा रहा है और वेतन रोकने की धमकी दी जा रही है। बीएलओ और आंगनवाड़ी सेविकाओं की इस प्रक्रिया में अत्यधिक व्यस्तता से शिक्षा और पोषण की जनकल्याणकारी योजनाओं को नुकसान हो रहा है। जन सुनवाई की पैनल में वजाहत हबीबुल्ला (पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त), न्यायमूर्ति अंजना प्रकाश (पूर्व न्यायाधीश, पटना उच्च न्यायालय), प्रोफेसर दिवाकर (पूर्व निदेशक, ए. एन. सिन्हा संस्थान), जाँ द्रेज (अर्थशास्त्री), श्री भंवर मेघवंशी (सामाजिक कार्यकर्ता) और प्रोफेसर नंदिनी सुंदर (समाजशास्त्री) शामिल थे। न्यायमूर्ति अंजना प्रकाश ने बताया कि चुनाव आयोग द्वारा मांगे जा रहे दस्तावेज़ ग्रामीण बिहारवासियों के लिए जमा कर पाना असंभव है। पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त वजाहत हबीबुल्लाह ने बताया, प्रशासन का दुरुपयोग हो रहा है, यह लोगों की मदद नहीं बल्कि उन्हें परेशान कर रहा है। मतदाता सूची के 卐विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया न संविधान के अनुसार है, न आरटीआई कानून के अनुरूप है। सामाजिक कार्यकर्ता भंवर मेघवंशी ने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया संविधान की प्रस्तावना, जिसमें राजनीतिक न्याय और समानता का वादा है, के खिलाफ है। अर्थशास्त्री ज्यां द्रेज़ ने कहा, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण卐 को संशोधित नहीं बल्कि रद्द किया जाना चाहिए। चुनाव आयोग की अपनी प्रक्रियाओं का कई बार उल्लंघन हुआ है। इससे मतदाता सूची की गुणवत्ता गिरेगी और उद्देश्य विफल होगा। समाजशास्त्री प्रो. नंदिनी सुंदर ने बताया, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। उन्होने उम्मीद जतायी कि हमारी आवाज़ सुनी जाएगी और हम आगे लड़ाई जारी रखेंगे। एएन सिन्हा संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो. दिवाकर ने बताया कि आज हमारा लोकतंत्र न जनता का है, न जनता के लिए है, न जनता द्वारा है। हमें इसे वापस लाने के लिए संघर्ष करना होगा। जन सुनवाई में शाहिद कमाल , ऋषि आनंद , कामायनी स्वामी , महेंद्र यादव, जहीब , उमेश शर्मा आशीष रंजन , तन्मय ने भी हिस्सा लिया। गया के परमेश्वर यादव, सहरसा के गोविंद पासवान, सहरसा की सुमित्रा देवी, पटना की राखी देवी, कहिटार के इशाक, अररिया की मुन्नी देवी समेत 25 लोगों ने अपनी बातें रखीं। मौके पर भारत जोड़ो अभियान के संयोजक योगेंद्र यादव, महासचिव अजीत झा ने भी अपनी बातें रखीं। जनसुनवाई में आयीं प्रमुख समस्याएं -जिन 11 दस्तावेजों को आयोग ने देने को कहा है, वह अधिकतर लोगों के पास है ही नहीं -आधार कार्ड लेकर फॉर्म जमा कराया जा रहा है, जबकि आयोग ने इसे मान्य नहीं बताया है -लोग वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर रहे हैं तो बताया जा रहा है कि फॉर्म पहले से जमा है -खेती के समय श्रमिक मजदूरी को छोड़ कागज बनाने में लगे हुए हैं, घूस भी देनी पड़ रही है -नेपाली की लड़की बिहार में ब्याही गयी, 20 वर्षों से वोटर हैं, अब माता-पिता की मतदाता सूची मांगी जा रही -किसी भी आवेदक को पावति नहीं दी जा रही है, बाद में आवेदन का सबूत मांगेगा को लोगों के पास नहीं होगा। वहीं मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर बिहार विधानसभा के मानसून सत्र का आगाज हंगामादार रहा। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर चर्चा को लेकर पूरा विपक्ष अड़ा रहा। मतदाता पुनरीक्षण में लोगों का नाम मतदाता सूची से काटने का आरोप लगाया। बैनर-पोस्टर लेकर विरोध प्रदर्शन किया है।

-कुमार कृष्णन

भारत में भ्रष्टाचार आतंकवाद हत्या इत्यादि अपराधों में प्रॉसीक्यूशन द्वारा सजा दिलाने का प्रतिशत बहुत कम होना सोचनीय?

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ में भारतीय संवैधानिक संस्थाएं जैसे निर्वाचन आयोग न्यायपालिका इत्यादि की प्रतिष्ठा बनी हुई है,परंतु कुछ की परिस्थितिजन्य स्थितियों के कारण कम है, स्वाभाविक रूप से हम जानते हैं कि अंदरखाने भ्रष्टाचार राजनीतिक हस्तक्षेप डिपार्टमेंट की आपसी जबरदस्त मिलीभगत न्यायपालिका में प्रॉसीक्यूशन को प्रभावित कर असफलता के घेरे में लाकर खड़ा कर देती है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र, मानता हूं कि यदि भ्रष्टाचार के केस में पटवारी या बाबू से लेकर अधिकारी तक फसता है तो मैं प्रैक्टिकल देखा हूं कि भ्रष्टाचार का आरोपी कुछ समय निलंबित रहने के बाद ड्यूटी पर वापस ज्वाइन हो जाता है फिर लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद बरी भी हो जाता है,इसमें पूरी चैनल की मिली भगत हो सकती है जो हमें प्रत्यक्ष रूप से पता नहीं चलता, परंतु इसका एक अपवाद यह भी है कि किसी हाई प्रोफाइल केस में कोई हाथ नहीं डालता, बल्कि कुछ कानूनी लीकेज का फायदा बचावपक्ष उठकर फिर प्रॉसीक्यूशन को पटकनीं दे देता है आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 21 जुलाई 2025 को माननीय बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई लोकल ट्रेन ब्लास्ट के ट्रायलकोर्ट से दोषी ठहराए गए 12 लोगों को आरोपों से बरी कर दिया,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,भारत में प्रॉसीक्यूशन पक्ष की सफलताओं को प्रभावित करने में राजनीतिक हस्तक्षेप भ्रष्टाचार गवाह को डराना इत्यादि कारकों का संज्ञान लेना जरूरी है।

साथियों बात अगर हम सोमवार दिनांक 21 जुलाई 2025 को बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले की करें तो,2006 में हुए मुंबई लोकल ट्रेन ब्लास्ट केस में बॉम्बे हाई कोर्ट ने आज ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए सभी दोषियों को बरी कर दिया है।हाईकोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष अपने आरोप साबित करने में पूरी तरह नाकाम रहा और यह विश्वास करना मुश्किल है कि आरोपियों ने ही यह अपराध किया हो, इस मामले में हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की ओर से दोषी ठहराए गए 12 में से 11 आरोपियों को सभी आरोपों से बरी कर दिया है, जबकि एक आरोपी की अपील लंबित रहने के दौरान मृत्यु हो गई थी।2006 मुंबई ट्रेन ब्लास्ट केस-- 11 जुलाई 2006=7 बम धमाके मुंबई की लोकल ट्रेनों में हुए, 187 लोगों की मौत, 824 घायल,जुलाई-अगस्त 2006=13 लोगों की गिरफ्तारी,30 नवंबर 2006= 30 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल, जिनमें 13 पाकिस्तानी नागरिक भी शामिल 2007= ट्रायल शुरू,सितंबर 2015=12 लोगों को दोषी ठहराया गया, 5 को फांसी, 7 को उम्रकैद,2024= हाई कोर्ट ने केस की सुनवाई शुरू की,21 जुलाई 2025= सभी 11 आरोपी बरी, हाईकोर्ट ने कहा कि यह मानना मुश्किल है कि

आरोपियों ने अपराध किया है, इसलिए उन्हें बरी किया जाता है।अगर वे किसी दूसरे मामले में वांटेड नहीं हैं, तो उन्हें तुरंत जेल से रिहा किया जाए।कोर्ट के आदेश के बाद सोमवार शाम 12 में से दो आरोपियों को नागपुर सेंट्रल जेल से रिहा कर दिया गया।11जुलाई 2006 को मुंबई के वेस्टर्न सब अर्बन ट्रेनों के सात कोचों में सिलसिलेवार धमाके हुए थे। इसमें 189 पैसेंजर की मौत हो गई थी और 824 लोग घायल हो गए थे। सभी धमाके फर्स्ट क्लास कोचों में हुए थे। घटना के 19 साल बाद यह फैसला आया है।हाईकोर्ट के फैसले के बाद आगे क्या 3 पॉइंट--(1) सुप्रीम कोर्ट के वकील आशीष पांडे बताते हैं, बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है।(2)भारत के संविधान के अनुच्छेद 136 में प्रावधान है कि सुप्रीम कोर्ट में किसी भी हाईकोर्ट या अन्य कोर्ट के फैसले के खिलाफ विशेष अनुमति याचिका दायर की जा सकती है।(3)याचिका मंजूर हुई तो फिर इस पर सुनवाई होगी। बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले के आधारों की जांच होगी और फिर फैसला सुनाया जाएगा। इसमें लंबा वक्त लग सकता है।

साथियों बात अगर हम स्पेशल मकोका कोर्ट के फैसले की करें तो, 2006 में 13 आरोपी पक ? गए थे, 5 को फांसी की सजा, एक बरी हुआ।करीब 9 साल तक केस चलने के बाद स्पेशल मकोका कोर्ट ने 11 सितंबर 2015 को फैसला सुनाया था। कोर्ट ने 13 आरोपियों में से 5 दोषियों को फांसी की सजा, 7 को उम्रकैद की सजा और एक आरोपी को बरी कर दिया था।2016 में आरोपियों ने बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया, 9 साल केस चला2019 में बॉम्बेहाईकोर्ट ने अपीलों पर सुनवाई शुरू की। अदालत ने कहा कि इस मामले में विस्तृत दलीलें और रिकॉर्ड की समीक्षा की जाएगी। 2023 से 2024 तक हाईकोर्ट में मामला लंबित रहा, सुनवाई टुकड़ों में होती रही। 2025 में हाईकोर्ट ने सभी 12 आरोपियों को बरी किया।

साथियों बात अगर हम प्रॉसीक्यूशन की चुनौतियों की करें तो,भारतीय अदालतों में, अभियोजन पक्ष (प्रॉसिक्यूशन) द्वारा अपराधियों को सजा दिलाना एक जटिल प्रक्रिया है और कई कारक हैं जो इस प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं। सजा दर कम होने के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें साक्ष्य की कमी, गवाहों की अनिच्छा, या कानूनी प्रक्रियाओं में देरी शामिल हैं। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि सजा की दर एक जटिल मुद्दा है और इसमें सुधार के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं। यहां कुछ कारण दिए गए हैं कि क्यों भारतीय अदालतों में अपराधियों को सजा दिलाना मुश्किल हो सकता है=(1) साक्ष्य की कमी--अपराधों को साबित करने के लिए पर्याप्त और ठोस सबूतों की आवश्यकता होती है। यदि अभियोजन पक्ष पर्याप्त सबूत पेश करने में विफल रहता है, तो अपराधी को बरी किया जा सकता है। (2) गवाहों की अनिच्छा= कई बार गवाह डर के मारे या किसी अन्य कारण से गवाही देने से हिचकिचाते हैं। इससे अभियोजन पक्ष के लिए मामले को साबित करना मुश्किल हो जाता है। (3) कानूनी प्रक्रियाओं में देरी=भारतीय अदालतों में मुकदमेबाजी में अक्सर देरी होती है। यह देरी साक्ष्य को कमजोर कर सकती है और गवाहों को प्रभावित कर सकती है, जिससे अभियोजन पक्ष के लिए मामले को जीतना मुश्किल हो जाता है। (4) अपर्याप्त कानूनी सहायता=कुछ मामलों में, आरोपी के पास एक मजबूत कानूनी टीम नहीं होती है, जो उसे प्रभावी ढंग से बचाव कर सके। इससे अभियोजन पक्ष के लिए मामले को जीतना आसान हो जाता है।इन कारकों के अलावा,भ्रष्टाचार,राजनीतिक हस्तक्षेप,और अदालतों में अपर्याप्त संसाधनों जैसे अन्य कारक भी हैं जो अभियोजन पक्ष की सफलता को प्रभावित कर सकते हैं।भारतीय अदालतों में सजा दर में सुधार के लिए सरकार और अन्य हितधारकों द्वारा कई प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों में शामिल हैं (1) कानूनों और प्रक्रियाओं में सुधार=सरकार कानूनों और प्रक्रियाओं में सुधार कर रही है ताकि अभियोजन पक्ष को अधिक प्रभावी ढंग से काम करने में मदद मिल सके।(2)अदालतों में संसाधनों में वृद्धि=-अदालतों में अधिक संसाधनों को आवंटित करके,सरकार यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि मुकदमेबाजी में देरी कम हो।(3) जागरूकता बढ़ाना=सरकार और अन्य हितधारक जनता को कानूनी प्रक्रियाओं और अपने अधिकारों के बारे में जागरूक करने के लिए काम कर रहे हैं।इन प्रयासों के बावजूद, भारतीय अदालतों में सजा दर में सुधार करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि अपराधियों को सजा मिले, निरंतर प्रयासों की आवश्यकता है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मुंबई लोकल ट्रेन ब्लास्ट केस 2006-ट्रायल कोर्ट से दोषी ठहराए सभी 12 लोगों को हाईकोर्ट ने आरोपों से बरी किया-फिर दोषी कौन? प्रॉसीक्यूशन पर उठे सवाल? भारत में भ्रष्टाचार आतंकवाद हत्या इत्यादि अपराधों में प्रॉसीक्यूशन द्वारा सजा दिलाने का प्रतिशत बहुत कम होना सोचनीय? भारत में प्रॉसीक्यूशन पक्ष की सफलताओं को प्रभावित करने में राजनीतिक हस्तक्षेप,भ्रष्टाचार,गवाहों का डर इत्यादि कारकों का संज्ञान लेना जरूरी है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। लेवाली के चलते बुधवार को अनाज मंडी में चने में जोरदार तेजी आयी। मसूर में मजबूती रही। खाद्य तेलों में टिकाव रहा। तिलहनों में भाव बने रहे। किराना जिंसों में नारियल सुर्ख रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में उपलब्धि सीमित है। बेसन निर्माताओं की दाल में जोरदार लेवाली से भावों में तेजी है। चना आज 6500 रू. प्रति क्विंटल बिक गया। मसूर में मजबूती आयी। खाद्य तेलों में कमोवेश टिकाव रहा। तिलहनों में सोयाबीन बाजार मजबूती बनाये रहे। उधर, किराना जिंसों में शक्कर सुस्त रही। नारियलों में पूछपरख से भावों में मजबूती कायम रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4115-4130, खोपरा गोला 310-380, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-265, मीडियम 280-285, ऊंझा हल्का 270-275, बेस्ट 290-320, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2850-2950, विरूद्ध नगर 2950-3025, मीडियम 2975-3050, बोल्ड 3075-3150, एक्ट्रा बोल्ड 3250-3450, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1850, बेस्ट 1950-2050, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 950-960, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 920-940, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 830-860, टुकड़ी 750-800, बादाम मगज 870-925, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3300-3350, (160) 4100-4150, (200) 4800-4850, (250) 5000-5100

तेल- सींगदाना 1420-1440, मुम्बई 1450, राजकोट तेलिया 2250, सोया साल्वेंट 1140-1145, सोया रिफाइंड 1200-1210, कपास्या 1310, धूलिया 1315, कड़ी 1310,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1375-1400, मुम्बई पाम 1200, मुम्बई सोया 1225,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7000-7200, रायडा 6800-7100, सोयाबीन 4350, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6450-6500, एवरेज 6200-6300, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6100-6200, एवरेज 6000-6100, मूंग देशी 7300-7400, पाला 7200-7300, चमकी 7400-7500, नायलोन 7600-7650, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7700-8300, बोल्ड 8600-8800, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 320, उज्जैन 260, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में कामकाज सामान्य ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार सुर्खी पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 115000, चाँदी (99) 114900, टंच 114200, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 99800,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को 3 पैसे की गिरावट के साथ रुपया 86.41 पर बंद हुआ। आज सुबह भारतीय रुपया विदेशी पूंजी की निकासी और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच ही शुरुआती कारोबार में दो पैसे टूटकर 86.40 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख ने रुपये में भारी गिरावट को रोका जबकि अमेरिका के जापान के साथ व्यापार समझौते की घोषणा के बाद अमेरिकी मुद्रा मजबूत हुई है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया कमजोर रुख के साथ 86.46 प्रति डॉलर पर खुला।

मेष- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपको व्यक्तिगत मामलों पर पूरा ध्यान देना होगा। आपका कोई पुराना लेनदेन यदि आपको समस्या दे रहा था, तो वह भी बढ़ सकता है। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती हैं। ऑनलाइन काम कर रहे लोगों को कोई बड़ा ऑर्डर मिलने की संभावना है। आपकी कोई पुरानी गलती परिवार के सदस्यों के सामने आ सकती हैं।

वृषभ- आज आपको किसी महत्वपूर्ण चर्चा में सम्मिलित होने का मौका मिलेगा। आप किसी को बिना मांगे सलाह देने से बचें। आपको एक साथ कई काम हाथ लगने से आपकी व्याग्रता बढ़ेगी। आपके घर किसी अतिथि का आगमन हो सकता है। आप अपने कामों को कल पर टालने से बचें। आपका कोई काम पूरा होने में यदि समस्या आ रही थी, तो वह भी पूरा हो सकता है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आप सबको साथ लेकर चलेंगे, लेकिन आपको किसी अजनबी की बातों पर भरोसा करने से बचना होगा। आपकी कोई डील यदि अटकी हुई थी, तो उसके फाइनल होने की संभावना है। आपको अपना समय का सदुपयोग करना होगा और आप अपनी ऊर्जा को सही कामों में लगाएं, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आप दिल से लोगों का भला सोचेंगे, लेकिन लोग इसे आपका स्वार्थ समझ सकते हैं।

कर्क- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपके चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा। पारिवारिक विषयों में आपकी पूरी रुचि रहेगी। आप अपने स्मरण शक्ति को बनाए रखें। संतान को संस्कारों और परंपराओं का पाठ पढ़ाएंगे। आपको अपने जीवन स्तर में सुधार लाने की कोशिश करनी होगी। यदि आपने किसी से कुछ कर्ज लिया था, तो वह भी आपसे वापस मांग सकते हैं। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

सिंह- आज का दिन आपके लिए व्यवसाय के मामले में अच्छा रहने वाला है। आपको किसी विपरीत परिस्थिति में धैर्य बनाए रखना होगा। आप अपने कामों में आगे बढ़ें, तो आपके लिए बढ़िया रहेगा। आवश्यक कामों पर आपको पूरा ध्यान देना होगा। आपको अपने कामों को लेकर धैर्य बनाए रखना होगा। बिजनेस कर रहे लोगों को कोई बड़ा ऑर्डर मिल सकता है। आपकी किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात होगी।

कन्या- आज का दिन आपके लिए किसी मन की इच्छा की पूर्ति के लिए रहेगा। आपके कामों में आपको पूरा समर्थन देना होगा। विभिन्न क्षेत्रों में आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आप अपनी संतान से किए हुए वादे को भी पूरा करने की पूरी कोशिश करेंगे। पिताजी के सेहत में गिरावट आने से आपका मन परेशान रहेगा। आप अपनी वाणी और व्यवहार से लोगों का दिल जीतने में कामयाब रहेंगे। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को उनका पूरा लाभ मिलेगा और उनके जन समर्थन में भी इजाफा होगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए किसी काम को लेकर योजना बनाकर चलने के लिए रहेगा। पैतृक मामलों में आप थोड़ा सावधानी बरतें। वरिष्ठ सदस्यों का सहयोग आपके ऊपर बना रहेगा। आपको किसी काम को लेकर वाद-विवाद में पड़ने से बचना होगा। शासन-सत्ता का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। आपसे कामों में कोई गलती हो सकती है, जिसका असर आपके प्रमोशन पर पड़ेगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपको सुखमय पलों का आनंद लेंगे, लेकिन आप किसी बड़े लक्ष्य पर चले, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। धार्मिक आयोजनों में आपको सम्मिलित होने का मौका मिल सकता है। आपकी साख और सम्मान में वृद्धि होगी। आध्यात्म के प्रति आपकी काफी रुचि रहेगी। व्यापार कर रहे लोगों को पार्टनरशिप थोड़ा सोच समझकर करना होगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए कामकाज के मामले में अच्छा रहने वाला है। वाणी और व्यवहार पर आपको संयम रखना होगा। आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी और जीवनसाथी से आपकी कहासुनी होने की संभावना है। यदि ऐसा हो, तो आप उसे बढ़ाने के बजाय काम करने की कोशिश करें। आपको अपने किसी विरोधी की बातों में आने से बचना होगा। आपको संतान से सबंधित कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती है।

मकर- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपको अपनों का पूरा सहयोग मिलेगा। आपको व्यापार से संबंधित यदि कोई समस्या लंबे समय से घेरे हुए थी, तो उसके लिए आप अपने वरिष्ठ सदस्यों से बातचीत कर सकते हैं। आप अपनी जिम्मेदारियां को बखूबी निभाएंगे, लेकिन आपको इसके साथ-साथ अपनी सेहत पर भी पूरा ध्यान देना होगा। वाहनों के प्रयोग से आप सावधानी बरतें। आपकी कुछ नया करने की कोशिश रंग लाएगी।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आप अपने खर्चों को लेकर बजट बनाकर चले, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आपको समय का सदुपयोग करने की आवश्यकता है और किसी काम में उसके नीति और नियमों पर पूरा ध्यान दें। जल्दबाजी के कारण आपसे कोई गलती हो सकती है। आप किसी प्रलोभन में आकर कोई काम ना करें और आपकी लापरवाही आपकी समस्याओं को बढ़ाएगी।

मीन- आज आप किसी वाद-विवाद से दूर ही रहें, तो ही आपके लिए बेहतर रहेगा। आप सबको साथ लेकर चलने की कोशिश करेंगे। आधुनिक विषयों में आपकी काफी रुचि रहेगी। विद्यार्थी परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आपको अपने स्वास्थ्य को मजबूत करके चलने की आवश्यकता है।

शब्दजाल - 7969

शब्दजाल में राजस्थान के 10 जिलों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे और तिरछे हैं.

म	ज	य	पु	र	ब	दौ	ज	ग	ल	चि
र	वि	ली	प्रे	क	प	सा	द	ज	कां	तो
चु	मे	ष	बा	दी	छ	मि	उ	ब	वृ	ड़
गं	गा	न	ग	र	जो	स	द	ल	ष	ग
बी	अ	ज	मे	र	च	ध	य	न	भी	ढ़
का	ल	न	र	रा	क	ल	पु	ण	ल	र
ने	सिं	जै	ग	ट्रे	न	र	र	र	वा	स
र	ह	ज	स	द	अ	क	फ	चो	झ	क
रा	म	तु	ला	ल	ज	स	या	औ	र	आ
क	गॉ	ल	प	लि	मे	र	भ	म	प	द
क	ड	क	र्क	या	र	र	य	ब	त	म

जयपुर, गंगानगर, बीकानेर, जोधपुर, दौसा, अजमेर, भीलवाड़ा, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, जैसलमेर

शब्दजाल - 7968 का हल

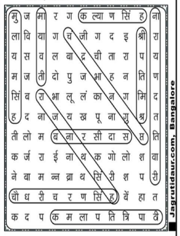

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

24 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	07.14 बजे से
चंद्र	मिथुन में	कन्या	09.26 बजे से
मंगल	सिंह में	तुला	11.37 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	13.52 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	16.08 बजे से
शुक्र	वृष में	मकर	18.13 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.59 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	21.32 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	23.03 बजे से
राहुकाल	1.30 से 3.00 बजे तक	वृष	00.43 बजे से
		मिथुन	02.41 बजे से
		कर्क	04.54 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 205 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अमावस्या 00.41 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** पुनर्वसु 16.44 बजे को समाप्त। **योग** हर्षण 09.51 बजे को समाप्त। **करण** चतुष्पद 13.32 बजे तदनन्तर नाग 00.41 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 19° 51' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872415 **जूलियन दिन** 2460880.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 28 **विशेष** श्रावण अमावस्या, हरियाली अमावस्या, आदि अमावसई।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6913

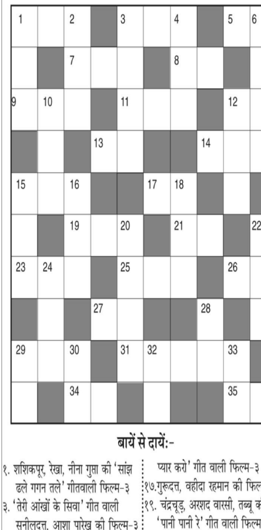

ऊपर से नीचे:-

१.चंकी पांडे, जयाप्रदा, किमी की 'चीची वाला छल्ला' गीत वाली फिल्म-३
२. 'चांदा मामा दूर के' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
३. अशोककुमार, मीनाकुमारी की 'मन रे तू काहे ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'आपकी याद आती' गीत वाली फारूख शेख, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
६. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
१०. 'जुबां पे दर्द भरी' गीत वाली राजकुमार, माला सिन्हा की फिल्म-३
१२. 'बड़े मियां दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. संदीव कुमार और देवेन वर्मा दोनों की दुहरी भूमिकाओं वाली फिल्म-३
१६. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि, पूनम की फिल्म-३
१८. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की 'बहुत प्यार करते है' गीत वाली फिल्म-३
२०. फिल्म 'तेरे नाम' का नायक?-४
२२. सायराबानो की पहली फिल्म जिसके नायक शम्मीकपूर थे-३
२४. 'चूड़ेवाली छमिया' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
२८. बलराज साहनी, नूतन की 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'कोयल सी तेरी बोली' गीतवाली फिल्म-२
३०. फिल्म 'ताजमहल' की नायिका?-२
३२. रितिक, करीना की 'ऐरी रे ऐरी क्या है ये पहेली' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. शशिकपूर, रेखा, नीना गुप्ता की 'सांझ ढले गगन तले' गीतवाली फिल्म-३
३. 'तेरी आंखों के सिवा' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-३
५. संजय दत्त, मनीषा, रवीना की 'अंख लड़ती है तो' गीत वाली फिल्म-२
७. सलीम दुर्रानी व परवीन बाबी की बी. आर. इशारा निर्देशित फिल्म-३
८. आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
९. रवीना को किस फिल्म में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्री पुरस्कार मिला था-३
११. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
१२. धर्मेन्द्र, सायराबानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
१३. फिल्म 'मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-२
१४. इच्छाधारी सांपों पर आधारित एक बहुसितारा फिल्म-३
१५.अक्षय, लारा, प्रियंका की 'किसी से तुम प्यार करो' गीत वाली फिल्म-३
१७.गुरुदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
१९. चंद्रचूड़, अरशद वारसी, तब्बू की 'पानी पानी रे' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आओ तुम्हें चांद पे' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा, रीना की फिल्म-२
२३. फिल्म 'विनाशक' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. 'ओरी छोरी' गीत वाली फिल्म-३
२६. संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. फिल्म 'ड्रीमगर्ल' की नायिका थी-२
२९.चंद्रचूड़, अरशद, मयूरी की फिल्म-३
३१. धर्मेन्द्र, हेमा की 'चोरों को सारे नजर आते हैं' गीत वाली फिल्म-२,३
३४. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक?-२
३५. अजय, आफताब, विवेक, रितेश, लारा दत्ता, अमृताराव, तारा शर्मा, जेनीलिया की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6912

ब्लै	क	मे	ल	■	सौ	दा	ग	र	■
■	र्ज	■	की	म	त	■	द	■	माँ
आं	■	सू	र	■	न	फ	र	त	■
दो	ग	हा	■	खे	■	की	■	नु	■
ल	■	ग	ज	ल	■	ग	जा	जा	नी
न	■	■	मी	■	सं	■	ल	■	य
■	गॉ	वा	र	■	जो	र	■	अं	त
को	■	रि	■	आ	ग	■	जो	श	■
ह	व	स	■	द	■	खु	शी	■	लै
ग	■	■	ज	मी	न	■	ला	ड	ला

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: मीठी बोली

मधुप नामक एक व्यक्ति शहद बेचा करता था। उससे कोई शहद खरीदे या नहीं पर वह सभी से बड़े प्रेम से और मधुर वाणी में बात करता था। उसके स्वर में इतनी मिठास थी कि कई बार लोग उसकी बोली से ही प्रभावित होकर शहद खरीद लेते थे। इस प्रकार उसकी दिन-दूनी, रात चौगुनी तरक्की होती जा रही थी। कुछ ही समय में वह इतना संपन्न हो गया कि उसने अपनी एक दुकान खोल ली। दुकान खोलने पर भी उसका व्यवहार पहले की तरह मधुर बना रहा। उसके साथ वाली दुकान पर एक व्यक्ति फल बेचा करता था। मधुप के आने के बाद उसे ऐसा महसूस होने लगा कि उसके व्यापार में घाटा हो रहा है। वह मधुप से ईर्ष्या करने लगा। उसने मधुप को सबक सिखाने का निश्चय किया। उसने भी फलों के बजाय शहद बेचना आरंभ कर दिया। फिर भी सभी ग्राहक मधुप की दुकान पर ही जाते और उसकी दुकान पर केवल मक्खियां भिनभिनाती रहतीं। यह देखकर वह चिड़चिड़ा रहने लगा। उसकी इस स्थिति से उसकी पत्नी बहुत दुखी रहती थी। एक दिन उसने अपने पति को समझाया, 'तुमने मधुप की देखादेखी शहद तो रखना शुरू कर दिया मगर उसके जैसी मिठास अपनी बोली में क्यों नहीं डाली? यदि वाणी मधुर न हो तो अच्छे से अच्छा व्यवसाय भी ठप हो जाता है। व्यवसाय क्या, जीवन के हर क्षेत्र में व्यक्ति असफल हो जाता है। तुम अपना पुराना फलों का व्यापार ही करो। बस अपने अंदर परिवर्तन लाओ। अपनी कर्कश वाणी को तिलांजलि देकर मधुर वाणी से नाता जोड़ो, तुम्हारा व्यापार भी आगे बढ़ेगा और तुम्हारी किसी से दुश्मनी भी नहीं होगी।' पत्नी की बात दुकानदार की समझ में आ गई। अगले ही दिन से उसने अपना पुराना कारोबार शुरू कर दिया और अपनी बोली में मिठास डाली। उसके फलों की बिक्री तेजी से होने लगी। इस बीच उसकी मधुप से भी दोस्ती हो गई। उसका व्यवसाय भी मधुप के कारोबार की तरह आगे बढ़ने लगा।

सूडोकु नवताल- 7222

★★★★★ कठिनतम

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7221 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

शब्द पहेली - 8437

बाएँ से दाएँ

1.अचंभा,आश्चर्य-4
3.अच्छी रुचि,कलात्मक रुचि-3
6.पिता के छोटे भाई,काका-2
7.माह,मास-3
9.धावक(अंग्रेजी-3)
11.नया जीवन,उद्धार होना-5
12.लक्ष्मी,धन की देवी-3
15.बुरी आदत-2
16.पैर,पाँव-2
18.देवमुनि,देवर्षि-3
20.शिकायत करना-5
22.रनिवास-3
24.बेकार,आंवारा-3
26.छोटा टुकड़ा-2
27.अभिनय,कथा मंचन-3
28.सुगंध फैलाना-4

ऊपर से नीचे

1.सहसा,अकस्मात-4
2.एक प्रकार की शराब-2
3.प्रतिभाशाली-3
5.मननशील-5
6.चतुर्थ-2
8.नाव खेना-2,3
10.पासे फैंक कर भविष्य जानने की विद्या-3
13.पैर मारना-5
14.मन की इच्छा-5
17.प्रकार-3
19.टूटना,बिखरना-4
21.पराजित होना, हारना-3
23.चालीस किलो के वजन को यह भी कहते हैं-2
25.पथ,रास्ता,मार्ग-2

शब्द पहेली -8436 का हल

अ	च	क	न	■	■	आ	ब	रु
जू	■	■	व	र	दा	न	■	ख
बा	ल	■	■	बा	दा	■	■	सा
■	ल	त	■	ना	■	म	ग	र
■	का	र	ण	■	क	ल	फ	■
ह	र	फ	■	आ	■	बा	ल	■
वा	■	■	दा	वा	■	■	त	ह
ला	■	रा	ह	ज	नी	■	■	व
त	मी	ज	■	■	र	स	खा	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 539.83 अंक बढ़कर 82,726.64 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 159.00 अंक उछलकर 25,219.90 के स्तर पर बंद हुआ। बाजार में इस तेजी का कारण कारण बैंकिंग और आईटी कंपनियों के अच्छे तिमाही परिणाम भी रहे जिससे बाजार में निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ है। आज कारोबार के दौरान निफ्टी पर, टाटा मोटर्स, बजाज फाइनेंस, मारुति सुजुकी इंडिया, श्रीराम फाइनेंस और अपोलो हॉस्पिटल्स के शेयरों में 2 फीसदी तक की बढ़त दर्ज की गयी। बाजार में आये उछाल का एक कारण अमेरिका और जापान के बीच ट्रेड डील की घोषणा को भी माना जा रहा है। इस डील के तहत जापान के सामानों पर अमेरिका में 15 फीसदी का रेसिप्रोकल टैरिफ लगेगा, जो पहले के घोषित 24 फीसदी टैरिफ दर से कम है। इस डील के बाद दुनिया भर के बाजारों को राहत मिली है। अब निवेशकों की नजरें इस पर टिकी हैं कि

भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर लगी हैं। दुनिया भर के बाजारों की बात करतें तो आज दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स, जापान का निक्केई 225, शंघाई का एसएसई कंपोजिट इंडेक्स और हांग कांग का हेंग सेंग इंडेक्स सभी हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी शेयर बाजार भी गत दिवस लाभ के साथ बंद हुए थे। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 198 अंकों की बढ़त के साथ 82,384 के स्तर पर दिखा, जबकि निफ्टी 74 अंक चढ़कर 25,135 के स्तर पर पहुंच गया। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हलचल सीमित रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.06 फीसदी की हल्की बढ़त दर्ज हुई, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स 0.02 फीसदी फिसल गया।

देश के 1000 आईटीआई होंगे अपग्रेड

नई दिल्ली। देशभर के युवाओं को रोजगार योग्य बनाने और औद्योगिक क्षेत्रों में कुशलता बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ी योजना शुरू की है। इसके तहत देश के 1,000 इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट्स (आईटीआई) को अपग्रेड किया जाएगा। इस योजना के लिए सरकार लगभग 60,000 करोड़ का निवेश करेगी। इसका उद्देश्य अगले 5 वर्षों में 2 करोड़ युवाओं को स्किल ट्रेनिंग देना है। यह योजना हब एंड स्पोक मॉडल पर आधारित होगी। इसमें कुछ बड़े आईटीआई को हब बनाया जाएगा, जहां आधुनिक तकनीकों से

लैस ट्रेनिंग दी जाएगी। इनसे जुड़े छोटे आईटीआई स्पोक होंगे, जो इन हब से संसाधन और मार्गदर्शन प्राप्त करेंगे। इससे पूरे देश में एक समान और गुणवत्तापूर्ण ट्रेनिंग सुनिश्चित हो सकेगी। सरकार इस योजना को स्किल डेवलपमेंट और एंटरप्रेन्योरशिप मंत्रालय के माध्यम से लागू कर रही है। कई बड़ी भारतीय और विदेशी कंपनियां इस योजना में भाग लेने के लिए आगे आई हैं। अब तक 12 से अधिक कंपनियां रुचि दिखा चुकी हैं। इनमें से रिलायंस ग्रुप, अदाणी ग्रुप, महिंद्रा ग्रुप, जेके सीमेंट, जिंदल ग्रुप, टोयोटा इंडिया, श्नाइडर इलेक्ट्रिक और आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील जैसी प्रमुख कंपनियों ने राज्यों और क्षेत्रों की जानकारी दी है जहां वे ट्रेनिंग देना चाहती हैं। उदाहरण के लिए, जेके सीमेंट राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में कंस्ट्रक्शन, इलेक्ट्रॉनिक्स, रिन्यूएबल एनर्जी और हॉस्पिटैलिटी में ट्रेनिंग देगा, जबकि रिलायंस महाराष्ट्र, गुजरात और आंध्र प्रदेश में रिन्यूएबल एनर्जी, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, रिटेल और पेट्रोकेमिकल सेक्टर में युवाओं को प्रशिक्षित करेगा। इस पहल से न केवल युवाओं को रोजगार मिलेगा, बल्कि देश के औद्योगिक विकास को भी नई गति मिलेगी।

अमेरिका-जापान के बीच ऐतिहासिक व्यापार समझौता

वाशिंगटन। अमेरिका और जापान के बीच एक बड़ा व्यापार समझौता हुआ है, जिसकी घोषणा अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को की। इस समझौते के तहत जापान से अमेरिका में आने वाले सामानों पर अब 15 प्रतिशत टैक्स लगाया जाएगा। इससे पहले ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि अगर 1 अगस्त तक समझौता नहीं हुआ, तो यह टैक्स 25 प्रतिशत तक बढ़ा दिया जाएगा। समझौते के अनुसार, जापान अमेरिका में 550 अरब

डॉलर का भारी-भरकम निवेश करेगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म Truth Social पर इस समझौते को इतिहास का सबसे बड़ा करार दिया। उन्होंने यह भी दावा किया कि इस निवेश से होने वाले 90 प्रतिशत मुनाफे पर अमेरिका का अधिकार होगा और इससे लाखों नई नौकरियाँ उत्पन्न होंगी। इसके साथ ही जापान अब अमेरिकी कारों, ट्रकों, चावल और अन्य कृषि उत्पादों के लिए अपने बाजार के द्वार खोलेगा। ट्रंप ने बताया कि यह समझौता अमेरिका के वैश्विक व्यापारिक हितों को मजबूत करेगा और घरेलू उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ाएगा। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने समझौते पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें इसकी विस्तृत जानकारी लेकर समीक्षा करनी होगी। यह समझौता ऐसे समय हुआ है जब जापान की सत्ताधारी पार्टी ने हालिया चुनावों में ऊपरी सदन में बहुमत खो दिया है। इससे पहले ट्रंप ने फिलीपींस और इंडोनेशिया के साथ भी व्यापारिक समझौते किए, जहां फिलीपींस पर 19 फीसदी टैक्स तय किया गया, जबकि अमेरिकी सामानों पर कोई टैक्स नहीं लगाया गया। यह समझौता अमेरिका की आक्रामक व्यापार नीति का हिस्सा माना जा रहा है।

सावन मास में कोटेश्वर धाम में भक्ति का अनुपम उत्सव-बोल बम और जय सियाराम की गूंज से शिवमय हुआ लांजी नगर

लांजी (पद्मेश न्यूज)। सावन मास हिंदू धर्म में भगवान शिव की भक्ति और साधना का विशेष पर्व माना जाता है। यह महीना शिव भक्तों के लिए आध्यात्मिक उल्लास, उपवास और धार्मिक अनुष्ठानों का समय होता है। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले की धर्मनगरी लांजी में स्थित कोटेश्वर धाम इस दौरान भक्ति और आस्था का एक अनुपम केंद्र बन जाता है। 12वीं शताब्दी में निर्मित यह प्राचीन मंदिर अपनी उत्कृष्ट वास्तुकला, प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक महत्व के लिए विख्यात है। सावन मास और महाशिवरात्रि के अवसर पर यहां भक्तों का उत्साह चरम पर होता है, और मंदिर परिसर भक्ति के रंग में रंग जाता है।

कोटेश्वर धाम में भक्ति का उत्सव

सावन मास में कोटेश्वर धाम में भक्ति का अनुपम माहौल देखने को मिलता है। चारों ओर बोल बम और हर-हर महादेव के जयकारे गूंजते हैं, जो पूरे वातावरण को शिवमय बना देते हैं। इस दौरान मंदिर में कई धार्मिक आयोजन होते हैं, जिनमें कांवड़ यात्रा, जलाभिषेक, पार्थिव शिवलिंग निर्माण, धुनी दरबार में हवन-पूजन और भंडारा जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। ये आयोजन मंदिर परिसर को मेले-से उत्सव में बदल देते हैं।

कांवड़ यात्रा

कांवड़ यात्रा सावन मास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। भक्त पवित्र नदियों जैसे चैरी, सोन, देव, बाघ व वैनगंगा या अन्य जलस्त्रोतों से जल लेकर पैदल यात्रा करते हुए कोटेश्वर धाम पहुंचते हैं और भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। मंदिर में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें लग जाती हैं, जो शिवलिंग पर जल, बेलपत्र, धतूरा, भांग और अन्य पूजन सामग्री अर्पित करते हैं। मान्यता है कि कोटेश्वर धाम के शिवलिंग में दिव्य शक्तियां हैं, और सच्चे मन से पूजा करने वाले भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

विविध धार्मिक आयोजन

सावन मास के प्रत्येक सोमवार को कोटेश्वर धाम में विशेष पूजा-अर्चना और भंडारे का आयोजन किया जाता है। भक्त अपनी मन्नतें पूरी होने पर कथा, अभिषेक और प्रसाद वितरण जैसे कार्य करते हैं। मंदिर परिसर में पार्थिव शिवलिंग निर्माण का विशेष महत्व है, जिसमें भक्त मिट्टी से शिवलिंग बनाकर उसकी पूजा करते हैं। धुनी दरबार में हवन-पूजन का आयोजन भी भक्तों के बीच आकर्षण का केंद्र होता है। ये सभी अनुष्ठान मंदिर के आध्यात्मिक वातावरण को और अधिक भक्तिमय बनाते हैं। इसके अलावा, सावन शिवरात्रि के अवसर पर कोटेश्वर धाम में विशेष उत्सव मनाया जाता है। इस दिन भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ती है, और मंदिर परिसर 卐बोल बम卐 के जयकारों से गूंज उठता है। प्रशासन द्वारा भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाते हैं, ताकि भक्तों को किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े।

राम नाम की गूंज-अखंड रामायण पाठ

इस वर्ष कोटेश्वर धाम में एकल संच खण्ड लांजी द्वारा 30 दिवसीय अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का आयोजन किया गया है। यह पाठ 11 जुलाई से शुरू होकर 10 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान मंदिर परिसर में राम नाम की गूंज सुनाई देती है, और भक्त जय सियाराम कहकर एक-दूसरे का अभिवादन करते हैं। देश के विभिन्न हिस्सों, विशेष रूप से प्रदेश के साथ ही महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ से आए भक्त इस संगीतमय पाठ में शामिल हो रहे हैं। यह आयोजन न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि भक्तों के बीच एकता और समरसता का संदेश भी देता है। जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता भी इस आयोजन में हिस्सा लेकर बाबा कोटेश्वर नाथ के दर्शन करते हैं और खुद को धन्य मानते हैं।

पुराने राम मंदिर में मास पारायण

लांजी के पुराने श्रीराम मंदिर में भी सावन मास के दौरान श्रीरामचरितमानस का मास पारायण आयोजित किया जा रहा है। यह पाठ प्रतिदिन सुबह 7ः30 बजे से सवा घंटे तक होता है। मंदिर के महंत लक्ष्मीनारायण वैष्णव ने बताया कि 11 जुलाई से शुरू हुआ यह पाठ रक्षाबंधन के दिन 9 अगस्त को समाप्त होगा। इस दौरान भक्तजन उत्साहपूर्वक पाठ में शामिल हो रहे हैं और राम भक्ति में लीन हो रहे हैं। इस आयोजन से मंदिर का वातावरण राममय हो गया है, और भक्तों के बीच आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हो रहा है।

कोटेश्वर धाम का ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व

कोटेश्वर धाम मंदिर, जो 12वीं शताब्दी में निर्मित हुआ, अपनी ऐतिहासिक और आध्यात्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। यह मंदिर हरे-भरे जंगलों और प्राकृतिक जलस्त्रोतों के बीच स्थित है, जो इसे एक आदर्श ध्यान स्थल बनाता है। मंदिर की वास्तुकला अपने आप में अनूठी है, जिसमें प्राचीन भारतीय शिल्पकला की झलक देखने को मिलती है। भक्तों का मानना है कि यहां के शिवलिंग में विशेष दैवीय शक्तियां हैं, जो सच्चे मन से की गई प्रार्थनाओं को स्वीकार करती हैं। सावन मास के दौरान कोटेश्वर धाम में होने वाले धार्मिक आयोजनों में न केवल स्थानीय लोग, बल्कि दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालु भी हिस्सा लेते हैं। महाशिवरात्रि और सावन मास में यहां विशाल मेले का आयोजन होता है, जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम, भक्ति संगीत और धार्मिक अनुष्ठान शामिल होते हैं। यह मेला भक्तों के लिए एक सामाजिक और आध्यात्मिक मिलन का अवसर प्रदान करता है।

प्रशासनिक व्यवस्था और सुरक्षा

सावन मास के दौरान कोटेश्वर धाम में भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन द्वारा सुरक्षा और सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किए जाते हैं। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस और अन्य सुरक्षा बल तैनात रहते हैं। कांवड़ यात्रियों के लिए विश्राम स्थल, पेयजल और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। इसके अलावा, मंदिर में जलाभिषेक और दर्शन के लिए व्यवस्थित कतार प्रणाली लागू की जाती है, ताकि भक्तों को सुगमता से दर्शन का अवसर मिल सके।

भक्तों की आस्था और उत्साह

सावन मास में कोटेश्वर धाम में भक्तों का उत्साह देखते ही बनता है। सुबह से देर रात तक मंदिर परिसर भक्तों की भीड़ से भरा रहता है। कांवड़िए पवित्र जल लेकर मीलों की यात्रा तय करते हैं और भगवान शिव को जल अर्पित करते हैं। भक्तों का मानना है कि सावन के सोमवार को व्रत रखने और शिवलिंग की पूजा करने से जीवन के सभी कष्ट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इसके अलावा, मंदिर में होने वाले भंडारे में सभी भक्तों को प्रसाद वितरित किया जाता है, जो सामाजिक समरसता का प्रतीक है। भक्त एक-दूसरे के साथ भक्ति और उत्साह साझा करते हैं, जिससे मंदिर का वातावरण और भी जीवंत हो जाता है।

श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज में विकसित मध्यप्रदेश 2047 के तहत रोजगार आधारित शिक्षा पर राष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

लांजी (पद्मेश न्यूज)। श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, लांजी में 23 जुलाई को मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित विकसित मध्यप्रदेश 2047 रोजगार आधारित शिक्षा - रुझान और नए अवसर% विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे हॉल से सीधे प्रसारण के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष सच्चिदानंद जोशी, निदेशक अंतर विश्वविद्यालय नई दिल्ली प्रो. सी.पी. पांडे, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा विभाग अनुपम राजन, अध्यक्ष निजी विश्वविद्यालय आयोग मध्यप्रदेश डॉ. भरत शरण सिंह सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने संबोधन में नई शिक्षा नीति 2020 के तहत रोजगार और उद्यम क्रांति योजना को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि एन ई पी 2020 के पाठ्यक्रम में युवाओं के लिए कंप्यूटर, ग्रीन एनर्जी, बायोटेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग और कृषि जैसे क्षेत्रों में व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि शिक्षा समाज की रीढ़ है, जो समय के साथ तालमेल, नवाचार और नए अवसरों का लाभ उठाने में व्यक्ति, समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाती है। उन्होंने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालयों को स्थानीय उद्योगों, सामाजिक आवश्यकताओं और क्षेत्रीय संभावनाओं को ध्यान में रखकर पाठ्यक्रम तैयार करना चाहिए, ताकि युवा न केवल रोजगार प्राप्त करें, बल्कि आत्मनिर्भर भी बनें। इस कार्यशाला के सीधे प्रसारण में कॉलेज के प्राचार्य, शैक्षणिक व अशैक्षणिक कर्मचारी और छात्र-छात्राएं शामिल रहे। यह आयोजन युवाओं को रोजगारपरक शिक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करने में महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

लांजी क्षेत्र की प्रतिभा जिज्ञांश अरुण कालबेले ने किक बॉक्सिंग में लहराया परचम

लांजी (पद्मेश न्यूज)। मध्य प्रदेश के अंतिम छोर पर बसा लांजी क्षेत्र, अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभाओं के लिए भी जाना जाता है। शिक्षा, खेलकूद, कला और अन्य क्षेत्रों में लांजी की प्रतिभाओं ने समय-समय पर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। इसी कड़ी में लांजी क्षेत्र के दिघोरी गांव का होनहार छात्र जो वर्तमान में रीजनल कॉलेज परिसर, भोपाल के डेमोन्स्ट्रेशन मल्टीपर्पज स्कूल में चौथी कक्षा में पढ़ रहे छात्र जिज्ञांश अरुण कालबेले ने हाल ही में इंदौर में आयोजित राज्य स्तरीय किक बॉक्सिंग स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया और गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इस उपलब्धि ने न केवल लांजी क्षेत्र, बल्कि पूरे मध्य प्रदेश को गौरवान्वित किया है।

राज्य स्तरीय किक बॉक्सिंग स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन

इंदौर में 12 से 13 जुलाई 2025 को आयोजित इस प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए 250 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इस स्पर्धा में कुल सात प्रकार के इवेंट्स रखे गए थे, जिनमें प्रतिभागियों ने अपनी ताकत, तकनीक और कौशल का प्रदर्शन किया। इनमें से केवल 24 खिलाड़ियों ने पदक जीतने में सफलता प्राप्त की, और जिज्ञांश अरुण कालबेले ने अपनी श्रेणी में प्रथम स्थान हासिल कर गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल उनके कौशल को उजागर किया, बल्कि यह भी साबित किया कि छोटे से गांव से निकलकर भी राष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाई जा सकती है।

राष्ट्रीय स्तर के लिए चयन

जिज्ञांश की इस शानदार जीत ने उन्हें एक और बड़े मंच पर प्रदर्शन करने का अवसर दिलाया है। उन्हें 27 से 31 अगस्त 2025 तक चेन्नई में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय स्तर के किक बॉक्सिंग टूर्नामेंट के लिए चुना गया है। यह टूर्नामेंट देश भर के बेहतरीन किक बॉक्सिंग खिलाड़ियों को एक मंच पर लाएगा, जहां जिज्ञांश अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे और लांजी क्षेत्र का नाम और ऊंचा करने की कोशिश करेंगे।

प्रतिभा और समर्पण का प्रतीक

जिज्ञांश अरुण कालबेले की इस सफलता के पीछे उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण है। दिघोरी जैसे छोटे से गांव से आने वाले इस 8 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने दम पर यह मुकाम हासिल किया है। किक बॉक्सिंग जैसे चुनौतीपूर्ण खेल में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए न केवल शारीरिक बल, बल्कि मानसिक दृढ़ता और तकनीकी कुशलता की भी आवश्यकता होती है। जिज्ञांश ने इन सभी गुणों का शानदार प्रदर्शन किया और अपनी प्रतिभा को साबित किया।

लांजीः प्रतिभाओं का गढ़

लांजी क्षेत्र लंबे समय से अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है, लेकिन अब यह क्षेत्र खेल और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में भी अपनी पहचान बना रहा है। जिज्ञांश जैसे युवा इस बात का जीवंत उदाहरण हैं कि मेहनत और लगन से किसी भी क्षेत्र में शिखर तक पहुंचा जा सकता है। उनकी यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार और गांव, बल्कि पूरे लांजी क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है।

आगे की राह

चेन्नई में होने वाले राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग टूर्नामेंट में जिज्ञांश अरुण कालबेले से सभी को बड़ी उम्मीदें हैं। यह टूर्नामेंट उनके लिए एक बड़ा अवसर है, जहां वे देश के शीर्ष खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे। क्षेत्रवासियों का मानना है कि जिज्ञांश अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर इस मंच पर भी शानदार प्रदर्शन करेंगे और लांजी का नाम और ऊंचा करेंगे।

क्षेत्र में खाद संकट से किसानों को हो रही परेशानी

समय पर खाद न मिलने से फसलों को होगा नुकसान

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्र के अधिकांश किसान अपनी आजीविका के लिए खेती पर निर्भर हैं, लेकिन समय पर यूरिया, डीएपी और अन्य रासायनिक खाद की कमी ने उनकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। धान की रोपाई कर चुके किसानों को फसलों के लिए खाद की तत्काल जरूरत है। हालांकि, सहकारी विपणन मर्यादित केंद्र (डबल लॉक) पर खाद की आपूर्ति रकबे के आधार पर नहीं हो रही, जिससे किसान बार-बार चक्कर काटने को मजबूर हैं। 22 जुलाई को केंद्र पर पहुंचे किसानों ने बताया कि एक एकड़ वाले किसान को भी केवल एक बोरी खाद दी जा रही है, और 10 एकड़ वाले को भी यही स्थिति है। धान रोपाई के 20-25 दिन बाद फसलों को खाद की जरूरत है, लेकिन समय पर खाद न मिलने से फसल खराब होने का खतरा बढ़ गया है। किसानों ने सरकार से मांग की है कि खाद की नियमित और पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि उन्हें निजी दुकानों पर अधिक कीमत चुकाने की नौबत न आए।

निजी दुकानदारों की मनमानी, कोई सुनवाई नहीं किसानों का कहना है कि न अधिकारी और न ही जनप्रतिनिधि उनकी समस्याओं पर ध्यान दे रहे हैं। शासकीय केंद्रों पर खाद न मिलने पर निजी दुकानों का सहारा लेना पड़ता है, जहां खाद की तय कीमत से ज्यादा वसूली होती है। इसके अलावा, दुकानदार खाद के साथ अन्य दवाएं और रासायनिक पदार्थ खरीदने की शर्त रखते हैं। किसानों ने शिकायत की कि इसकी जानकारी अधिकारियों को दी गई, लेकिन कोई जांच या कार्रवाई नहीं हुई। किसानों ने मांग की है कि निजी दुकानदारों की मनमानी की जांच हो और दोषियों का खाद बिक्री लाइसेंस रद्द किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी को गलत कार्यों की जानकारी है, फिर भी कोई कदम नहीं उठाया जाता, जिससे केवल किसानों का नुकसान हो रहा है। किसानों ने सरकार से अपील की है कि खाद की समय पर और पर्याप्त आपूर्ति की व्यवस्था की जाए, ताकि फसलें सुरक्षित रहें और उन्हें निजी दुकानों पर लूट का शिकार न होना पड़े।

सांदीपनि विद्यालय बोलेगांव में शिविर लगाकर की छात्र छात्राओं के नेत्र की जांच

लांजी (पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र के अधिकांश शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में समय समय पर स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन कर छात्र छात्राओं का बेहतर स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है। जिससें छात्र छात्राओं में वर्तमान कोई बिमारियॉ आदि है तो उनका पता लगा कर जांच किया जाये। वैसे भी बारिश के दौर में छोटे बच्चे अनेको बिमरियों की चपेट मे आ जाते है। जहां शिविरों के माध्यम से उनका परीक्षण कर बिमारियों को दूर किया जा सकता है। इसी कड़ी में सांदीपनि शासकीय विद्यालय बोलेगांव में 23 जुलाई को प्रातः 10ः30 बजे से नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। जहां सिविल अस्पताल लांजी के बीएमओ डॉ अक्षय उपराड़े के मार्गदशन में डॉ सारिका सिंह नेत्र सलाहकार के द्वारा विद्यालय पहुंचकर छात्र छात्राओं की जांच की। विद्यालय के प्राचार्य बी आर गुरदे की प्रमुख उपस्थित लगभग 395 बच्चों में से 131 बच्चों के आंखों की जांच की गई। नेत्र सहायक डॉ सारिका के द्वारा बच्चों को बताया गया कि वर्तमान बारिश के दौर आपको आंखो के लिये किन किन बातों का ध्यान रखना है। नेत्र जांच के दौरान 131 छात्रों में से 24 छात्र ऐसे है जिन्हे शासन की योजना अनुसार निःशुल्क चश्मा वितरण किया जायेगा। इस दौरान विद्यालय के प्राचार्य बी आर गुरदे सहित समस्त शिक्षक शिक्षिकाऐं एवं कार्यालयीन स्टॉफ उपस्थित रहा।

निर्माण इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर टेक्नोलॉजी का परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

लांजी (पद्मेश न्यूज)। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल से मान्यता प्राप्त निर्माण इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर टेक्नोलॉजी, लांजी ने सत्र जुलाई 2024-25 और जनवरी 2025-26 के डीसीए और पीजीडीसीए के प्रथम और द्वितीय सेमेस्टर के डिप्लोमा कोर्स में 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम हासिल किया है। संस्थान के डायरेक्टर प्रणय कुमार ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि निर्माण इंस्टीट्यूट शुरू से ही गुणवत्तापूर्ण व्यवसायिक शिक्षा और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान देता रहा है। उन्होंने सभी सफल छात्रों को बधाई दी और कहा कि उनकी मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन से यह शानदार सफलता प्राप्त हुई है। उन्होंने छात्रों को भविष्य में भी कड़ी मेहनत जारी रखने और विश्वविद्यालय के टॉप 10 में स्थान बनाने के लिए प्रेरित किया। संस्थान के सभी शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर खुशी जताई और उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस उपलब्धि पर लांजी के विधायक राजकुमार करांहे, शासकीय महाविद्यालय लांजी के प्राचार्य रेवाराम सोनवाने, भूतपूर्व वायुसैनिक राजेंद्र रामटेककर, नगर परिषद लांजी के उपाध्यक्ष संदीप रामटेककर और क्षेत्र के प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता विशाल खोंगल ने संस्थान को बधाई दी। उन्होंने कहा, यह एक शानदार उपलब्धि है, जो संस्थान की कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

विधानसभा के मानसून सत्र की तैयारियां तेज, 12 दिनों में होंगी 10 बैठकें, सदन में हंगामें के आसार

कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार पर मचेगा घमासान

भोपाल । मप्र विधानसभा का मानसून सत्र 28 जुलाई से प्रारंभ होने जा रहा है, जो 8 अगस्त तक चलेगा। इस 12 दिवसीय सत्र के दौरान कुल 10 बैठकें आयोजित की जाएंगी। सत्र में 2 अगस्त (शनिवार) और 3 अगस्त (रविवार) को अवकाश रहेगा। झमाझम बारिश के बीच होने वाले विधानसभा सत्र के दौरान सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच हंगामें के आसार हैं। दरअसल, कांग्रेस कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाकर सरकार को घेरने की तैयारी कर रही है। वहीं सत्तापक्ष भी विपक्ष के हर आरोप का जवाब देने को तैयार है।

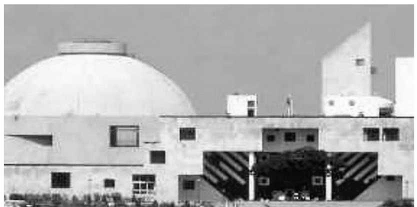

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि यह सत्र प्रदेश के हित में बेहद उपयोगी और सार्थक रहेगा। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से लाए गए विधेयकों पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा और पक्ष-विपक्ष दोनों मिलकर राज्य के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करेंगे। तोमर ने कहा कि हमारा प्रयास है कि सभी दल सदन की गरिमा बनाए रखते हुए रचनात्मक बहस करें। इससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया और मजबूत होगी।

अनुपूरक बजट पेश होगा

विधानसभा के मानसून सत्र में मोहन सरकार अनुपूरक बजट पेश करेगी। सरकार ने तय किया है कि बजट में केवल जनहित से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। वहीं, अनावश्यक खर्चों पर सख्ती बरती जाएगी। वित्त विभाग ने सभी विभागों से साफ कह दिया है कि अफसरों के लिए वाहन जैसी फिजूलखर्ची संबंधी प्रस्ताव न भेजें। इस सप्लीमेंट्री बजट में जनता से जुड़े कार्यों के लिए अतिरिक्त राशि का प्रावधान किया जाएगा, ताकि विकास योजनाएं रुकें नहीं और प्रदेश के हित में प्रभावी क्रियान्वयन हो सके।

विधायक ने सरकार से पूछे 3377 सवाल

विधानसभा के मानसून सत्र के लिए पक्ष-विपक्ष के विधायकों की ओर से कुल 3377 प्रश्न सरकार से पूछे गए हैं। इनमें 1718 तारांकित एवं 1659 प्रश्न अतारांकित प्रश्न शामिल हैं। कई विधायक ऐसे भी हैं, जिन्होंने सत्र के लिए निर्धारित अधिकतम सभी 40 प्रश्न लगाए हैं, जबकि कुछ ऐसे भी हैं, जिन्होंने इस सत्र में एक भी सवाल नहीं लगाया है। विपक्ष के कुछ विधायकों के पास प्रश्नों की इतनी लम्बी सूची थी कि उन्हें सूची से 40 प्रश्नों की छटनी करनी पड़ी। उल्लेखनीय है कि विधानसभा के किसी भी सत्र की घोषणा के बाद विधानसभा से ही विधानसभा सचिवालय विधायकों को सूचना भेजकर ऑनलाइन और ऑफलाइन प्रश्न आमंत्रित करता है। विधानसभा के किसी भी सदस्य द्वारा किस विभाग से संबंधित प्रश्न किन-किन तिथियों में लगाया जा सकेगा। विधानसभा के माध्यम से उस प्रश्न के उत्तर किस दिन प्राप्त हो सकेगा। सभी तिथियां पूर्व निर्धारित होती हैं। इसी क्रम में आगामी मानसून सत्र के लिए भी विभागवार तिथियों तय की गईं थी। विगत 11 जुलाई तक प्रश्न लगाने की अंतिम तिथि थी। हर दिन के लिए प्रत्येक विधायक को अधिकतम चार प्रश्न लगाने थे, जिसमें दो तारांकित और दो अतारांकित शामिल थे।

इन विधायकों ने लगाए सबसे ज्यादा प्रश्न

विधानसभा के 10 दिवसीय मानसून सत्र के दौरान हर दिन के हिसाब से सभी 4 प्रश्न (दो तारांकित-दो अतारांकित) लगाने वाले विधायकों में भाजपा, कांग्रेस और भाजपा विधायक भी शामिल हैं। जिन्होंने सभी 40 प्रश्न पूछे हैं, उनमें कांग्रेस के जौरा विधायक पंकज उपाध्याय, उप नेता प्रतिपक्ष अटेर विधायक हेमंत सत्यदेव कटारे, राघौगढ़ विधायक जयवर्दधन सिंह, भोपाल-उत्तर विधायक आतिफ अकील, भारतीय आदिवासी पार्टी के सैलाना से विधायक कमलेश्वर डोडियार और भाजपा के जाबरा से विधायक डॉ. राजेन्द्र पाण्डेय और नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार शामिल हैं।

इन्होंने नहीं लगाया एक भी प्रश्न

कई ऐसे भी विधायक हैं, जिन्होंने इस बार मानसून सत्र के दौरान एक भी प्रश्न नहीं लगाया है। इनमें कांग्रेस के एक मात्र बड़वाह विधायक सचिन बिड़ला (भाजपा समर्थित) शामिल हैं। शेष सभी भाजपा विधायक हैं। भाजपा विधायकों में जावद विधायक ओमप्रकाश सखलेचा, महू विधायक ऊषा ठाकुर, इंदौर-2 से विधायक रमेश मेंदोला, महेश्वर विधायक राजकुमार मेव, ग्यारसपुर विधायक हरीसिंह रघुवंशी, बरघाट विधायक कमल मर्सकोले और जयसिंह नगर विधायक मनीषा सिंह शामिल हैं।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की नवीन पदस्थापना

भोपाल। राज्य शासन द्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा के निम्नांकित अधिकारियों को अस्थाई रुप से आगामी आदेश तक स्थानापन्न रुप से पदस्थ किया गया है -

के. सी गुप्ता को राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव, राजभवन, भोपाल से अपर मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन, कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग। डॉ. नवनीत मोहन कोठारी को प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश शासन, पर्यावरण विभाग एवं पर्यावरण आयुक्त तथा महानिदेशक, इप्को (अतिरिक्त प्रभार) से राज्यपाल के पुमुख सचिव, राजभवन, भोपाल पदस्थ किया गया है।

अतिरिक्त प्रभार :-

अशोक वर्णवाल, अपर मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन, वन विभाग तथा कृषि उत्पादन आयुक्त, मध्यप्रदेश (अतिरिक्त प्रभार) को अपने वर्तमान कर्तव्यों के साथ - साथ अस्थाई रुप से आगामी आदेश तक मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन, पर्यावरण विभाग एवं पर्यावरण आयुक्त तथा महानिदेशक, एप्को का प्रभार अतिरिक्त रुप से सौंपा गया है।

चन्द्रमौली शुक्ला, प्रबंध संचालक, एम.पी. इण्डस्ट्रियल डेपलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड एवं प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश स्टेट इण्डस्ट्रियल डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड, भोपाल तथा आयुक्त विमानन (अतिरिक्त प्रभार) को अपने वर्तमान कर्वव्यों के साथ - साथ अस्थाई रुप से आगामी आदेश तक अपर सचिव, मुख्यमंत्री का प्रभार अतिरिक्त रुप से सौंपा गया है।

दीपक आर्य, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, भोपाल को अपने वर्तमान कर्तव्यों के साथ - साथ अस्थाई रुप से आगामी आदेश तक कार्यपालन संचालक, पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन (एप्को), भोपाल का प्रभार अतिरिक्त रुप से सौंपा गया है।

भारी पड़ा विवाद-नवनीत कोठारी भेजे गए राजभवन

भोपाल। स्टेट एन्वायरनमेंट इम्पैक्ट असेसमेंट अथॉरिटी (सिया) के चेयरमैन व अफसरों के बीच हुए विवाद के बाद आखिरकार पर्यावरण विभाग के प्रमुख सचिव नवनीत एम कोठारी को हटाकर राजभवन भेज दिया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार नवनीत मोहन कोठारी को अब राज्यपाल के प्रमुख सचिव का दायित्व दिया गया है। इधर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव केसी गुप्ता को राजभवन से हटाकर कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग का अपर मुख्य सचिव बनाया गया है।

वहीं सिया के चेयरमैन से विवाद के कारण एप्को की कार्यपालन संचालक उमा माहेश्वरी आर को भी हटा दिया गया है। इसके अलावा कई आईएएस अफसरों को अतिरिक्त प्रभार सौंपे गए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश में अपर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल को अपने पूर्व की जिम्मेदारियों के साथ अपर मुख्य सचिव पर्यावरण विभाग, पर्यावरण आयुक्त और महानिदेशक एप्को का भी अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। चंद्रमौलि शुक्ला को वर्तमान दायित्वों के साथ अपर सचिव मुख्यमंत्री का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। दीपक आर्य को ग्रामीण सडक़ विकास प्राधिकरण के सीईओ के साथ कार्यपालन संचालक पर्यावरण नियोजन और समन्वय संगठन एप्को का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। अपर मुख्य सचिव केसी गुप्ता के कुटीर और ग्रामोद्योग का चार्ज लेने के बाद अमित राठौर प्रमुख सचिव वाणिज्यिक कर कुटीर व ग्रामोद्योग के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त होंगे। उमा माहेश्वरी आर अब सिर्फ ओएसडी सह संचालक भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी की जिम्मेदारी संभालेंगी, दीपक आर्य के चार्ज लेने के साथ वे कार्यपालन संचालक पर्यावरण नियोजन और समन्वय संगठन की जिम्मेदारी से मुक्त होंगी।

प्रमोशन प्रक्रिया को लेकर असमंजस में विभाग

न हाईकोर्ट का स्टे आदेश मिला, न शासन से कोई निर्देश पहुंचे

भोपाल। प्रदेश सरकार ने 9 साल से बंद पदोन्नति प्रक्रिया को जिस तेजी के साथ शुरू किया था। उच्च न्यायालय में 'पदोन्नति नियम 2025' के खिलाफ याचिकाएं लगने के बाद पदोन्नति की प्रक्रिया उसी तेजी के साथ ठप पड़ गई है। पदोन्नति नियम पर उच्च न्यायालय से रोक लगने के बाद विभागों को न तो न्यायालय का कोई स्थगन आदेश मिला है और न ही सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से कोई निर्देश जारी किए हैं। ऐसे में विभाग पदोन्नति प्रक्रिया को लेकर असमंजस की स्थिति में हैं। क्योंकि सामान्य प्रशासन विभाग ने 31 जुलाई तक पदोन्नति की प्रक्रिया को पूरी करने के निर्देश दिए थे।

राज्य शासन ने पिछले महीने 19 जून को पदोन्नति नियम 2025 को लेकर अधिसूचना जारी की थी। इसके बाद सभी विभागों को निर्देश जारी एि गए थे कि 31 जुलाई तक पदोन्नति की प्रक्रिया पूरी कर ली जाए। कुछ विभाग और निगमों में पदोन्नति नियम 2025 के तहत कुछ अधिकारी एवं कर्मचारियों को पदोन्नत करते हुए आदेश भी जारी कर दिए थे। इस बीच जुलाई महीने के शुरूआत में ही ऊर्जा विभाग एवं पशुपालन पालन विभाग के कर्मचारियों ने पदोन्नति नियम 2025 के खिलाफ उच्च न्यायालय में चुनौती दी। जिस पर न्यायालय ने 7 जुलाई को सुनवाई करते हुए सरकार से पदोन्नति नियम 2002 और पदोन्नति नियम 2025 के बीच भिन्नता के बारे में पूछा। सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया। इस वजह से न्यायालय ने 15 जुलाई की सुनवाई में दोनों नियमों में भिन्नता से जुड़े तथ्य प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही पदोन्नति नियम के तहत पदोन्नति पर भी रोक लगा दी थी। 15 जुलाई को उच्च न्यायालय में सुनवाई टल गई। अभी तक पदोन्नति नियम पर सुनवाई की तिथि तय नहीं हो पाई है। हालांकि इस बीच सामान्य प्रशासन विभाग ने विभागों को पदोन्नति के संबंध में कोई भी निर्देश नहीं दिए हैं। ऐसे में विभाग प्रमुख इस बात को लेकर पशोपेश में हैं कि पदोन्नति प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाए या नहीं। क्योंकि शासन के निर्देशानुसार पदोन्नति प्रक्रिया की तिथि 31 जुलाई निर्धारित है।

कर्मचारी संगठनों में सन्नाटा

पदोन्नति का मामाल पहले से ही न्यायालय में 9 साल से लंबित था। सर्वोच्च न्यायालय की व्यवस्था के परिपालन में सरकार ने पदोन्नति का रास्ता निकाला। लेकिन पदोन्नति में आरक्षण देने की वजह से एक बार फिर मामला न्यायालय में पहुंच गया है। हालांकि नए नियमों पर न्यायालयीन रोक के बीच पदोन्नति मामले में कर्मचारी संगठनों में भी सन्नाटा है। किसी भी संगठन ने इस मामले में चुप्पी नहीं तोड़ी है। एक कर्मचारी संगठन के नेता ने बताया (नाम नहीं छापने की शर्त पर) कि नए नियम को न्यायालय में अटकाना भी एक प्रशासनिक अधिकारियों की रणनीति हो सकती है।

सरकार कर चुकी है जबाव देने की तैयारी

हाईकोर्ट न्यायालय ने सरकार ने पदोन्नति नियम 2002 और पदोन्नति नियम 2025 के बीच भिन्नता से जुड़ी जानकारी मांगी थी। इसके बाद मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक में पदोन्नति से जुड़े दोनों नियमों की भिन्नता पर चर्चा हो चुकी है। सरकार उच्च न्यायालय में प्रस्तुत करने के लिए जवाब भी तैयार कर चुकी है। अगली सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से इसे रखा जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग के सूत्रों ने बताया कि पदोन्नति से जुड़े मामले को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के सामने रखा जाएगा। क्योंकि विदेश यात्रा पर होने की वजह से यह मामला अभी मुख्यमंत्री के संज्ञान में नहीं आया है।

सीबीएसई का नया नियम... अब स्कूलों में समोसा-पेस्ट्री खाने से पहले जाननी होगी तेल और चीनी की मात्रा!

भोपाल। अब छात्रों को स्कूल में मिलने वाले समोसे, पेस्ट्री, जूस या चाय के साथ यह जानकारी भी मिलेगी कि उनमें कितना तेल और शक्कर मिला है। सीबीएसई ने एक नया सर्कुलर जारी किया है, जिसमें सभी मान्यता प्राप्त स्कूलों को निर्देश दिए गए हैं कि कैंटीन, मेस या कैफेटेरिया में मिलने वाले खाद्य पदार्थों में प्रयुक्त ऑयल और शुगर की मात्रा बोर्ड पर स्पष्ट रूप से लिखी जाए।

यह निर्णय बच्चों में बढ़ती मोटापा, डायबिटीज और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को देखते हुए लिया गया है। सीबीएसई का मानना है कि यदि छात्र खुद यह जानेंगे कि वे क्या खा रहे हैं और उसमें कितनी कैलोरी, शुगर और फैट है, तो वे अपने खानपान को लेकर ज्यादा जागरूक होंगे।

स्कूलों में भी लागू होंगे नियम

प्रदेश के सभी सीबीएसई स्कूलों में अब कैंटीन के बाहर ऐसे बोर्ड लगाए जाएंगे, जिन पर हर स्नैक की पोषण जानकारी दी जाएगी। उदाहरण के लिए, यदि किसी समोसे का वजन 100 ग्राम है तो उसमें लगभग 28 ग्राम तेल होता है, जिससे लगभग 362 कैलोरी ऊर्जा मिलती है। इसी तरह एक 300 एमएल कोल्ड ड्रिंक में 32 ग्राम शक्कर और 132 कैलोरी पाई जाती है। चिकित्सकों का कहना है कि यह कदम खासतौर पर किशोरावस्था के छात्रों के लिए बेहद जरूरी है।

फर्जी पैरामेडिकल कॉलेजों पर हाई कोर्ट की नजर

-रजिस्ट्रार और चेयरमैन से हाई कोर्ट ने मांगा जवाब

भोपाल। मप्र का मेडिकल एजुकेशन सिस्टम संकट में है। नर्सिंग कॉलेजों के बाद अब पैरामेडिकल कॉलेजों में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। प्रदेश में करीब 250 पैरामेडिकल कॉलेज बिना किसी विश्वविद्यालय संबद्धता (एफिलिएशन) के पिछले दो साल से छात्रों को एडमिशन दे रहे हैं। सत्र 2023-24 और 2024-25 के लिए हजारों छात्रों को बिना मान्यता के दाखिला दिया गया, जो नियमों का खुला उल्लंघन है। हैरानी की बात यह है कि जिन पतों पर फर्जी नर्सिंग कॉलेज चल रहे थे, उसी जगह कुछ पैरामेडिकल कॉलेज भी संचालित हो रहे हैं।

मप्र मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी से सत्र 2023-24 के लिए एक भी पैरामेडिकल कॉलेज को संबद्धता नहीं मिली है, फिर भी ये कॉलेज अवैध रूप से पढ़ाई करा रहे हैं। यूनिवर्सिटी के एफिलिएशन पोर्टल खुलने पर इस घोटाले का पर्दाफाश हुआ। पैरामेडिकल काउंसिल की दोहरी नीति भी सवालों के घेरे में है। एक नियम में कॉलेजों को नए सत्र के लिए एडमिशन की अनुमति दी गई, जबकि दूसरे नियम में बिना एफिलिएशन के एडमिशन पर रोक की बात कही गई। न सिर्फ निजी, बल्कि सरकारी पैरामेडिकल कॉलेजों का भी यही हाल है। किसी भी सरकारी कॉलेज को सत्र 2023-24 की संबद्धता नहीं मिली, जबकि नियमों के तहत हर साल संबद्धता लेना अनिवार्य है।

हाईकोर्ट पहुंचा मामला

यह मामला अब मप्र हाईकोर्ट पहुंच चुका है। लॉ स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल बघेल ने इस फर्जीवाड़े के खिलाफ जनहित याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने पैरामेडिकल काउंसिल के चेयरमैन और रजिस्ट्रार को पक्षकार बनाते हुए जवाब तलब किया है। कोर्ट ने मान्यता और एडमिशन प्रक्रिया पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है, जो 24 जुलाई को नर्सिंग घोटाले के मामले के साथ होगी। इस पूरे मामले ने मध्य प्रदेश के मेडिकल एजुकेशन सिस्टम की पोल खोल दी है।

मप्र में तन्वी द ग्रेट टैक्स फ्री हुई

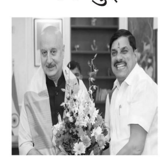

भोपाल। अभिनेता अनुपम खेर के निर्देशन में बनी फिल्म तन्वी द ग्रेट को मध्य प्रदेश सरकार ने टैक्स फ्री घोषित कर दिया है। यह घोषणा मुख्यमंत्री मोहन यादव ने फिल्म देखने के बाद की। अनुपम खेर, जो फिल्म में एक कलाकार भी हैं, ने सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री और राज्य सरकार के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। अनुपम खेर ने एक्स अकाउंट पर सीएम यादव के साथ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, आदरणीय मुख्यमंत्री यादव जी! आज भोपाल में पहले आपसे आपके निवास स्थान पर भेंट हुई ! उसके उपरांत ये हमारा सौभाग्य है कि आप हमारी फिल्म तन्वी द ग्रेट थिएटर में देखने आए! आपने न केवल हमारी फिल्म को सराहा बल्कि हमारी फिल्म के जज्बे को देखकर इसे टैक्स फ्री भी घोषित कर दिया! ये आपकी सामाजिक मुद्दों और सेना के प्रति विशेष भावना दर्शाता है। एक बार फिर आपका और आपके मंत्री मंडल और अन्य कर्मचारियों का हृदय से धन्यवाद! जय हिन्द!फिल्म में अनुपम खेर के अलावा जैकी श्रॉफ, अरविंद स्वामी, बोमन ईरानी, पल्लवी जोशी, करण टैकर और नासर जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

सात महीने बाद भी नहीं बनी पुलिसकर्मियों की सीआर

जिला इकाइयों में 15 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक गोपनीय चरित्रावली अभी भी अधूरी

भोपाल। मप्र में सुशासन को मजबूत बनाने के लिए सरकार ने सभी अधिकारियों-कर्मचारियों की वार्षिक गोपनीय चरित्रावली तैयार करने का निर्देश दिया है। इसमें पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी भी शामिल हैं। लेकिन विडंबना यह है कि निर्देश की समय सीमा समाप्त हुए सात महीने बीत गए हैं, लेकिन जिला इकाइयों में 15 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक गोपनीय चरित्रावली अभी भी अधूरी है। यह खुलासा तब हुआ जब पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) की प्रशासन शाखा ने पिछले महीने सभी पुलिस इकाइयों को अपने कर्मचारियों की 2023-24 की वार्षिक सीआर मुख्यालय भेजने के निर्देश दिए। इसके लिए सात दिन की समय सीमा तय की गई थी। जिला पुलिस बल और अन्य इकाइयों द्वारा कर्मचारियों की वार्षिक गोपनीय सीआर की जानकारी जुटाने पर सच्चाई सामने आई, जिससे पुलिस बल के आला अधिकारी भी हैरान रह गए।

गौरतलब है कि पुलिसकर्मियों की सीआर (कंडक्ट रोल या वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट) पुलिस विभाग द्वारा निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार तैयार की जाती है। यह एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है जो पुलिसकर्मी के प्रदर्शन, आचरण और सेवाकालीन गतिविधियों का रिकॉर्ड रखता है। सीआर को तैयार करने की प्रक्रिया में, पुलिसकर्मी के तत्काल वरिष्ठ अधिकारी द्वारा एक मसौदा तैयार किया जाता है, जिसे फिर उच्च अधिकारियों द्वारा समीक्षा और अनुमोदन किया जाता है। मप्र में लगभग 15,000 पुलिसकर्मियों की पिछले वर्ष 2023-24 की वार्षिक गोपनीय चरित्रावली (एसीआर) तय समय सीमा के सात महीने बाद भी पूरी नहीं हो पाई है। जिला इकाइयों में 15 प्रतिशत से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों की वार्षिक गोपनीय सीआर अभी भी अधूरी है। इनमें से अधिकांश आरक्षक से लेकर निरीक्षक स्तर के पुलिसकर्मी हैं। इस देरी का सीधा असर इन पुलिसकर्मियों की पदोन्नति पर पड़ सकता है।

चार अलग-अलग चरणों में लिखी जाती सीआर

राज्य सरकार सभी विभागों को वार्षिक गोपनीय सीआर के लिए एक रोस्टर जारी करती है। इस निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही सीआर चार अलग-अलग चरणों में लिखी जाती है। पिछले वर्ष इसके लिए 31 दिसंबर की अंतिम तिथि निर्धारित थी। सामान्यत: आरक्षक, प्रधान आरक्षक, सहायक उपनिरीक्षक, उपनिरीक्षक और निरीक्षक की वार्षिक गोपनीय सीआर उनकी तैनाती वाले जिलों में ही रखी जाती है और आवश्यकता पडऩे पर इसे पीएचक्यू भेजा जाता है। इस साल जब शासन ने विभागों में जारी कार्यवाहक प्रथा को बंद कर पदोन्नति देने की घोषणा की, तो पीएचक्यू ने सभी कर्मचारियों की सीआर भेजने को कहा। इसके बाद पता चला कि कई कर्मचारियों की सीआर अभी तक अधूरी है। इसका सबसे बड़ा कारण उनकी सीआर लिखने वाले अधिकारी का स्थानांतरण या सेवानिवृत्त हो जाना है। इसके अलावा, जिलों में तैनात आला अधिकारियों ने भी इस संबंध में अधिक रुचि नहीं दिखाई, जिसके कारण हजारों की संख्या में सीआर अभी भी लंबित हैं।

सीआर भेजने फिर दिया गया निर्देश

स्पेशल डीजी प्रशासन आदर्श कटियार का कहना है कि पिछले माह के अंत में सभी जिलों को निर्देश जारी कर एक सप्ताह में सीआर भेजने को कहा था। अधिकांश जिलों से सीआर नहीं मिलीं है। इनमें कुछ बाधाएं हैं। सभी इकाइयों को इसे ठीक कर जल्द सीआर भेजने को कहा गया है। उधर, पुलिस मुख्यालय से निर्देश मिलने के बाद अब जिला इकाइयों में कर्मचारियों की सीआर को पूरा करने का काम युद्ध स्तर पर जारी है। नियमानुसार सीआर के लिए आवेदक स्वयं अपना प्रपत्र भरता है। इसके बाद प्रतिवेदक अधिकारी इस बार पहली टिप्पणी दर्ज करता है। इस सीआर पर दूसरी टिप्पणी समीक्षक अधिकारी की होती है, जो प्रतिवेदक का वरिष्ठ होता है। इसके बाद चौथे चरण में सीआर स्वीकारकर्ता अधिकारी के पास जाती है। सीआर का एक अनिवार्य नियम है कि इस पर प्रतिवेदक, समीक्षक और स्वीकारकर्ता अधिकारी वहीं होने चाहिए, जिनके अधीन कर्मचारी या अधिकारी ने काम किया हो। अधिकांश मामलों में प्रतिवेदक, समीक्षक और स्वीकारकर्ता अधिकारियों का अन्य जिलों में स्थानांतरण ही गया है, जबकि कुछ सेवानिवृत्त हो गए हैं। अब जिला पुलिस की इकाइयों में पुलिस कर्मचारियों की आधी-अधूरी रखी वार्षिक गोपनीय सीआर उन अधिकारियों के पास भेजी जा रही है, जो अन्य जिलों में पदस्थ हो गए हैं। इसके अलावा, रिटायरमेंट के एक महीने तक अधिकारी सीआर पर टिप्पणी दे सकते हैं, इसलिए कुछ सीआर को ऐसे अफसरों के पास भी भेजा गया है जो एक माह पहले ही रिटायर हुए हों।

चौथा टेस्ट मैन चेस्टर

पंत-सुदर्शन खेल रहे; कप्तान गिल, जायसवाल और राहुल आउट हो चुके

मैनचेस्टर। भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में खेला जा रहा है। बुधवार को मुकाबले का पहला दिन है और तीसरे सेशन का खेल जारी है। भारत ने पहली पारी में 3 विकेट पर 179 रन बना लिए हैं। साई सुदर्शन और ऋषभ पंत नाबाद हैं।

टी-ब्रेक से पहले कप्तान शुभमन गिल 12 रन, यशस्वी जायसवाल 58 रन और केएल राहुल 46 रन बनाकर आउट हुए। बेन स्टोक्स, लियम डॉसन और क्रिस वोक्स को एक-एक विकेट मिले। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज भारत से टेस्ट डेब्यू कर रहे हैं। उन्हें पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दीप दासगुप्ता ने टेस्ट कैप पहनाई।

रोचक फैक्ट

मैनचेस्टर में 51 साल बाद किसी भारतीय ओपनर ने फिफ्टी लगाई है। यशस्वी जायसवाल (58 रन) से पहले सुनील गावस्कर (101 रन, 58 रन) ने 1974 में इंग्लैंड के खिलाफ अर्धशतक बनाया था।

केएल राहुल 46 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने इंग्लैंड में 1000 रन पूरे किए। वे ऐसा करने वाले 5वें भारतीय बैटर बने। उनसे पहले तेंदुलकर, द्रविड़, गावस्कर और कोहली ऐसा कर चुके हैं।

धीमी ओवर गति के नियम की समीक्षा करे आईसीसी - स्टोक्स

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के धीमी ओवर गति के नियम को गलत बताते हुए इसकी कड़ी आलोचना की है। स्टोक्स ने धीमी ओवर गति से संबंधी दस्तावेजों पर भी हस्ताक्षर नहीं किये हैं। भारत के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान भी उनकी टीम पर धीमी ओवर गति से जड़े नियम के कारण ही जुर्माना लगाया गया था। इसके अलावा उनके दो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) अंक भी काट लिए गये थे। इससे उसके कुल अंक कम होकर 22 रह गए हैं। इसके अलावा उसकी जीत का प्रतिशत भी कम हुआ है। स्टोक्स ने कहा कि आईसीसी को हालातों को देखते हुए ओवर गति के इन नियमों की समीक्षा करनी चाहिए। स्टोक्स ने कहा, "मैं इसी लिए इससे जूड़े फॉर्म पर हस्ताक्षर नहीं कर रहा हूं। ओवर रेट ऐसी चीज नहीं है जिसकी मुझे चिंता है पर इसका मतलब यह नहीं है कि मैं जानबूझकर गति धीमी से गेंदबाज कर रहा हूं। मैं इससे जुड़ी परेशानी को समझता हूं पर ये भी सही है कि इसके तरीके पर गंभीरता से विचार करना होगा।"

उन्होंने आगे कहा, "आप एक ही नियम एशिया और सभी जगहों के लिए नहीं रख सकते हैं। एशिया में स्पिन गेंदबाज लगभग 70 फीसदी ओवर फेंकते हैं। वहीं न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में 70-80 फीसदी ओवर तेज गेंदबाज डालते हैं। सभी जानते हैं कि स्पिनर को ओवर डालने में कम समय लगता है। ऐसे में विभिन्न महाद्वीपों में ओवर रेट का समय एक ही नहीं हो सकता।" स्टोक्स का कहना है कि कई बार खेल की गति धीमी करने की जरूरत होती है और इसका प्रभाव भी ओवर रेट पर भी पड़ता है। वह पहले भी ओवर रेट को लेकर आवाज उठा चुके हैं। एक बार फिर से उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि पिछले कुछ वर्षों से ओवर रेट में गिरावट आई है। मुझे हैरान है कि क्या यह रन गति के बढ़ने के कारण ऐसा हो रहा है। गेंद अक्सर बाउंड्री के पार जा रही है। इसमें जाहिर तौर पर काफी ज्यादा समय लगेगा।" स्टोक्स ने कहा कि स्पिन गेंदबाज के चोटिल होने से भी ओवर रेट का मामला गड़बड़ा जाता है।

अंशुल कंबोज ने डेब्यू किया

लंदन। युवा तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ आज से यहां ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में शुरु हुए चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच से अपना डेब्यू किया। पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दीप दासगुप्ता ने अंशुल कंबोज को टेस्ट कैप सौंपी। इसी के साथ ही अंशुल भारत के 318 टेस्ट खिलाड़ी बन गये। दाएं हाथ का ये तेज गेंदबाज कुछ ही दिन पहले इंग्लैंड पहुंचा था और अब उसे अंतिम ग्यारह में भी जगह मिल गई है। तेज गेंदबाज आकाश दीप और अर्शदीप सिंह के चोटिल होने के कारण अंशुल को इनके कवर के तौर पर भेजा गया था। कंबोज ने हाल ही में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैचों में भारत ए के लिए अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने नॉर्थम्पटन और कैंटरबरी में चार पारियों में 5 विकेट लिए। उससे भी वह नजरों में आये थे। अंशुल हरियाणा केदाएं हाथ के ऑलराउंडर हैं जो मध्यम गति की गेंदबाजी भी करते हैं। वह घरेलू क्रिकेट में हरियाणा के लिए खेलते हैं। वह आईपीएल में भी खेल चुके हैं। वर्तमान में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हैं जबकि इससे पहले मुंबई इंडियंस के लिए खेलते थे। उन्होंने पिछले साल केरल के खिलाफ लाहली में रणजी ट्रॉफी मैच में हरियाणा के लिए एक पारी के 10 विकेट लिए थे।

सुंदर भविष्य में बेहतर ऑलराउंडर बनाकर उभरेगा - शास्त्री

मैनचेस्टर। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रहे रवि शास्त्री ने वाशिंगटन सुंदर की जमकर सराहना ही है। शास्त्री के अनुसार सुंदर एक अच्छे गेंदबाज होने के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं। ऐसे में वह भविष्य में बेहतर ऑलराउंडर के तौर पर उभरेंगे। इसलिए उन्हें अधिक से अधिक अवसर दिये जाने चाहिये। इस स्पिनर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2021 में ब्रिसबेन में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से ही अब तक केवल 11 टेस्ट मैच खेले हैं। जिसमें उनके नाम 30 विकेट और 545 रन हैं।

शास्त्री ने कहा, 'मुझे शुरूआत से ही सुंदर प्रतिभाशाली लगा। मैंने उसे पहली बार देखते ही जान लिया था कि वह एक अच्छा खिलाड़ी है और उसमें एक अच्छा ऑलराउंडर बनने की क्षमताएं है। शास्त्री का मानना है कि इस क्रिकेटर को घरेलू धरती पर घूमती हुई पिचों पर लाल गेंद से अधिक मैच खेलने चाहिए थे। उन्होंने कहा, 'वह अभी सिर्फ 25 साल का है। मुझे लगता है कि उसे और ज़्यादा टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहिये था। भारत में जहां गेंद टर्न ले रही हो, वहां वह घातक साबित हो सकता है, जैसा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ उसने प्रदर्शन किया था। उसने कुछ सीनियर स्पिनरों से बेहतर प्रदर्शन किया था और इसके साथ ही वह अच्छा बल्लेबाज भी है।

वाशिंगटन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 2024 की घरेलू टेस्ट सीरीज की चार पारियों में 16 विकेट लिए थे। शास्त्री ने उनकी बल्लेबाजी क्षमता की भी प्रशंसा की और कहा कि उन्हें बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भी भेजा जा सकता है। शास्त्री ने कहा, 'वह स्वाभाविक रूप से प्रतिभाशाली बल्लेबाज है। वह बल्लेबाजी क्रम में आठवें नंबर का बल्लेबाज नहीं है। उसे बहुत जल्दी ही हम छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते देखेंगे।

शास्त्री ने कहा कि वाशिंगटन की तकनीक अच्छी है जिससे वह विदेशी हालातों में भी सफल हो सकता है। उन्होंने कहा, 'एक बार जब वह आत्मविश्वास हासिल कर लेगा तो मुझे लगता है कि उसके खेल में और भी निखार आयेगा। उसने विदेश में भी अपनी लय बनाये रखी है। वह फिट खिलाड़ी है और वह वह लंबे स्पैल भी करता है और जरूरत के अनुसार बदलाव भी करता है।

रसेल ने अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच में आक्रामक पारी खेली, प्रशंसकों का आभार जताया

जमैका। वेस्टइंडीज के स्टार ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने अपने अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच में आक्रामक पारी खेली हालांकि इस मैच में उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा जिससे उनकी विदायी फीकी पड़ गयी। ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच में जोश इंग्लिस की अर्धशतकीय पारी से आसानी से जीत हासिल कर की। इस मैच में सभी की नजरें रसेल पर लगी रहीं। उन्हें देखने के लिए भारी संख्या में प्रशंसक भी स्टेडियम में पहुंचे थे। इस विदायी पार्टी में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज इंग्लिस ने 33 गेंदों में ही 78 रन बनाए। रसेल ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह इस मैच के बाद खेल को अलविदा कह देंगे। वह सबीना पार्क में अपने घरेलू मैदान में विदाई मैच खेलना चाहते थे और उनका ये सपना पूरा हो गया। इस मैच में रसेल ने 15 गेंदों में 2 चौके और 4 छक्कों की मदद से 36 रन बनाये। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 240 का था। वेस्टइंडीज टीम 20 ओवर में 172 रन बना पाई। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने जीत के लिए मिले 173 रनों के लक्ष्य को 16वें ओवर में ही हासिल कर लिया।

मैच के बाद रसेल ने कहा, मैं सभी प्रशंसकों को समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। घरेलू दर्शकों के सामने खेलकर बहुत खुशी हुई, परिणाम भले ही हमारे पक्ष में नहीं गया पर इतने सारे मैच खेलकर मैं खुश हूं और टीम के भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं। आप सभी के समर्थन के लिए में आभारी हूं, मुझे याद है कि हमने दो विश्व कप जीते थे पर अब अंत में मुझे लगता है कि अब आगे बढ़ने का समय आ गया था, हमारी टीम में कई अच्छे युवा खिलाड़ी हैं, शेफर्ड भी जोरदार प्रदर्शन कर रहे हैं और रदरफोर्ड, अल्ज़ारी और होल्डर जैसे खिलाड़ी भी हैं। सबीना पार्क में अपने करियर का समापन करना काफी अच्छा रहा, परिणाम हमारे पक्ष में नहीं गया पर यहीं क्रिकेट का यही खेल है। आपने हमारा बहुत साथ दिया है और आगे भी देते रहिए।

रसेल ने 2011 में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू के बाद से ही 86 मैचों में 163.80 के स्ट्राइक रेट से कुल 1122 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 3 अर्धशतक भी लगाये। वहीं गेंदबाजी के दौरान उन्होंने 61 विकेट विकेट लिए। उनका सबसे अच्छा गेंदबाजी प्रदर्शन 19 रन देकर 3 विकेट रहा है। उन्होंने 56 एकदिवसीय ओर एक टेस्ट खेला है पर इन दोनो ही प्रारुपों में वह सफल नहीं रहे हैं।

मंधाना ने बनाया रिकार्ड

लंदन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में अपनी 45 रनों की पारी के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल कर ली है। इस पारी के साथ ही मंधाना इंग्लैंड में सबसे अधिक रन बनाने वाली विदेशी सलामी बल्लेबाज बन गयी हैं। मंघाना ने अब तक इंग्लैंड में पारी की शुरुआत करते हुए 715 रन बनाये हैं। ये अब तक किसी भी विदेशी सलामी बल्लेबाज के बनाए सबसे ज्यादा रन हैं।

तीसरे एकदिवसीय में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 318 रन बनाए। मंधाना के अलावा हरलीन देओल ने भी 45 रन की पारी खेली। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 84 गेंदों में 102 रन की तेज और शानदार शतकीय पारी खेली। जेमिमा रोड्रिग्स ने अर्धशतक लगाया। ऋचा घोष ने केवल 18 गेंद में 38 रन की आक्रामक नाबाद पारी खेली जिसमें 3 चौके और 2 छक्के शामिल थे। जीत के लिए 319 रन का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम 49.5 ओवर में 305 रन ही बना सकी। कप्तान नैट स्कीवर ब्रंट सिर्फ 2 रन से शतक नहीं बना पायीं। एम्मा लैंब ने 68 और एलिस डेविडसन रिचर्ड्स ने 44 रन बनाए। भारतीय टीम ने इस मैच को जीतकर सीरीज अपने नाम की है।

सीफर्ट की आक्रामक पारी से न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराया

जोहांसबर्ग। सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट की आक्रमक पारी से न्यूजीलैंड ने त्रिकोणीय टी20 सीरीज में दक्षिण अफ्रीका को सात विकेट से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने आठ विकेट पर 134 रन बनाये। रीजा हेंड्रिक्स ने सबसे अधिक 41 रन बनाये। इसके बाद कीवी टीम की ओर से सीफर्ट ने 48 गेंदों पर ही नाबाद 66 रन बना दिये। जिससे टीम 16 ओवरों में ही 135 रनों के लक्ष्य तक पहुंच गयी।

दोनों टीमों के बीव अब शनिवार को फाइनल मुकाबाला खेला जाएगा। वहीं जिम्बाब्वे की टीम लगातार तीन मैच हार कर पहले ही फाइनल की दौड़ से बाहर हो गयी थी। कीवी टीम की इस सीरीज में यह दक्षिण अफ्रीका पर दूसरी जीत है। उसने इससे पहले 21 रन से जीत हासिल की थी। इस मैच में मेजबान टीम का क्षेत्ररक्षण अच्छा नहीं रहा जो उसकी हार का कारण बनाया क्योंकि उसने शुरुआत में ही सीफर्ट का कैच छोड़ दिया था। दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा। स्पिनर सेनुरा मुथुसामी ने 24 रन देकर दो विकेट लिए। बाकि गेंदबाजों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा।

करुण नायर के पास अपने को साबित करने का अंतिम अवसर

लंदन। आठ साल बाद इंग्लैंड दौरे से भारतीय टीम में वापसी करने वाले करुण नायर अगर इस बार रन नहीं बना पाते हैं तो उनका करियर समाप्त हो जाएगा। इंग्लैंड के खिलाफ पहले तीन टेस्ट मैचों में वह असफल रहे हैं। घरेल क्रिकेट में लगातार बेहतर प्रदर्शन के कारण उन्हें टीम में अवसर मिला था पर वह अब तक उसका लाभ नहीं उठा पाये हैं। सीरीज के शुरुआती तीनों मैच में वह प्रभावित नहीं कर पाये। अच्छी शुरुआत करने के बावजूद वह बड़े स्कोर नहीं बना पाये हैं उन्हें एक के बाद दूसरे और तीसरे टेस्ट में भी अवसर मिले।

हरमनप्रीत ने नई गेंदबाज क्रांति को दिया प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड

लंदन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में शतक लगाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। हरमनप्रीत को इसके लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला पर पर उन्हें ये गेंदबाज क्रांति गौड को दे दिय। क्रांति ने इस मैच में 6 विकेट लेकर मेजबान टीम की बल्लेबाजी ध्वस्त कर दी थी। क्रांति के इस प्रदर्शन के लिए भले ही उन्हें अवार्ड नहीं दिया गया पर हरमनप्रीत कौर ने अपनी खिलाड़ी को स्पेशल फील कराया। की जमकर प्रशंसा करते हुए अपना प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड भी दे दिया। इसके अलावा जिस गेंद से उन्होंने 6 विकेट लिए थे, उस गेंद को भी साइन करके उनको सौंप दिया।

इंगलिस और ग्रीन के अर्धशतकों से ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टी20 में भी वेस्टइंडीज को हराया

जमैका। जोश इंगलिस और कैमरून ग्रीन की शानदार बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलिया ने यहां खेले गये दूसरे टी20 मैच में भी वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराकर टी20 सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर मेजबान टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। ब्रैंडन किंग और कप्तान शाई होप के बीच 63 रन की साझेदारी से वेस्टइंडीज की टीम ने आठ विकेट पर 172 रन बनाये। किंग ने 51 रन बनाये, होप ने केवल नौ रन बनाकर बनाये पर किंग का अच्छा साथ निभाया। टीम ने 100 रनों के अंदर ही तीन विकेट खो दिये। इसके बाद आंद्रे रसेल ने पारी को संभाला और वेस्टइंडीज को बड़े स्कोर तक पहुंचाया।

रसेल ने 36 रन जबकि गुडाकेश मोती ने 18 रन बनाकर स्कोर 8 विकेट पर 172 रनों तक पहुंचाया।

वहीं विरोधी टीम की ओर से एडम जांपा ने सबसे अधिक तीन विकेट लिए, नाथन एलिस और ग्लेन मैक्सवेल ने दो-दो विकेट लिए। बेन ड्वारशुइस को एक विकेट मिला।

इसके इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए केवल 15.2 ओवरों में ही जीत हासिल कर ली।

लक्ष्य का पीछा करते हुए उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही और ग्लेन मैक्सवेल 12 और कप्तान मिशेल मार्श 21 रनों पर ही आउट हो गये। इसके बाद जोश इंगलिस ने कैमरून ग्रीन के साथ तीसरे विकेट के लिए 131 रन की शानदार साझेदारी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 15.2 ओवरों में ही जीत दिला दी। इस दौरान इंगलिस ने 33 गेंदों में 78 रन बनाए, जबकि ग्रीन ने 56 रन बनाये। मेजबान टीम की ओर से जेसन होल्डर और अल्जारी जोसेफ ने एक-एक विकेट लिया।

आईएसएल इसी प्रकार स्थागित रहा तो फुटबॉल पीछे चला जाएगा- छेत्री

कोलकाता। भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री का मानना है कि इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के अनिश्चितकाल के लिए स्थगित बने रहने से देश में फुटबॉल को नुकसान होगा। छेत्री के अनुसार इससे खिलाड़ियों में संशय के हालात हैं। इससे प्रशंसकों में भी कई आशंकाएं हैं। छेत्री इस लीग में बेंगलुरु एफसी की ओर से खेलते हैंऔर अनका कहना है कि कई लोगों ने उनसे संपर्क कर देश में फुटबॉल के भविष्य को लेकर चिन्ताएं जतायी हैं। साथ ही कहा कि इससे खेल में उभर रहीं प्रतिभाओं का भी मनोबल गिरेगा। इस स्टार फुटबॉलर ने कहा , मुझे सबसे पहले ये चिंता हुई कि मेरे पास खेल का जो समय बचा है उसमें मुझे क्या करना होगा। इसके बाद कई क्लबों के खिलाड़ियों से बात करने के बाद मुझे लगा कि मेरी समस्या उतनी बड़ी नहीं है। भारतीय फुटबॉल की वर्तमान स्थिति बहुत चिंताजनक है। मुझे न केवल मेरे क्लब से, बल्कि अन्य क्लबों से भी खिलाड़ियों, स्टाफ सदस्यों, फिजियो, आदि के कई संदेश मिले हैं।

छेत्री ने कहा कि, भारतीय फुटबॉल में अभी जो स्थिति बनी हुई है , वैसी पहले कभी नहीं थी। इसी कारण इस खेल से जुड़े लोग चिंतित, और घबराये हुए हैं। गौरतब है कि आयोजकों और अखिर भारतीय फुटबॉल महासंघ के बीच करार का नवीनीकरण नहीं होने से 2025-26 के सत्र को अनिश्चितता के लिए स्थगित कर दिया गया है। आईएसएल लीग आमतौर पर सितंबर से अप्रैल तक चलती है ।

फुटबॉलर से डब्यूडब्लयूई रेसलर बने गोल्डबर्ग

अटलांटा। हाल में अपना अंतिम मुकाबला खेलने वाले डब्यूडब्लयूई रेसलर बिल गोल्डबर्ग शुरुआत में फुटबॉलर थे। गोल्डबर्ग का बचपन अमेरिका के तुलसा, ओक्लाहोमा में बीता। उन्होंने शुरुआत से लेकर हाई स्कूल तक फुटबॉल खेला। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ जॉर्जिया में भी फुटबॉल खेलते हुए टीम में अपनी अलग पहचान बनाई। बाद में वह एनएफएल के अटलांटा फाल्कन्स की ओर से खेलने लगे। इस टीम से उन्होंने कई मैच खेले पर चोटिल होने के कारण उनका फुटबॉल करियर बीच में ही रुक गया। ऐसे में गोल्डबर्ग पर्सनल ट्रेनर बन गए। इसी दौरान उन्हें लैरी शार्प नाम के एक रेसलिंग ट्रेनर ने डब्यूडब्लयूई में किस्मत आजमाने को कहा। शार्प को गोल्डबर्ग में रेसलरों सी ताकत और एथलेटिक्स लुक नजर आया।

गोल्डबर्ग ने शार्प की बात मानी और उनके रेसलिंग स्कूल मॉन्स्टर में प्रवेश ले लिया।

1990 के दशक में गोल्डबर्ग की चर्चाएं शुरु हो गयीं। वह वर्ल्ड चैंपियनशिप रेसलिंग में 173-0 की रिकॉर्ड जीत से लोकप्रिय हुए। वह अपनी ताकत और तेजी के लिए जाने जाते थे। गोल्डबर्ग 2003 में डब्यूडब्लयूई में शामिल हुए। वहां भी उन्होंने खूब नाम कमाया। 2018 में उन्हें डब्यूडब्लयूई हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया। फुटबॉल में चोट लगने से गोल्डबर्ग का करियर समाप्त हुआ था पर उन्हें इससे रेसलिंग में आने का अवसर मिला। वह अपना अंतिम मुकाबला इजराइल में खेलना चाहते थे पर सैन्य तनाव के कारण ये मैच रद्द हो गया था। जिससे उन्हें काफी निराशा भी हुई । 58 साल के गोल्डबर्ग का यह आखिरी मैच तेल अवीव में होने वाला था जो बाद में इसी माह अटलांटा में हुआ।

भारतीय महिला टीम ने इंग्लैंड को तीसरे एकदिवसीय में हराकर 2-1 से सीरीज जीती

लंदन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने मेजबान इंग्लैंड को तीसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में 13 रनों से हराकर 2-1 से सीरीज जीत ली है। भारतीय महिलाओं ने इससे पहले टी20 सीरीज भी जीती थी। ये पहली बार है जब महिला टीम ने टी20 और एकदिवसीय दोनो ही सीरीज जीती हैं। भारतीय महिला टीम ने इससे पहले दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और श्रीलंका के खिलाफ भी इसी प्रकार एकदिवसीय और टी20 सीरीज जीतीं थीं। इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान हरमनप्रीत कौर के शतक की सहायता से पांच विकेट पर 318 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम 49.5 ओवरों में 305 रन ही बना पायी और उसे हार का सामना करना पड़ा। क्रांति गौड़ ने छह विकेट अपने नाम किए, जबकि श्री चरणी ने दो विकेट लिए। एक विकेट दीप्ति शर्मा को मिला।

भारतीय पारी की शुरुआत अच्छी रही। प्रतिका रावल और स्मृति मंधाना ने पहले विकेट के लिए 64 रन बनाये। प्रतिका 26, जबकि मंधाना 45 रन बनाकर आउट हुईं। सलामी बल्लेबाजों के पवेलियन लौटने के बाद हरमनप्रीत ने हरलीन देओल के साथ तीसरे विकेट के लिए 81 रन बनाये। देओल ने 65 गेंदों में 45 रन बनाए। हरमनप्रीत ने जेमिमा रोड्रिगेज के साथ चौथे विकेट के लिए 110 रन बनाकर भारतीय टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। जेमिमा ने 50 रन जबकि हरमनप्रीत ने 84 गेंदों में 14 चौकों की मदद से 102 रन बनाये। वहीं मेजबान टीम की तरफ से लॉरेन बेल, लॉरेन फाइलर, चार्ली डीन, सोफी एक्लेस्टोन और लिंसी स्मिथ ने एक-एक विकेट लिया। बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही, उसने शुरुआत में ही दोनो विकेट खो दिये। इसके बाद एम्मा लैंब ने कप्तान नतालिया-साइवर-ब्रंट के साथ तीसरे विकेट के लिए 162 रन बनाकर टीम को संभालने का प्रयास किया पर लैंब के 68 रन जबकि ब्रंट के 98 रन पर आउट होने से टीम ढ़ह गयी। एलिस रिचर्ड्स ने 44, जबकि सोफिया डंकले ने 34 रन बनाए पर टीम को जीत नहीं दिला पायीं।

सिंधु ने चाइना ओपन में जीत से शुरुआत की

चांगझोउ। भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु ने चीन में जारी प्रतिष्ठित बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट चाइना ओपन 2025 में जीत से शुरुआत की है। सिंधु ने विश्व नंबर 6 खिलाड़ी जापान की तोमोका मियाजाकी को हराकर महिला वर्ग से प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी। सिंधु ने विश्व नंबर 6 वरीयता प्राप्त मियाजाकी के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन गेमों तक चले मुकाबले में 21-15, 8-21, 21-17 से जीत हासिल की। दूसरा गेम हारने के बाद सिंधु ने निर्णायक गेम में बढ़त बनाए रखते हुए वापसी कर मुकाबला अपने नाम किया।

जिले में कृषि आदान विक्रेता संघ की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

जिला इकाई का गठन, नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारियां

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले में कृषि से जुड़े व्यापारियों और विक्रेताओं के हितों की रक्षा एवं संगठनात्मक सुदृढ़ता को लेकर कृषि आदान विक्रेता संघ बालाघाट की एक अहम बैठक का आयोजन बुधवार को नगर के भटेरा रोड़ स्थित एक होटल में किया गया। बैठक में बालाघाट जिला स्तरीय संघ का गठन किया गया, जिसमें सर्वसम्मति से नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियां सौंपी गई। इस अवसर पर जिले भर से आए कृषि आदान विक्रेताओं की मौजूदगी रही और कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में महत्वपूर्ण मुद्दों पर की गई चर्चा

बैठक में कृषि आदानों की गुणवत्ता, भंडारण, मूल्य नियंत्रण, किसानों तक समय पर वितरण, नकली उत्पादों पर रोकथाम, विक्रेताओं के लाइसेंस संबंधित समस्याएं, एवं शासन-प्रशासन से समन्वय के मुद्दों पर गंभीर चर्चा की गई। साथ ही संगठन के भविष्य के कार्यों एवं गतिविधियों की कार्ययोजना पर भी विचार किया गया।

देवेंद्र नगपुरे बनाए गए अध्यक्ष

आयोजित बैठक में देवेन्द्र नगपुरे को सर्वसम्मति से जिला अध्यक्ष चुना गया। उनके नेतृत्व में संगठन को और मजबूत करने, विक्रेताओं की समस्याओं का समाधान करने और प्रशासन से समन्वय बनाकर कार्य करने का संकल्प दोहराया गया।

विभिन्न क्षेत्रों से चुने गए उपाध्यक्ष

संघ में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिनिधित्व देते हुए कुल 12 उपाध्यक्ष नियुक्त किए गए, जिनमें पवन बेलवंशी, भुमेश्वर दमाहे, जितेन्द्र सिहोरे, उत्तम प्रकाश रूसीया वारासिवनी, चोमेस लिल्हारे किरानापुर, नवनीत राणा बैहर, संतोष ठाकरे लामता, हेरऊ पंचतिलक बिरसा, कामराज देशमुख कटंगी, भुवन चोरनले लांजी, अशोक लिल्हारे लालबर्रा, हेमराज बसेने खैरलांजी इन उपाध्यक्षों को अपने-अपने क्षेत्र के विक्रेताओं की समस्याओं को संगठन तक पहुंचाने और समाधान में सहयोग की भूमिका सौंपी गई है।वही संगठन में जिला सचिव राकेश बोहरा, जिला सह सचिव सुलभ कटरे, कोषाध्यक्ष नरेन्द्र बिसेन, सह कोषाध्यक्ष संजय तुरकर, जिला प्रवक्ता कृष्णा ठकरेले एवं बंटी पटले, मीडिया प्रभारी भूपेन्द्र बिसेन, चोमेश लिल्हारे, रवि सुलाखे को जिम्मेदारी सौपी गई हैं।

संरक्षक मंडल की घोषणा

संघ के मार्गदर्शन एवं सलाह के लिए, वरिष्ठजनों को संरक्षक मंडल में सम्मिलित किया गया, जिसमें विजय तिवारी, लक्ष्मण चौधरी, राजकुमार जैरानी, सुशील पिंचा, बसंत मस्करे, दिनेश गहाने, विभोर संचेती, ओमकार बिसेन, अमित बिसेन आदि शामिल हैं।

संगठन की भूमिका होगी और मजबूत

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल व्यापारिक हित नहीं, बल्कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण सेवा देना भी है। आने वाले समय में संघ जनहित में कार्य करते हुए शासन से सहयोग प्राप्त करने की दिशा में प्रयास करेगा।

राजस्व न्यायालयीन एवं गैर-न्यायालयीन कार्यों के लिए तहसीलदार नायब तहसीलदार की पदस्थापना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मृणाल मीना ने राज्य शासन के निर्देशों के परिपालन में जिले में राजस्व न्यायालयीन एवं गैर-न्यायालयीन कार्यों के सम्पादन के लिए, पृथक-पृथक प्रभारी तहसीलदार, नायब तहसीलदार, प्रभारी नायब तहसीलदार, प्रभारी अधीक्षक भू-अभिलेख एवं प्रभारी सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख को पदस्थ किया है। राजस्व अनुविभाग बालाघाट के अंतर्गत बालाघाट तहसील में राजस्व न्यायालयीन कार्यों के लिए नायब तहसीलदार एवं प्रभारी तहसीलदार भूपेंद्र अहिरवार को तथा गैर-न्यायालयीन कार्यों के लिए नायब तहसीलदार श्रीमती वंदना कुशराम को पदस्थ किया गया है। इसी प्रकार लामता तहसील में राजस्व न्यायालयीन कार्यों के लिए प्रभारी नायब तहसीलदार एवं प्रभारी तहसीलदार सुरेश कुमार उपाध्याय को तथा गैर-न्यायालयीन कार्यों के लिए नायब तहसीलदार दशमंतलाल मरावी को पदस्थ किया गया है। राजस्व अनुविभाग किरनापुर के अंतर्गत किरनापुर तहसील में राजस्व न्यायालयीन कार्यों के लिए प्रभारी तहसीलदार श्रीमती वर्षा झारिया को तथा गैर-न्यायालयीन कार्यों के लिए नायब तहसीलदार केशवराव को पदस्थ किया गया है। राजस्व अनुविभाग लांजी के अंतर्गत लांजी तहसील में राजस्व न्यायालयीन कार्यों के लिए प्रभारी तहसीलदार हिम्मत सिंह भवेदी को तथा गैर-न्यायालयीन कार्यों के लिए, नायब तहसीलदार श्री संजय बारस्कर को पदस्थ किया गया है। राजस्व अनुविभाग बैहर के अंतर्गत बैहर तहसील में राजस्व न्यायालयीन कार्यों के लिए प्रभारी तहसीलदार श्री सुनील कुमार वर्मा व प्रभारी नायब तहसीलदार जमना प्रसाद भगत को तथा गैर-न्यायालयीन कार्यों के लिए प्रभारी तहसीलदार सहदेव सिंह मार्को को पदस्थ किया गया है। बिरसा तहसील में राजस्व न्यायालयीन कार्यों के लिए प्रभारी सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख एवं प्रभारी तहसीलदार राजूलाल नामदेव को तथा गैर-न्यायालयीन कार्यों के लिए प्रभारी नायब तहसीलदार रतनसिंह धुर्वे को पदस्थ किया गया है। राजस्व अनुविभाग परसवाड़ा के अंतर्गत परसवाड़ा तहसील में राजस्व न्यायालयीन कार्यों के लिए प्रभारी तहसीलदार सुश्री पूर्णिमा भगत को तथा गैर-न्यायालयीन कार्यों के लिए प्रभारी सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख कृष्णा नायक को पदस्थ किया गया है। राजस्व अनुविभाग वारासिवनी के अंतर्गत वारासिवनी तहसील में राजस्व न्यायालयीन कार्यों के लिए नायब तहसीलदार एवं प्रभारी तहसीलदार अनुराग मरावी को तथा गैर-न्यायालयीन कार्यों के लिए प्रभारी नायब तहसीलदार श्रीमती मंजूला महोबिया को पदस्थ किया गया है। लालबर्रा तहसील में राजस्व न्यायालयीन कार्यों के लिए नायब तहसीलदार एवं प्रभारी तहसीलदार कन्हैयालाल टेकाम को तथा गैर-न्यायालयीन कार्यों के लिए नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा को पदस्थ किया गया है। खैरलांजी तहसील में राजस्व न्यायालयीन कार्यों के लिए नायब तहसीलदार एवं प्रभारी तहसीलदार सुश्री छवि पंत को तथा गैर-न्यायालयीन कार्यों के लिए प्रभारी नायब तहसीलदार दुलारेलाल परते को पदस्थ किया गया है। राजस्व अनुविभाग कटंगी के अंतर्गत कटंगी तहसील में राजस्व न्यायालयीन कार्यों के लिए नायब तहसीलदार एवं प्रभारी तहसीलदार राकेश प्रजापति को तथा गैर-न्यायालयीन कार्यों के लिए प्रभारी नायब तहसीलदार पुन्नुलाल सांडिया को पदस्थ किया गया है। तिरोड़ी तहसील में राजस्व न्यायालयीन कार्यों के लिए नायब तहसीलदार एवं प्रभारी तहसीलदार श्रीमती गीता राहंगडाले को तथा गैर-न्यायालयीन कार्यों के लिए प्रभारी नायब तहसीलदार श्री पुन्नुलाल सांडिया को पदस्थ किया गया है।

गैर-न्यायालयीन कार्यों के लिए पदस्थ प्रभारी तहसीलदार, नायब तहसीलदार, प्रभारी नायब तहसीलदार, प्रभारी अधीक्षक भू-अभिलेख एवं प्रभारी सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख को ग्रामीण क्षेत्रों में थाना क्षेत्रवार कार्य विभाजन के लिए संबंधित एसडीएम को निर्देशित किया गया है। राजस्व न्यायालय का कार्य सम्पादित करने वाले तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार प्रातः 10 बजे से सायं 06 बजे तक राजस्व न्यायालय का कार्य नियमित रूप से सम्पादित करेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभावी हो गया है।

सलंगटोला तालाब से एक व्यक्ति की लाश बरामद

लामता(पद्मेश न्यूज)। ग्राम पंचायत भोंड़वा के सलंगटोला तालाब मे एक व्यक्ति की लाश बरामद किया गया। यह व्यक्ति बिपत पिता जेठू कोशले 43 वर्ष सलंग टोला ग्राम भोंडवा निवासी है जिसकी इस तालाब में डूबने से मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है।लामता पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बिपत कोशले की शादी नहीं हुई थी। उसके परिवार में उसकी बड़ी भाभी, छोटा भाई और उसकी बहू है। बिपत कोशले मजदूरी करता था जो शराब पीने का आदि था और वह कुछ मानसिक रूप से कमजोर भी था। 22 जुलाई की शाम से बिपत कोशले घर में नहीं था। भतीजे ने उसकी गांव मोहल्ले में खोजबीन किये किंतु वह नहीं मिला। 23 जुलाई को सलंग टोला के तालाब में एक व्यक्ति की पानी मे उतराते हुए लाश ग्रामीणों द्वारा देखी गई इस सम्बंध में ग्रामीणों ने सरपंच एवं कोटवार को जानकारी दी । भोंडवा सरपंच मुकेश पाटिल द्वारा लामता पुलिस को दूरभाष मे सूचना दी गई थी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक नितिन पटले ने हमराह स्टॉफ के साथ घटना स्थल सलंग टोला तालाब पहुंचकर निरीक्षण करते हुये, सलंगटोला मछुआ समिति को बुलाकर शव को तालाब से बाहर निकलवाये। यह लाश बिपत पिता स्व जेठू कोशले 43 वर्ष सलंगटोला निवासी की थी।, संभावना व्यक्त की गई है कि 22 जुलाई की शाम को विपत कौशले तालाब में मछली मारने के लिए गया ।जिसकी तालाब के गहरे पानी में जाने से मौत हो गई ।लामता पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के तहत मर्ग कायम कर लाश पंचनामा कार्यवाही पोस्टमार्टम कराकर उसके परिजनो के सुपुर्द कर दिये। आगे मर्ग जांच की जा रही है।

कभी भी धंसक सकता है नगरवाड़ा उगली मार्ग

पानी निकासी मार्ग ऊंचा होने से नहीं निकल रहा है तालाब का पानी

चांगोटोला(पद्मेश न्यूज)। परसवाड़ा नगरवाड़ा उंगली मार्ग की हालत इन दिनों काफी खस्ताहाल हो चुकी है। सड़क में पानी निकासी हेतु लगाए गए पाइप के बाजू से मिट्टी बह जाने से सड़क के नीचे धसकने की संभावना बनी हुई है। इस सड़क किनारे कृषि कार्य करने वाले कृषकों ने बताया कि हमारे द्वारा चार-पांच वर्षों से सिंचाई विभाग के अधिकारियों का ध्यान इस ओर आकर्षित किया जा रहा है, कि पानी निकासी का जो मार्ग है ऊंचा होने से पानी नहीं निकल पा रहा है। ऐसी स्थिति में उसे नीचे करवाया जाए तो पानी निकल पाएगा। किंतु विभाग द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है ऐसी स्थिति में हमारे खेतों में पानी भरा रहता है। कृषकों ने यह भी बताया कि तालाब पूर्ण जल भराव के कारण अतिरिक्त पानी निकासी हेतु बनाया गया फाल ऊंचा बनने से पानी नहीं निकल पा रहा है। ऐसी स्थिति में पूरा पानी तालाब के उत्तर पश्चिम में सड़क के नीचे लगे पाइप से निकलकर कृषकों की फसल को नुकसान पहुंचा रहा है वहीं यह पानी रेलवे के अंडर पुल के पास लगे पाइप से निकलता है। पानी की अधिकता एवं अत्यधिक तेज बहाव के कारण सड़क मार्ग में लगे पाइप के आजू-बाजू की मिट्टी बह गई है। पानी पाइप की अपेक्षा आजू-बाजू से बह रहा है और

सड़क मार्ग पाइप पर लटका सा प्रतीत हो रहा है। ऐसी स्थिति में दुर्घटना घटने की संभावना से ही इनकार नहीं किया जा सकता। बताया गया है कि तालाब का अतिरिक्त पानी अत्यधिक मात्रा में केवल यही से बहता है। सिंचाई विभाग द्वारा बनाए गए फाल से न के बराबर पानी बहता है। वर्तमान में तालाब और तालाब से लगे खेतों में पानी भरा है। पानी का निरंतर बहना पाइप के पास से ही हो रहा है ऐसी स्थिति में गंभीर हादसा होने की संभावना बनी हुई है। यदि इस ओर शीघ्र ध्यान नहीं दिया गया तो सड़क धसक जायेगी और यातायात बंद हो जाएगा। ज्ञात रहे की यह सड़क परसवाड़ा उंगली मार्ग है। पाइप के पास कुछ कृषकों द्वारा मिट्टी रोकने हेतु पाइप के आजू-बाजू लकड़िया लगाई गई है। चांगोटोला सरपंच प्रमोद कुमार ठाकरे, पूर्व सिंचाई समिति अध्यक्ष दीपचंद ठाकरे, सेवानिवृत्त नायब तहसीलदार गोपाल ठाकुर सहित अन्य कृषकों ने मौका स्थल पर जाकर वस्तु स्थिति की जानकारी ली। सिंचाई विभाग को इस ओर शीघ्र ध्यान दिया जाना आवश्यक है। कृषकों द्वारा कहा जा रहा है कि यदि कोई हादसा हो जाए तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी। संबंधित विभाग से कृषकों ने अपेक्षा की है कि वह इस ओर शीघ्र ध्यान देकर इस समस्या का समाधान करें।

श्री शनि देवजी के 131 वां जन्मोत्सव आज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी नगर के मेन रोड सराफा मार्केट स्थित प्राचीन शनि मंदिर में हरियाली अमावस्या पर भगवान सुर्यपुत्र श्री शनी देवजी का 131 वा जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। जहां जन्मोत्सव के अवसर पर सुबह से लेकर देर रात तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे। जिसकी तमाम तैयारियां पूर्ण कर ली गई है।इस पावन अवसर पर मन्दिर में भगवान शनि के दर्शन के लिए गुरवार 24 जुलाई को सुबह से ही भक्तों का जनसैलाब उमड़ेगा, तो वही शनि मंदिर में दोनों समय की महाआरती, प्रसाद वितरण ,भजन कीर्तन सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए जाएंगे। जहां मन्दिर में सुबह महा आरती यज्ञ और प्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजन किया गया है। तो वही तो शाम 7 बजे महाप्रसाद वितरण और रात्रि 8 बजे भजन कीर्तन सहित अन्य विविध कार्यक्रम संपन्न कराए जाएंगे।

इन कार्यक्रमों के होंगे आयोजन

नगर के नया सराफा स्थित प्राचीन शनि मंदिर देवस्थान में सूर्यपुत्र श्री शनि देवजी का 131 वा जन्मोत्सव एवं तेल अभिषेक 24 जुलाई गुरवार हरियाली अमावस्या पर आनंद पूर्वक भक्ति भाव के साथ मनाया जाएगा। इस दिन प्रातः 7 बजे श्री शनिदेव का पुष्प श्रृंगार एवं आरती की जाएगी, प्रातः 7:30 बजे से श्री शनि देव का तेलाभिषेक, प्रातः 10:30 बजे से नवग्रह पूजन व शनि शांति हवन किया जाएगा, दोपहर 1 बजे से श्री शनि देव जी का भंडारा एवं महाप्रसाद वितरण,किया जाएगा।वही दोपहर 3 बजे महिलाओं द्वारा भजन किया जाएगा ,शाम को भगवान श्री शनि देवजी का हर्षोल्लास के साथ जन्मोत्सव मनाया जाएगा।तो रात्रि 8 बजे शनि देव भगवान का जन्म एवं महाआरती की जाएगी और रात्रि 9:30 बजे से श्री शनि देव जागरण की विशेष प्रस्तुति की जाएगी।

विभिन्न कार्यक्रमों के किए जाएगे आयोजन- जोशी

श्री शनि देवजी के 131 वे जन्मोत्सव पर आयोजित कार्यक्रमो को लेकर की गई चर्चा के दौरान शनि मंदिर पुजारी पंडित श्री जोशी ने बताया कि सावित्री अमावस्या पर महाराष्ट्र के शनि सिंगणपुर में शनि महाराज की प्रतिमा स्थापित की गई थी। जिसके तहत पूरे देश में उसी दिन भगवान शनि की मूर्ति स्थापना दिवस मनाया जाता है।सावित्री अमावस्या से लगभग 2 माह बाद सावन हरियाली अमावस्या में शनि जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है।जो 24 जुलाई गुरवार को है।जिन्होंने सभी श्रद्धालुओं से शनिदेव जी के जन्मोत्सव, महाआरती, तेल अभिषेक, हवन पूजन भंडारा एवं शनि जागरण सहित विभिन्न कार्यक्रमों में सह परिवार उपस्थित रहकर शनि देव जी के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त करने की बात कही है।

नाबालिक से छेड़छाड़ के मामले में अपराध कायम, जांच जारी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ८ वर्षीय नाबालिक के साथ छेड़छाड़ का मामला प्रकाश में आया है। घटना में पुलिस के द्वारा १६ वर्षीय नाबालिक के खिलाफ छेड़छाड़ का अपराध कायम कर जांच प्रारंभ कर दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता नाबालिक अपने माता पिता दादा दादी के साथ एक घर में निवास करती है। घटना के दिन दादा के उपचार के लिए माँ साथ गयी थी तो वहीं पिता अपनी खेती कार्य के लिए खेत चले गए थे। घर पर पीड़िता और दादी थी इसी दौरान पीड़िता अपने परिवार के अन्य व्यक्तियों के साथ मोहल्ले में नींबू लाने के लिए साथ गई हुई थी। जहां पर उनके घर के १६ वर्षीय नाबालिक के

द्वारा ८ वर्षीय नाबालिक को रोक कर घर के पीछे सुने स्थान में ले जाकर छेड़छाड़ करने लगा। जिस पर पीड़िता रोने और चिल्लाने लगी तो नाबालिक के भाई के द्वारा यह देखा गया जिसने बालिका को घर लाया और परिवार के लोगों को घटना की सूचना दी। इसके बाद नाबालिक ने अपने माता पिता को पूरी घटना बताई तत्पश्चात उनके द्वारा थाने में आकर घटना की शिकायत की गई। मामले में पुलिस के द्वारा १६ वर्षीय नाबालिक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा ७५ लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम २०१२ की धारा ७ ८ के तहत अपराध कायम कर जांच में लिया है।

पशु चिकित्सा विभाग कार्यालय में नि:शुल्क रैबीज टीकाकरण शिविर कल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। रैबीज संक्रमण ऐसा संक्रमण है, जिससे जानवरों के साथ मनुष्य भी पीड़ित हो जाता है, और रैबीज संक्रमण से बचाव का एकमात्र तरीका है टीकाकरण, क्योंकि यह एक ऐसी बीमारी किसी को भी हो जाए तो फिर ये लाइलाज बीमारी है। जिसमें जान भी चली जाती है।ऐसी स्थिति में जब भी कोई भी पालतु, आवारा श्वान, बिल्ली या अन्य कोई जानवर काटे तो बिना किसी देरी के कुछ तत्कालिक उपाय जैसे कि साबुन से घाव को साफ करना और उसमें डिटाल डालना और तत्काल ही अस्पताल पहुंचकर रैबीज का टीकाकरण करवाना जरुरी है। झाड़-फूंक के चक्कर में बिलकुल भी नहीं पड़ना है, ये जानकारी बुधवार को,नगर में 25 जुलाई को आयोजित होने वाले रैबीज नि:शुल्क टीकाकरण शिविर को लेकर पशु चिकित्सा विभाग के सिविल सर्जन डा. घनश्याम परते और पशु चिकित्सक डा. बादल पटले ने पत्रकारवार्ता के दौरान दी हैं।

25 को सुबह दस बजे से शुरु होगा टीकाकरण शिविर

पशु चिकित्सा विभाग के चिकित्सकों ने बताया कि समय-समय पर पशु चिकित्सा विभाग वैक्सीनेशन के लिए इस तरह के शिविर आयोजित करता है, लेकिन इस बार वर्षा काल में श्वानों के काटने से संबंधित घटनाओं को ध्यान में रखते हुए वृहद स्तर पर शिविर का आयोजन पशु चिकित्सालय में किया गया है। उन्होंने बताया कि नि:शुल्क टीकाकरण शिविर सुबह दस बजे से शुरु हो जाएगा और लक्ष्य रखा गया है कि 100 या उससे अधिक श्वान व बिल्ली का टीकाकरण इस शिविर में किया जाए उन्होंने बताया कि इस शिविर में पशु प्रेमी आवारा श्वान व पशु मालिक पालतु श्वान व बिल्ली को ला सकते है, या फिर उनके पास अन्य ओर कोई पालतु जानवर है तो उसे भी शिविर में ला सकते है। उनकी उम्र तीन माह से अधिक होना चाहिए उससे कम उम्र के जानवर का टीकाकरण नहीं किया जा सकता है।

रैबीज संक्रमण होने पर दो प्रकार के होते है लक्षण

पशु चिकित्सकों ने बताया कि रैबीज का संक्रमण दो प्रकार से होता है, एक प्रकार में जानवर की आंख लाल तो होती ही है,लेकिन वह हमलावर नहीं होता है। बस चुपचाप रहता है, और खाना-पीना छोड़ देता है। दूसरे प्रकार के लक्षण में जानवर हमलावर हो जाता है वह किसी को भी देख कर उस पर हमला कर देता है। वहीं उसे पानी पीने में तकलीफ होती है जिससे रैबीज का संक्रमण होने पर वह पानी से डरता है ।जो कि रैबीज संक्रमण होने की आसान पहचान होती हैं।

बसपा का कार्यकर्ता सम्मेलन एवं समीक्षा बैठक संपन्न

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर एक स्थित तक्षशिला भवन में बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान में विधान सभा एवं सेक्टर कमेटी की समीक्षा बैठक एवं कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सी पी सिंह केंद्रीय स्टेट कोआर्डिनेटर बसपा म. प्र. के मुख्य आतिथ्य, रमाकान्त पिप्पल प्रदेश अध्यक्ष बसपा के विशिष्ट आतिथ्य, अजाब शास्त्री जोन प्रभारी बसपा ,दुर्गेश बिसेन जिला प्रभारी ,दीपक मेश्राम जिला प्रभारी ,महेन्द्र जिलाध्यक्ष बसपा सहित अन्य लोगों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें विधानसभा स्तरीय समस्त सेक्टरों की बिंदुवार समीक्षा की गई। वहीं कार्यकर्ताओं को आगामी कार्य योजना की जानकारी देते हुए विभिन्न विषय पर विस्तार पूर्वक चर्चा कर कार्यकर्ताओं को तन मन धन के साथ संगठन को मजबूत करने प्रत्येक घर.घर तक एवं हर एक बहुजन तक बीएसपी की विचारधारा को पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर रूपपाल उके, कैलाश मेश्राम, प्रकाश चौरे ,राजकुमार सोनवाने ,श्यामलाल पटले, टी आर गोंडाने सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मजदूरों के खाते में डाल दी गई पीएम आवास की राशि?

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। लामता तहसील के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत नगरवाड़ा में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्के मकान का सपना देखना एक हितग्राही को उस वक्त महंगा पड़ गया। जब प्रधानमंत्री आवास योजना की कुछ राशि उसके खाते में मकान बनाने के लिए डाल दी गई, लेकिन बची हुई राशि से पंचायत में काम करने वाले मजदूरों का भुगतान कर दिया गया।अब हितग्राही उक्त राशि को पाने के लिए शासकीय कार्यालयो के चक्कर काटने के लिए मजबूर है। जिसकी शिकायत हितग्राही नगरवाड़ा निवासी चमनलाल रहांगडाले द्वारा कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौंपकर की गई है।जिसमें उन्होंने मामले की जांच कराकर संबंधितों पर वैधानिक कार्यवाही कर, उन्हें उनकी राशि दिलाए जाने की गुहार लगाई है।

सीएम हेल्पलाइन में शिकायत करने पर भी नहीं हुआ समाधान- चमनलाल

चर्चा के दौरान हितग्राही चमनलाल पिता स्व. कुलपत लाल राहांगडाले ने बताया कि उनका नाम पीएम आवास के लिए आया था। जिसकी पूर्ण राशि प्राप्त नहीं हुई है। तीन किस्तो में 25000+ 40000 + 40000 = 105000 की राशि ही प्राप्त हुई है। बाकी राशि आज दिनांक तक प्राप्त नहीं हुई। मैने ग्राम पंचायत नगरवाड़ा में सम्पर्क किया परन्तु मुझे इस पर कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया गया, फिर मैने सीएम हेल्प लाईन 181 में शिकायत दर्ज कराई जिसका शिकायत क्रमांक 32774991 है।अब ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव व सहायक सचिव द्वारा शिकायत वापस कराने के लिए जबरन दबाव डाला जा रहा है।उधर समन्वयक अधिकारी द्वारा यह कहा गया कि आपकी राशि मजदूरों के खाते में डाल दी गई है। जब मैंने बैंक खाते चेक कराया तो उसमें कोई राशि प्राप्त नहीं हुई है। इस तरह राशि न देकर उन्हें लगातार गुमराह किया जा रहा है। जिले के प्रशासनिक अधिकारियों से निवेदन है कि इस मामले की जांच कराकर संबंधियों पर वैधानिक कार्यवाही की जाए वही उनकी पीएम आवास की राशि उन्हें दिलाई जाए।

मौसम बिसेन बनाई गई मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की सदस्य

भाजपा में हर कार्यकर्ता की कीमत है ,मांगने से नहीं मिलता, पार्टी तय करती है जिम्मेदारी – मौसम बिसेन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भारतीय जनता पार्टी की भाजपा नेत्री और वरिष्ठ भाजपाई मौसम बिसेन को मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग का सदस्य बनाया गया है । जैसे ही यह सूचना जारी हुई उसके बाद से ही भाजपा कार्यकर्ता और मौसम बिसेन के समर्थकों में खुशी की लहर छा गई । सभी अलग-अलग माध्यमों से मौसम बिसेन को बधाई देने लगे । देर शाम भाजपा कार्यालय में आतिशबाजी के साथ ढोल, नगाड़ों के साथ जश्न का माहौल देखने को मिला। सभी ने मिठाइयां बाट कर मौसम बिसेन को बधाइयां दी। आपको बता दे की पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन की बेटी और वरिष्ठ भाजपा नेत्री मौसम बिसेन को मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग का सदस्य बना कर नई जिम्मेदारी दी गई है। इसके पहले मौसम बिसेन बालाघाट विधानसभा में विधायक की दावेदारी के लिए उतरी थी। हालांकि बाद में भाजपा संगठन के कहने पर उन्हें टिकट जारी होने के बाद मना कर दिया गया । एवं पूर्व मंत्री गौरी शंकर बिसेन ने ही बालाघाट विधानसभा में चुनाव लड़ा था। इसके बाद कांग्रेस जीत गई थी और मौसम बिसेन लगातार पार्टी के लिए काम कर रही थी। अचानक 23 जुलाई को शाम के समय एक पत्र जारी हुआ। जिसमें मौसम बिसेन को मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग का सदस्य बनाया गया। जिसके बाद से भाजपा कार्यकर्ता सहित मौसम बिसेन के समर्थकों में खुशी की लहर छा गई । सभी इस प्रकार मौसम बिसेन को सदस्य बनाए जाने पर खुश हो गए और सभी ने सोशल मीडिया सहित अलग-अलग माध्यमों से मौसम बिसेन को इसकी बधाई दी। देर शाम भाजपा कार्यालय में सभी ने मौसम बिसेन को गुलदस्ता देकर बधाई दी। यहां ढोल नगाड़ों की थाप पर मौसम के समर्थकों ने अपनी खुशी जाहिर की।

मौसम बिसेन ने पद्मेश न्यूज़ से चर्चा के दौरान बताया कि आज उन्हें प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और सत्ता के साथ संगठन ने उन्हें नई जिम्मेदारी दी है। इसमें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल , हितानन्द शर्मा और अन्य वरिष्ठों द्वारा उन्हें एक नई जिम्मेदारी दी गयी है । इस पर वह सभी का धन्यवाद ज्ञापित करती हैं। उन्हें मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण का सदस्य बनाया गया है। वह संगठन और मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में दिए गए दायित्व का निर्वहन करेंगी। उन्होंने इस दिए गए दायित्व को लेकर कहा कि संगठन में हर एक कार्यकर्ता की अपनी कीमत है । पार्टी के लिये हर कार्यकर्ता महत्वपूर्ण होता है । संगठन की परंपरा रही है । वह हर कार्यकर्ता को उसके दायित्व अनुसार जिम्मेदारी सुनिश्चित करता है। उन्हें आज ही अचानक जानकारी लगी और वह इस दिए गए दायित्व के लिए सभी वरिष्ठ और कनिष्ठ कार्यकर्ता सहित बड़े पदाधिकारी का आभार व्यक्त करती हैं। जो उन्हें जिम्मेदारी दी गई है वह उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ पूरा करेंगी । इस अवसर पर भाजपा कार्यालय में भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे, उपाध्यक्ष मोनू पांडे ,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अनिल धुवारे , नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर, नगर पालिका उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, किरण भाई त्रिवेदी , सुरजीत ठाकुर , देवेंद्र ठाकरे, योगिता विनय बोपचे , जैनेंद्र कटरे, सहित कई वरिष्ठ और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

लाठी और कुल्हाड़ी के वार से गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की मौत

ग्रामीण थाने के ग्राम सिहोरा की घटना, आपसी रंजिश के चलते की गई काशीराम की हत्या, राजेंद्र मोहारे और संजय मोहारे पुलिस अभिरक्षा में लिया

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम सिहोरा में एक व्यक्ति को लाठी कुल्हाड़ी से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया गंभीर रूप से घायल व्यक्ति काशीराम पिता प्रेमलाल मोहारे65 वर्ष की नागपुर ले जाते समय मौत हो गई । 22 जुलाई की रात्रि 8ः30 बजे करीब ग्राम सिहोरा के देवी चौक में यह इस सनसनीखेज वारदात को इसी ग्राम के दो व्यक्ति संजय मोहारेऔर राजेंद्र मोहारे द्वारा आपसी रंजिश के चलते अंजाम दिये। 23 जुलाई को ग्रामीण पुलिस ने मृतक काशीराम मोहारे का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिये है और इस मामले में राजेंद्र मोहारे और संजय मोहारे को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार काशीराम मोहरे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते थे। जिसके परिवार में पत्नी दो बेटे और बहुएं हैं। बताया गया की 2 साल पहले काशीराम मोहारे की एक 14 साल की नातिन को राजेंद्र मोहारे ने कुएं में धकेल दिया था ।जो गंभीर रूप से घायल हो गई थी।इसी को लेकर दोनों परिवार के बीच आपसी रंजिश बनी हुई थी। इसके अलावा अन्य वजह से भी विवाद दोनों परिवार के बीच चल रहा था। 22 जुलाई की रात्रि 8:30 बजे करीब काशीराम मोहारे देवी चौक स्थित दुकान से कुछ सामान खरीद कर अपने घर लौट रहा था। तभी संजय मोहारे और राजेंद्र मोहारे चौक में ही थे। जैसे ही बिजली बंद हुई उसी समय राजेंद्र मोहारे और संजय मोहारे ने लाठी कुल्हाड़ी से काशीराम पर ताबड़तोड़ वार कर दिए ।कुल्हाड़ी और लाठी का वार सिर में पड़ने से काशीराम मोहारे वहीं पर गिर गया और बेहोश हो गया था। घटना के दौरान चौक में पुनाराम मान्द्रे और शिवम मोहारे समीप ही खड़े थे। जिन्होंने इस वारदात को देखे। जिन्होंने ने काशीराम मोहारे के घर वालों को जाकर बताये। काशीराम मोहारे के परिवार के लोग तुरंत देवी चौक पहुंचे और गंभीर रूप से घायल काशीराम मोहारे को तुरंत ही जिला

अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जहां से तुरन्त प्राथमिक उपचार के बाद काशीराम मोहारे को हायर सेंटर रेफर किया गया था। काशीराम मोहारे को उसके परिजनों ने गोंदिया के अस्पताल ले गए। गोंदिया के। निजी अस्पताल से उपचार के बाद काशीराम मोहारे को बेहतर उपचार हेतु उसके परिवार के लोग नागपुर ले जा रहे थे ।किंतु नागपुर ले जाते समय काशीराम मोहारे ने रास्ते में ही दम तोड़ दिए। जिसका शव वापस बालाघाट लाया गया। काशीराम मोहारे की मौत होने की सूचना मिलते ही ग्रामीण थाना प्रभारी अमित अग्रवाल ने ग्राम सिहोरा पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू की वही सहायक उप निरीक्षक प्रभु दयाल कानतोड़े ने अपने स्टाफ के साथ जिला अस्पताल पहुंचे और जिला अस्पताल में काशीराम मोहारे का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौप दिये। जानकारी मिली है कि इस मामले में संजय मोहारे और राजेंद्र मोहारे जो एक ही परिवार के से ताल्लुक रखते हैं उन्हें अभिरक्षा में ले लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
▷ COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
▷ MINING ENGINEERING
▷ CIVIL ENGINEERING
▷ MECHANICAL ENGINEERING
▷ ELECTRICAL ENGINEERING

Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

आवश्यकता है
संस्थान में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
- संपर्क करें - पद्मेश सिटी केबल काली पुतली चौक के समीप, बालाघाट

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट